राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 11
अंक : 335
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
गुरुवार 16 जून 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट

पेज 3 सत्याग्रह के तीसरे दिन भी कांग्रेस कार्यकर्ता अपने नेता राहुल गांधी के समर्थन में पुलिस द्वारा प्रताड़ना के बावजूद कांग्रेस कार्यकर्ता अडिग है

पेज 5 कासगंज में रोडवेज बस ने बाइक को मारी टक्कर : चालक को झपकी आने से अनियंत्रित होकर खेत में घुसी बस, बाइक सवार

पेज 7 गलवान संघर्ष के दो साल, चीन के कारण अब तक दोनों देशों के बीच नहीं सुलझे बॉर्डर के मसले?

राष्ट्रपति चुनाव पर 17 विपक्षी दलों की मीटिंग

ममता ने फारूक-गोपाल गांधी का नाम लिया; रेस से बाहर हुए पवार को राजनाथ ने फोन लगाया

नई दिल्ली। राष्ट्रपति चुनाव को लेकर पक्ष और विपक्ष सक्रिय हो गए हैं। एक तरफ ममता बनर्जी ने जहां 17 विपक्षी दलों के साथ दिल्ली में बैठक की। वहीं इस मीटिंग के चंद घंटे बाद ही सत्ता पक्ष की ओर से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी एक्टिव हो गए।

राजनाथ ने पहले बिहार के ष्टरू नीतीश कुमार और ओडिशा के सीएम नवीन पटनायक से बता की। इसके बाद उन्होंने शरद पवार और मायावती को भी फोन घुमाया। रक्षा मंत्री ने इसके बाद ममता बनर्जी और मल्लिकार्जुन खड़गे से भी बात की। सरकार चाहती है कि नया राष्ट्रपति आम सहमति से चुन लिया जाए। राजनाथ ने इसी के तहत विपक्षी नेताओं से बातचीत की है।

पवार बोले- नाम पर रायशुमारी जारी

इससे पहले दिल्ली में ममता बनर्जी के नेतृत्व में विपक्षी दलों की मीटिंग करीब दो घंटे तक चली। बैठक में ममता बनर्जी ने राष्ट्रपति उम्मीदवार के तौर पर गांधी जी के पोते गोपाल गांधी और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला का नाम प्रपोज किया। इसके बाद शरद पवार ने भी कहा कि हम नाम पर रायशुमारी कर रहे हैं।

एक ही कैंडिडेट पर विपक्ष के नेता सहमत

बैठक में शिवसेना और कांग्रेस समेत 16 दल शामिल थे। आम राय यह बनी कि पूरे विपक्ष का एक ही कैंडिडेट होगा। इस बैठक में आम आदमी पार्टी ने हिस्सा नहीं लिया। उधर, न्योता न मिलने पर असदुद्दीन ओवैसी भी नाराज हो गए। इससे पहले मंगलवार को शरद पवार ने चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया।

ममता की मीटिंग में ये दल हुए शामिल

बैठक में कांग्रेस, सीपीआई, सीपीआई (एम), सीपीआईएमएल, आरएसपी, शिवसेना, एनसीपी, राजद, एसपी, नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीडीपी, जद (एस), डीएमके, आरएलडी, आईयूएमएल और झामुमो के लीडर्स शामिल हुए। इधर, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राष्ट्रपति चुनाव को लेकर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और ओडिसा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक से बात की है।

फारुख अब्दुल्ला

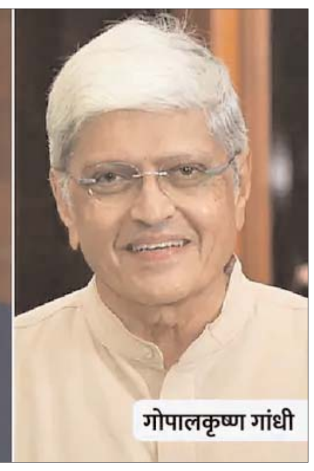

गोपालकृष्ण गांधी

कौन हैं गोपालकृष्ण गांधी?

गोपालकृष्ण गांधी महात्मा गांधी के परपोते हैं। उनका जन्म 22 अप्रैल को 1945 को हुआ। पिता का नाम देवदास गांधी है। सी राजगोपालचारी उनके नाना थे। उन्होंने दिल्ली के स्टीफन कॉलेज से अंग्रेजी में मास्टर की डिग्री पूरी की। 77 साल के गोपाल गांधी 1968 से 1992 तक IAS अधिकारी के रूप में विदेशों में अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

रिटायरमेंट के बाद वे राजनीति में भी अपना हाथ आजमा चुके हैं। 2017 के उपराष्ट्रपति चुनाव में भी वे विपक्ष की ओर से उम्मीदवार थे, लेकिन चुनाव में एम वेंकैया नायडू से हार गए थे। इससे पहले 1997 में वे बंगाल के राज्यपाल के रूप में भी काम कर चुके हैं।

24 जुलाई को खत्म हो रहा है राष्ट्रपति का कार्यकाल

18 जुलाई को राष्ट्रपति चुनाव के लिए वोटिंग होनी है, वहीं 21 जुलाई को नतीजे आएंगे। संविधान के नियमों के अनुसार देश में मौजूदा राष्ट्रपति का कार्यकाल खत्म होने से पहले अगले राष्ट्रपति के चुनाव की प्रक्रिया पूरी हो जानी चाहिए। देश के राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का कार्यकाल 24 जुलाई को खत्म हो रहा है।

येचुरी ने पहले मना किया, फिर मीटिंग में आए

ममता बनर्जी और एनसीपी चीफ शरद पवार बैठक में शामिल होने के लिए मंगलवार शाम को ही दिल्ली पहुंच गए थे। 14 जून को दिल्ली में ममता ने एनसीपी चीफ शरद पवार और प्रफुल्ल पटेल से मुलाकात की।

उधर, माकपा के सीताराम येचुरी ने स्पष्ट किया कि NCP नेता शरद पवार राष्ट्रपति पद के लिए विपक्ष के उम्मीदवार नहीं होंगे। उन्होंने ये भी कहा कि ममता के नेतृत्व में होने वाली इस बैठक में माकपा का शीर्ष नेतृत्व हिस्सा नहीं लेगा। हालांकि, बुधवार को हुई बैठक में वे खुद शामिल हुए।

बंगाल सीएम ने इन नेताओं को भेजा न्योता

ममता बनर्जी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, केरल के सीएम पिनराई विजयन, ओडिशा के सीएम नवीन पटनायक, तेलंगाना के सीएम के चंद्रशेखर राव, तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन, महाराष्ट्र के सीएम उद्धव ठाकरे, झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन, पंजाब के सीएम भगवंत मान और कांग्रेस प्रमुख सोनिया गांधी समेत 22 नेताओं को पत्र लिखा है।

ममता ने 22 नेताओं को लिखी थी चिट्ठी

ममता ने विपक्ष के 8 सीएम सहित 22 नेताओं को चिट्ठी लिखकर बैठक में शामिल होने का अनुरोध किया था। खास बात यह है कि इस बैठक में कांग्रेस भी शामिल हुई। कांग्रेस की ओर से इस बैठक में पार्टी के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे शामिल हुए। देश में 18 जुलाई को राष्ट्रपति का चुनाव होना है जिसको लेकर विपक्ष भाजपा के खिलाफ लामबंद हो रहा है।

शरद पवार और खड़गे का भी नाम उछला

इससे पहले खबरें आ रही थीं कि विपक्षी दल राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के लिए एनसीपी नेता शरद पवार के नाम पर सहमत नजर आ रहे हैं। शरद पवार से पहले कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे को भी राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाने की खबरें आ रही थीं।

एक दिन घटने के बाद फिर बढ़े कोरोना केस

24 घंटे में 8826 नए मामले, मौतें भी दोगुनी से ज्यादा

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में कोरोना केस एक दिन की गिरावट के बाद फिर से बढ़ने लगे हैं। पिछले 24 घंटे में 8,826 नए केस मिले हैं। कुल एक्टिव मरीजों की संख्या भी 52 हजार के पार पहुंच गई है। मंगलवार को देश में कुल 4.40 लाख कोविड टेस्ट किए गए। वहीं, डेली पॉजिटिविटी रेट 2 प्रतिशत दर्ज किया गया। वीकली पॉजिटिविटी रेट 2.35 प्रतिशत दर्ज किया गया। महामारी की शुरुआत से अब तक देश में 4.32 करोड़ लोग संक्रमित हो चुके हैं।

डेल्टा और ओमिक्रॉन वैरिएंट के खिलाफ प्रभावी होगा कोवैक्सिन बूस्टर डोज

इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी की एक स्टडी के मुताबिक, कोवैक्सिन बूस्टर डोज लगाने से डेल्टा वैरिएंट इंफेक्शन के खिलाफ वैक्सीन का असर बढ़ेगा। इसके साथ ही यह ओमिक्रॉन वैरिएंट बीए1.1 और बीए 2 के खिलाफ सुरक्षा देगा।

महाराष्ट्र में 3 हजार के करीब नए केस

सबसे ज्यादा 2,956 नए केस महाराष्ट्र में मिले हैं। यहां पॉजिटिविटी रेट 8.01 प्रतिशत हो गया है। इस दौरान 2,165 लोग ठीक हुए और 4 लोगों की जान गई। यहां फिलहाल सक्रिय केस 18,267 हैं। ठाणे शहर में बीए.5 वेरिएंट के 2 और नए मरीज मिले हैं।

दिल्ली में लगभग दोगुना हुए नए मामले

दिल्ली में कोरोना के रोजाना मामले 1,000 के पार पहुंच गए हैं। इससे पहले सोमवार को यहां 614 केस मिले थे, जो 24 घंटों में बढ़कर 1,118 हो गए।

इस दौरान 500 मरीज ठीक हुए और 2 मरीजों की मौत हो गई। यहां सक्रिय मामले 3,177 हैं।

तमिलनाडु में 332 नए मामले

तमिलनाडु में कोरोना वायरस के 332 मामले सामने आए। इसमें महाराष्ट्र से लौटा एक व्यक्ति भी शामिल है। यहां कुल मामलों की संख्या 34,57,969 हो गई है। स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि मरने वालों की कुल संख्या 38,025 है। पिछले 24 घंटों में 153 लोग ठीक हुए हैं, जिससे कुल स्वस्थ होने वाले लोगों की संख्या 34,18,312 हो गई है। वहीं, 1,632 एक्टिव केस हैं।

मध्यप्रदेश में 381 एक्टिव केस

मध्यप्रदेश में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस के 43 नए मामले सामने आए। वहीं 1 मरीज की मौत हो गई।

इसके बाद संक्रमितों की संख्या बढ़कर 10,43,221 हो गई। कोविड-19 से मरने वालों की कुल संख्या 10,739 हो गई है। यहां पॉजीटिविटी रेट 0.9 प्रतिशत है। एक अधिकारी ने बताया कि स्वस्थ होने वालों की संख्या 10,32,101 है। राज्य में 381 सक्रिय मामले हैं।

राजस्थान, एमपी-यूपी में 3 दिन बाद पहुंचेगा मानसून

चेरापूंजी में 27 साल बाद जून की बारिश का रिकॉर्ड टूटा

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में मानसून की एंट्री केरल से 29 मई को हो चुकी है यानी पूर्वानुमान से 3 दिन पहले। एंट्री लेने के 15 दिन बाद यह गुजरात, महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, विदर्भ, तेलंगाना और कर्नाटक की ओर बढ़ गया है। मौसम विभाग के मुताबिक 14 जून की दोपहर तक महाराष्ट्र के पश्चिमी आधे हिस्से, गुजरात के दक्षिणी और तेलंगाना के पश्चिमी हिस्सों को कवर कर चुका है। अगले 2-3 दिनों में आंध्र प्रदेश, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, झारखंड, पश्चिम बंगाल और बिहार के कुछ और हिस्सों में पहुंचने की उम्मीद है।

15 जून तक देश में बारिश की स्थिति

दक्षिण पश्चिम मानसून की उत्तरी सीमा दक्षिण गुजरात में एंट्री ले चुकी है। मानसूनी हवाओं से देश में बने 36 मीटिरियोलॉजिकल सबडिवीजन में से महज दो में जोरदार बारिश हुई है। वहीं तीन में मानसून की सामान्य बारिश हुई है। 18 सब डिवीजन में कम और 13 में न के बराबर बारिश हुई है। कुल मिलाकर 14 जून की सुबह तक देश में 36 प्रतिशत कम मानसूनी बारिश हुई है। हालांकि यह प्री-मानसून दौर जारी है।

राजस्थान : मानसून की एंट्री 20 जून के बाद

मंगलवार को लगातार तीसरे दिन प्री-मानसून जमकर बरसा। मौसम विभाग के अनुसार अब 3-4 दिन पूर्वी राजस्थान में कुछ जगह बारिश के आसार हैं।

बीकानेर संभाग में पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 17 से 19 जून तक हल्की बारिश की संभावना है। इधर, प्रदेश में मानसून की एंट्री 20 जून के बाद ही होने के आसार हैं।

मध्यप्रदेश : पाकिस्तानी हवाओं ने रोका रास्ता, महाराष्ट्र की बॉर्डर पर अटका

पाकिस्तान से लगातार आ रही हवाओं के कारण मानसून मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र की बॉर्डर पर अटक गया है।

अरब सागर से आगे बढ़ने के बावजूद यह महाराष्ट्र से सटे बड़वानी के पहले आकर रुक गया है। ऐसे में अब यह बड़वानी और इंदौर की जगह जबलपुर के रास्ते पहले प्रदेश में एंट्री कर सकता है। मंगलवार शाम से जबलपुर में हल्की बारिश भी शुरू हो गई।

बिहार : आधे बिहार में बारिश नालंदा समेत 5 जिलों में भी अलर्ट

मौसम विभाग ने गया, नालंदा, नवादा, जहानाबाद और अरवल में अगले 2 घंटे में तेज हवा और गर्जन के साथ बारिश की संभावना जताई है। राजधानी पटना में धूप और छांव का खेल से सुबह से जारी है। यहां गर्मी से लोग काफी परेशान हैं। बीते 48 घंटे में सिर्फ औरंगाबाद जिले में 12 लोगों की मौत हीट स्ट्रोक से हो गई है।

मंगलवार को जिले का पारा 44.5 डिग्री सेल्सियस था।

मौसम विभाग ने पूर्णिया के रास्ते बिहार में मानसून की एंट्री तय समय यानी 13 जून को पर होने का दावा किया है। हालांकि, पूरा राज्य भीषण गर्मी से बेहाल है।

छत्तीसगढ़ : प्री-मानसून की बारिश का बढ़ा दायरा, कई स्थानों पर बरसेंगे बादल

दक्षिण-पश्चिम मानसून अभी छत्तीसगढ़ की सीमाओं से दूर है, लेकिन स्थानीय प्रभावों की वजह से मानसून से पहले की बरसात का क्षेत्र बढ़ता जा रहा है।

बुधवार को प्रदेश के अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम स्तर की वर्षा की संभावना जताई जा रही है। एक-दो स्थानों पर भारी बरसात की चेतावनी भी है।

जबकि इस साल की मॉनसून वर्षा अब तक 12 जून को सबसे अधिक रही है - राज्य में 24 घंटों में 69.6 मिमी पर शुरू होने के दूसरे दिन, यह बाद के दिनों में काफी कम हो गई है और मंगलवार को सुबह 8.30 बजे तक केवल 1.4 मिमी थी।

चेरापूंजी में एक दिन में 811.6 मिमी बारिश रिकॉर्ड

आईएमडी ने बुधवार को सुबह 24 घंटों की वैदर रिपोर्ट के साथ बारिश का आंकड़ा भी शेयर किया। जहां मेघालय के चेरापूंजी में 811.6 मिमी की भारी बारिश दर्ज की गई। यह आंकड़ा जून में हुई बारिश के लिहाज से सबसे अधिक है। इसके पहले 1995 में 16 जून को पूर्वी खासी पहाड़ियों में बसे इस शहर में 1563.3 मिमी बारिश हुई थी। इससे ठीक एक दिन पहले यानी 15 जून 1995 को 930 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई थी।

पूर्वोत्तर में भारी बारिश की संभावना

जब से आईएमडी ने आईएमडी के आंकड़ों का रिकॉर्ड रखना शुरू किया है, तब से दुनिया के सबसे अधिक बारिश वाले स्थानों में से एक चेरापूंजी में 10 मौकों पर जून के महीने में 750 मिमी से अधिक बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग के मुताबिक पश्चिमी हवाओं में एक ट्रफ के चलते 15 जून को अरुणाचल प्रदेश में, 15-16 जून को असम और मेघालय में भारी वर्षा होने की संभावना है।

झारखंड : एक दो दिन में आ सकता है मानसून

प्री-मानसून बारिश ने गर्मी से थोड़ी राहत दी है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले तीन दिनों तक स्थानीय कारणों से कई जिलों में बारिश होगी।

इसी बीच राज्य में मॉनसून की भी एंट्री होगी। मानसून के साहिबगंज के रास्ते आने का अनुमान लगाया है साथ ही 16 और 17 जून को कई जिलों में भारी बारिश का भी अनुमान है।

हिमाचल प्रदेश : आज से प्री-मानसून बारिश, 16 से 18 जून तक येलो अलर्ट

प्रदेश में लोगों को चिलचिलाती गर्मी से राहत मिलने वाली है। मौसम विभाग ने बुधवार से प्री-मानसून का पूर्वानुमान जारी किया है। इसे लेकर 18 जून तक येलो अलर्ट जारी कर दिया है।

उसके मुताबिक प्रदेश के कई क्षेत्रों में 64 से 115 मिमी. तक बारिश हो सकती है। यह भारी बारिश नुकसान का भी कारण बन सकती है।

कानपुर हिंसा

स्थानीय नेताओं और मोहल्ले के लोगों ने बांटे रुपए, बिरयानी खिलाकर उकसाया

कानपुर में पैसे देकर बच्चों से कराई पत्थरबाजी

कानपुर। कानपुर में 3 जून को हुई हिंसा के दौरान बच्चों ने भी जमकर पथराव और बमबाजी की थी। सीसीटीवी फुटेज और वायरल फोटो-वीडियो की जांच से इस बात की पुष्टि हुई है। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के आदेश पर पुलिस ने जांच शुरू की, तो चौंकाने वाला खुलासा हुआ है।

बच्चों को पैसे देकर नई सड़क पर हिंसा कराई गई थी। हिंसा से पहले कई बार बिरयानी भी बांटकर बच्चों को खिलाई गई। साथ ही बच्चों को मजहबी कट्टरता का भी पाठ पढ़ाया गया था। कश्मीर में पत्थरबाजी करने के लिए आतंकी ऐसा करते रहे हैं। इलाके के मदरसे में पढ़ने वाले छात्र भी पुलिस के रडार पर हैं। इसके अलावा एक बार फिर से हिंसा के आरोपियों को पांच दिन की रिमांड लेने के लिए कोर्ट में अर्जी दी गई है।

चैनल बनाकर बच्चों को बांटे गए रुपए

JCP आनंद प्रकाश तिवारी ने बताया कि बच्चों का हिंसा में शामिल होना गंभीर बात है। NCPCR ने भी इसका संज्ञान लेते हुए कानपुर पुलिस कमिश्नर विजय सिंह मीणा को जांच का आदेश दिया था। पुलिस की जांच में सामने आया कि नाबालिग बच्चों को रुपए बांटकर हिंसा के लिए

डायवर्ट किया गया। बच्चों तक फंड सीधे नहीं, बल्कि अलग चैनल से भेजे गए। यानी इलाके के नेताओं और गली-मोहल्ले के लोगों से रुपए बंटवाए गए।

तय समय पर सैकड़ों नाबालिग हाथ में पत्थर लेकर सड़कों पर उतर आए थे और जमकर पथराव किया था। पुलिस जल्द ही जांच पूरी करके अपनी रिपोर्ट NCPCR को सौंपेगी।

बिल्डरों की फंडिंग की हो रही है जांच

पुलिस की जांच में सामने आया है कि कानपुर के नामी बिल्डर हाजी वसी समेत आठ बिल्डर हिंसा के मास्टर माइंड हयात जफर हाशमी को फंडिंग करते थे। पुलिस अब इस बिंदु पर जांच कर रही है कि बिल्डरों की फंडिंग की रकम तो हिंसा फैलाने के लिए इस्तेमाल नहीं की गई है। जांच पूरी होने के बाद ही यह साफ हो सकेगा।

जांच के दायरे में इलाके के मदरसों के छात्र

हिंसा में शामिल बच्चों की जांच कर रही टीम के रडार पर इलाके के मरदसे भी हैं।

वायरल वीडियो और सीसीटीवी में कैद बच्चों का फोटो और मदरसों में पढ़ने वाले बच्चों की शिनाख्त कराई जा रही है। फिलहाल अभी तक इस तरह का कोई मामला सामने नहीं आया है।

हिंसा प्रभावित क्षेत्र में एक-दो नहीं छह से अधिक बड़े मदरसे चलते हैं। इसमें कानपुर के अलावा कई जिलों के बच्चे पढ़ाई करते हैं।

पूछताछ के 24 घंटे, बाहर कांग्रेस का प्रदर्शन पर राहुल गांधी को राहत नहीं

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को 17 जून को चौथी बार पूछताछ के लिए तलब किया है। अधिकारियों ने बताया कि कांग्रेस सांसद ने गुरुवार के लिए छूट मांगी जिसकी अनुमति दे दी गई। राहुल गांधी कथित मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में लगातार तीसरे दिन बुधवार को भी ईडी के समक्ष पेश हुए और जांच एजेंसी ने 8 घंटे से अधिक समय तक उनसे %एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड और इसका स्वामित्व रखने वाली कंपनी यंग इंडियन से जुड़े निर्णयों में उनकी निजी भूमिका के बारे में पूछताछ की।

राहुल गांधी सीआरपीएफ जवानों की जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा के साथ सुबह करीब 11 बजकर 35 मिनट पर मध्य दिल्ली में एपीजे अब्दुल कलाम रोड पर स्थित ईडी मुख्यालय पहुंचे। उनके साथ उनकी बहन और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी भी थीं। अधिकारियों का कहना है कि तीन दिनों की पूछताछ के दौरान राहुल गांधी के बयान की ऑडियो एवं वीडियो रिकॉर्डिंग की गई। उनके बयानों को ए4 आकार वाले कागज पर टाइप किया जा रहा है और मिनट-मिनट के आधार पर उन्हें दिखाया जाता है और हस्ताक्षर करवाया जाता है तथा इसके बाद जांच अधिकारी को इसे सौंपा जाता है।

कांग्रेस का दावा- कोई प्राथमिकी नहीं है

कांग्रेस का दावा है कि इस मामले में कोई प्राथमिकी नहीं है और अनूसूचित अपराध नहीं है जिसके आधार पर धनशोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) का मामला दर्ज हो और राहुल गांधी एवं सोनिया गांधी को तलब किया जाए।

75 प्रतिशत अग्निवीरों को सरकारी नौकरियों में प्राथमिकता देगी हरियाणा सरकार

नई दिल्ली। हरियाणा सरकार ने बुधवार को घोषणा करते हुए कहा है कि वह 75 प्रतिशत अग्निवीरों को सरकारी नौकरियों में प्राथमिकता देगी और 25 प्रतिशत को स्थायी नौकरी मिलेगी। हरियाणा के ष्टरूमनोहर लाल खट्टर ने चंडीगढ़ में इसकी घोषणा की। खट्टर ने कहा, मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को धन्यवाद करता हूं, उन्होंने अनूठी अग्निपथ योजना शुरू की है। देश की सेना को सशक्त बनाने के लिए इस योजना में 4 साल के लिए 17-21 वर्ष के युवाओं को भर्ती कर ट्रेनिंग कराई जाएगी।

खट्टर ने कहा, 4 वर्ष बाद स्थायी नौकरी के लिए वॉलेंटरी तौर पर अप्लाई करना होगा। 25 प्रतिशत को स्थायी नौकरी मिलेगी, 75 प्रतिशत सेवा से वापस आकर समाज के कामों में लगेंगे। मैं हरियाणा सरकार की ओर से विश्वास दिलाता हूं कि जो 75 प्रतिशत सैनिक वापस आकर सरकारी नौकरी चाहते हैं उनको वरीयता दी जाएगी। हरियाणा सीएम ने कहा, मैं सभी को आश्वस्त करता हूं कि यदि वे एक चाहते हैं तो 75 प्रतिशत अग्निवीरों को सरकारी नौकरियों में प्राथमिकता दी जाएगी। अन्य नौकरियों में भी उन्हें प्राथमिकता देने की इसी तरह की योजनाएं बनेंगी।

भारतीय सेना में अग्निपथ योजना के तहत काम कर चुके युवाओं को हरियाणा के अलावा उत्तर प्रदेश सरकार भी नौकरियों में प्राथमिकता देगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को यह घोषणा की। योगी ने कहा कि भारतीय सेना में सेवा देने के बाद अग्निवीरों को यूपी पुलिस और उससे जुड़ी अन्य सेवाओं में प्राथमिकता दी जाएगी। यूपी सीएम ने ट्वीट कर कहा कि इन युवाओं को यूपी पुलिस भर्ती और इससे संबंधित अन्य सेवाओं में प्राथमिकता दी जाएगी। मध्यदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भारतीय सेना में अग्निपथ योजना के तहत भर्ती किए गए सैनिकों को मध्यप्रदेश पुलिस की भर्ती में वरीयता दी जाएगी। चौहान ने इस योजना का स्वागत करते हुए कहा, 'ऐसे जवान जो अग्निपथ योजना में सेवाएं दे चुके होंगे, उन्हें मध्यप्रदेश पुलिस की भर्ती में प्राथमिकता दी जाएगी।' पढ़ें- मध्य प्रदेश पुलिस की भर्ती में अग्निपथ जवानों को प्राथमिकता देगी सरकार, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का बड़ा ऐलान

उत्तराखंड भी अग्निवीरों पर बड़ा ऐलान

एक अन्य भाजपा शासित राज्य उत्तराखंड में भी अग्निवीरों को प्राथमिकता देने का ऐलान किया गया है।

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि अग्निवीरों को राज्य पुलिस भर्ती में प्राथमिकता मिलेगी। सीएम धामी ने कहा कि अग्निवीरों को चार साल की नौकरी के बाद उत्तराखंड पुलिस और संबंधित सेवाओं में प्राथमिकता दी जाएगी।

4 साल की सेवा के बाद, अग्निवीरों को सीएपीएफ भर्ती में वरीयता : अमित शाह

इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी अग्निवीरों को सीएपीएफ और असम राइफल्स में प्राथमिकता देने का फैसला लिया। सशस्त्र बलों में चार साल की सेवा के बाद अग्निपथ रंगरूटों के भविष्य पर सवाल उठाए जाने के साथ, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को घोषणा की कि उन्हें केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और असम राइफल्स में नियुक्ति के लिए वरीयता मिलेगी।

सिखों पर टिप्पणी कर घिरीं किरण बेदी, विवाद छिड़ने पर मांग ली माफी, कहा- मंशा गलत न समझें

नई दिल्ली। पूर्व आईपीएस और पुदुचेरी की उपराज्यपाल किरण बेदी सिखों को लेकर की गई एक मजाकिया टिप्पणी पर घिर गई हैं। यही नहीं विवाद बढ़ने पर एलजी किरण बेदी ने इस मसले पर माफी भी मांग ली है। दरअसल सोमवार को चेन्नै में एक पुस्तक के विमोचन के दौरान किरण बेदी ने '12 बजे' वाला एक जोक सिखों को लेकर बोला था। उनकी इस टिप्पणी वाला वीडियो तेजी से वायरल हो गया। यही नहीं पंजाब की सत्ताधारी आम आदमी पार्टी ने इस मुद्दे को हाथोंहाथ लपक लिया और किरण बेदी पर हमला

बोला। आप ने कहा कि किरण बेदी की यह टिप्पणी सिखों का मजाक उड़ाने जैसा है और यह शर्मिंदा करने वाली बात है। आम आदमी पार्टी के पंजाब प्रभारी जरनैल सिंह ने ट्वीट किया, मुगल जब इस देश को लूट रहे थे। महिलाओं का अपहरण कर रहे थे, तब सिखों ने उनसे लड़ाई लड़ी थी। बहनों और बेटियों को बचाने का काम किया था। 12 बजे का वक्त मुगलों पर हमला करने का था। यह हमारा इतिहास है। ऐसे नेताओं पर शर्म आती है, जजो सिखों का मजाक बनाते हैं।% यही नहीं उन्होंने इस टिप्पणी को लेकर किरण बेदी से माफी मांगने की भी मांग की। पंजाब में आप के मुख्य प्रवक्ता मालविंदर सिंह कांग ने कहा कि मुझे किरण बेदी पर तरस आता है। यदि उन्हें सिख इतिहास के बारे में कोई जानकारी नहीं है। हालांकि विवाद को बढ़ता देख किरण बेदी ने माफी मांग ली है। उन्होंने कहा कि मैं सिख समुदाय का बहुत सम्मान करती हूं। मैं गुरु नानक देव जी की भक्त हूं। मैंने जो कुछ भी कहा था, उसे गलत तरीके से न समझा जाए। मैं माफी मांगती हूं। मैं सेवा और दयालुता में यकीन रखती हूं। कृपया मेरी मंशा पर किसी भी तरह का संदेह न रखें। बता दें कि किरण बेदी दिल्ली का विधानसभा चुनाव भी लड़ चुकी हैं और भाजपा ने उन्हें सीएम कैंडिडेट बनाया था। महिला आईपीएस अधिकारी के तौर पर चर्चित रहीं किरण बेदी फिलहाल पुदुचेरी की राज्यपाल हैं।

एक स्टेशन एक उत्पाद योजनांतर्गत बीकानेर मंडल के 104 स्टेशन चिन्हित

एजेंसी

बीकानेर। रेलवे के बीकानेर मंडल के डीआरएम राजीव श्रीवास्तव ने कहा कि भारतीय रेलवे ने नवाचार नीति रेलवे के लिए स्टार्टअप का शुभारम्भ किया है।

श्रीवास्तव ने आज स्टार्टअप्स और वन स्टेशन वन प्रोडक्ट को प्रोत्साहित करने के आयोजित प्रेस वार्ता में पत्रकारों को बताया कि जिसके तहत मई महीने में क्षेत्रीय इकाईयों को समस्या क्षेत्र उपलब्ध कराने के लिए कहा गया था जिसके प्रत्युत्तर में अभी तक लगभग 160 समस्या विवरण प्राप्त हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय रेलवे द्वारा एक स्टेशन एक उत्पाद योजना के अंतर्गत पांच हजार स्टेशनों पर स्टाल.कियोस्क लगने हेतू निर्देशित किया गया है। जिसमें बीकानेर मंडल के 104 स्टेशनों को चिन्हित किया गया है जिन पर इस योजनांतर्गत जो उद्देश्य बताए गए हैं उनमें भारत सरकार के वोकल फोर लोकल विजन को बढ़ावा देना, स्थानीय.स्वदेशी उत्पादों के लिए बाजार उपलब्ध कराना, रेलयात्रियों को भारत की समृद्ध विरासत का अनुभव करने और स्थानीय.स्वदेशी उत्पादों को खरीदने का अवसर प्रदान करना, समाज के वंचित वर्गों के लिए अतिरिक्त आय के अवसर पैदा करना शामिल है।

गृह मंत्री के नाम से जेड श्रेणी सुरक्षा देने का फर्जी पत्र धामी को भेजा

देहरादून। उत्तराखण्ड में किसी व्यक्ति को जेड सुरक्षा (सिक्योरिटी) प्रदान करने सम्बन्धित केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की संस्तुति का एक पत्र मुख्यमंत्री कार्यालय को भेजा गया है। जांच में यह पत्र फर्जी साबित हुआ है। यह जानकारी राज्य की अपर मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री और गृह राधा रतूड़ी ने बुधवार को दी।

रतूडी के अनुसार संज्ञान में आया है कि किसी व्यक्ति को जेड सिक्योरिटी प्रदान करने के लिए श्री शाह द्वारा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को कोई पत्र नहीं भेजा गया है। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया में चल रहे इस फर्जी पत्र को गम्भीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री धामी ने दोषी व्यक्ति पर सख्त कार्यवाही के निर्देश दिये हैं।

बताया जाता है कि पीआईबी की फेक्टचैक द्वारा भी इस पत्र को फर्जी पाया गया है। राज्य पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) मे सोशल मीडिया इंटरवेशंन सेल कार्यरत है। जिसका उदेश्य सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की भ्रामक एंव गलत सूचना प्रसारित होने पर तत्काल प्रभाव से विश्लेषण कर वैधानिक एंव उचित कार्यवाही करना है। अपर मुख्य सचिव ने बताया कि इस क्रम में आज सोशल मीडिया इंटरवेशंन सेल को एक पोस्ट प्राप्त हुई।

जिसमें गृह मंत्री के लैटर पैड पर एक सशंय पैदा करने वाला पत्र लिखा गया था। इस पत्र की प्रथमदृष्टया जांच के उपरान्त प्रतीत होता है कि गृह मंत्री के पत्र का रूपांतरण कर इस प्रकार से समाज मे कानून व्यवस्था बाधित करने हेतु भ्रामक सूचना प्रसारित की गयी है।

नहरों में पानी न छोड़े जाने तथा भीषण गर्मी से किसानों की फसलें हुई बर्बाद : भाजपा

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी की पंजाब इकाई के किसान मोर्चा अध्यक्ष बिक्रमजीत सिंह चीमा ने कहा है कि पंजाब के मालवा क्षेत्र में खड़ी फसलें बारिश न होने तथा नहरी पानी न मिलने के कारण भीषण गर्मी में सूखने तथा सड़ने लगीं जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। उन्होंने भगवंत मान सरकार को आड़े हाथों लेते हुए आज यहां कहा कि किसानों का नुकसान सरकार के गलत निर्णयों के कारण हुआ है। पिछले दो महीनों से भी ज्यादा समय से पड़ रही भीषण गर्मी से फसलें सूख गई हैं। सरकार द्वारा नहरों में सिंचाई के लिए पानी न छोड़े जाने से भी नुकसान हुआ है। इन सब परिस्थितियों के कारण मालवा के बठिंडा, मानसा आदि जिलों में नरमे की फसल को बहुत भारी नुकसान हुआ है।

गुवाहाटी में बाढ़ की स्थिति गंभीर

गुवाहाटी। गुवाहाटी और उसके आसपास के इलाकों में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है और बुधवार को सभी शैक्षणिक संस्थान बंद रहे। लगातार हो रही बारिश से हालांकि थोड़ी राहत है। कामरूप (मेट्रो) के उपायुक्त पल्लव गोपाल झा ने एक अधिसूचना में कहा, मौसम विभाग द्वारा जारी शहरी इलाकों में संभावित भारी बारिश के अलर्ट के चलते सभी शैक्षिक संस्थान बुधवार को बंद रहेंगे।

उन्होंने कहा कि पहले से निर्धारित परिक्षाओं का आयोजन किया जा सकता है।

कामरूप-मेट्रो जिला प्रशासन ने गुवाहाटी और आसपास के क्षेत्र में रह रहे लोगों से आग्रह किया है कि वे अपने घर पर ही रहें और अति आवश्यक होने पर ही बाहर निकलें।

जिला प्रशासन ने असम के कामरूप-मेट्रो जिले में गुवाहाटी और आस-पास के इलाकों में जलभराव और भूस्खलन वाले क्षेत्रों में रहने वाले लोगों से सुरक्षित स्थान पर जाने का आग्रह किया है।

प्रशासन ने कहा, यदि आपके आवास में जलभराव या भूस्खलन की संभावना है तो कृपया सुरक्षित स्थान पर चले जाएं। जलजमाव और भूस्खलन वाले क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों की मदद के लिए 1077/8638112297 फोन नंबर जारी किया।

गुवाहाटी में प्रभावित लोगों की मदद के लिए असम राज्य आपदा प्रबंधन (एएसडीएमए) प्राधिकरण ने 1070 और 1079 नंबर जारी किए हैं।

शहर के हाटीगांव, चांदमारी, जू रोड, बेलटोला, रुक्मिणीगांव समेत कई इलाकों के रिहायशी इलाकों और घरों में मंगलवार सुबह पानी घुस गया।

दूसरी ओर भारी बारिश के कारण भूस्खलन से चार श्रमिकों की मौत हो गई।

यह हादसा गुवाहाटी के पश्चिमी बोरागांव इलाके के निजारापारा में मंगलवार तड़के करीब 1:30 बजे हुयी था।

मौसम विभाग ने असम और मेघालय के लिए रेड अलर्ट जारी किया है।

असम और मेघालय के क्षेत्रों में बुधवार को अत्यधिक भारी वर्षा की संभावना है और अरुणाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों भारी वर्षा हो सकती है।

अब पंजाब से होगा गैंगस्टरों का सफाया : केजरीवाल

एजेंसी

चंडीगढ़। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि अब पंजाब की आम आदमी पार्टी(आप) की सरकार में असामाजिक तत्वों, राष्ट्र विरोधी तत्वों, गैंगस्टरों को राजनीतिक संरक्षण देने वाला कोई नहीं, इसलिये गैंगस्टरों का पंजाब में नामोनिशान नहीं रहेगा।

केजरीवाल ने यहां पंजाब से दिल्ली हवाई अड्डे के लिए लग्जरी वॉल्वो बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उनके साथ मुख्यमंत्री भगवंत मान सहित कई अधिकारी मौजूद थे। उन्होंने

लोगों को संबोधित करते हुये कहा, विपक्ष कानून व्यवस्था को लेकर होहल्ला मचा रहा है लेकिन मैं उनसे पूछता हूं कि इन गैंगस्टरों को मान साहब अपने साथ लेकर आये थे ,अरे ये तो आपकी पिछली सरकारों के बच्चे हैं और उन्होंने ही इनको पैदा किया था। उन्होंने कहा कि पंजाब की जेलों में आप सरकार से पहले ये हालत थी कि जेलों में वीआईपी कल्चर होता था जहां बैठकर ये गैंगस्टर अपने गैंग चलाया करते थे। नेताओं ने भी जेलों में वीआईपी रूम बना रखे थे लेकिन अब यह सब नहीं चलेगा। पहले अपराधी या गैंगस्टर इसलिये नहीं पकड़े जाते थे क्योंकि पहले ही पुलिस के पास फोन आ जाता था क्योंकि

सरकार में उनका बाप बैठा होता था और कहता था कि उसे कुछ नहीं करना, अब ऐसा नहीं चलेगा।

केजरीवाल ने कहा कि जिस गैंगस्टर कल तिहाड़ जेल से पंजाब लाया गया है उसे पिछली पंजाब की सरकारें पंजाब लाने में नाकामयाब रहीं। प्रसिद्ध पंजाबी गायक शुभदीप उर्फ सिद्धू मूसेवाला की हत्या के मामले में पूछताछ के लिये उसे लाया गया है। पिछली सरकारें मोड मंडी विस्फोट मामले में अपराधियों को नहीं पकड़ सकी। पिछले तीन माह में मान सरकार ने 130 से अधिक गैंगस्टर पकड़े हैं। अब पंजाब से गैंगस्टर साफ हो जायेंगे। आप सुप्रीमो ने कहा कि वह लोगों को आश्वासन देते हैं कि उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी उनकी है। किसी को असुरक्षा की भावना पालने की जरूरत नहीं।

डीजीपी ने सामाजिक सद्भाव बनाये रखने हेतु सभी आवश्यक उपाय किये जाने के दिए निर्देश

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा ने पुलिस अधिकारियों को सामाजिक सद्भाव बनाये रखने हेतु सभी आवश्यक उपाय किये जाने तथा कानून व्यवस्था को चुस्त दुरूस्त बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। जुनेजा ने आज रेंज के पुलिस महानिरीक्षकों तथा जिलों के पुलिस अधीक्षकों के साथ प्रदेश की कानून व्यवस्था और अपराध पर प्रभावी नियंत्रण की वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से की गई समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिए। जुनेजा ने सभी जिलों में संपत्ति संबंधी अपराध शारीरिक अपराध, महिलाओं तथा बच्चों के विरूद्ध घटित अपराधों पर नियंत्रण की समीक्षा की और इन अपराधों पर नियंत्रण हेतु संलिप्त व्यक्तियों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिये। उन्होने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मंशानुरूप और शासन की प्राथमिकता सूची में सम्मिलित चिटफंड कंपनियों के संचालकों के विरूद्ध की गई कार्यवाही तथा निवेशकों की धन वापसी के लिये किये जा रहे कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने प्रदेश में नशीली पदार्थों का कारोबार करने वाले अपराधियों और चोरी, नकबजनी, लूटपाट एवं चाकूबाजी की वारदातों में संलग्न अपराधियों के विरूद्ध कठोरतम कार्यवाही के निर्देश दिये।

नवीन तकनीकों से परिचालन दक्षता में सुधार करने का प्रयास: जैन

राजकोट। पश्चिम रेलवे में गुजरात के राजकोट मंडल रेल प्रबंधक अनिल कुमार जैन ने बुधवार को कहा कि रेलवे के लिए स्टार्टअप्स नवीन तकनीकों से परिचालन दक्षता और सुरक्षा में सुधार करने का प्रयास है।

जैन ने रेलवे के लिए स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करने के लिए बुलायी गयी प्रेस-कांफ्रेंस में बताया कि हाल ही में रेल, संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेलवे के लिए स्टार्टअप लॉन्च की है जिसका उद्देश्य भारतीय स्टार्टअप्स/ एमएसएमई/ इनोवेटर्स/उद्यमियों द्वारा भारतीय रेलवे की परिचालन दक्षता और सुरक्षा में सुधार के लिए विकसित नवीन तकनीकों का लाभ उठाना है। उन्होंने बताया कि भारतीय रेलवे नवाचार नीति का मुख्य विवरण इस प्रकार है। समस्या निवारण की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और उद्देश्य पूर्ण और ऑनलाइन है। रेलवे में प्रोटोटाइप का ट्रायल किया जाएगा। नवोन्मेषकों का चयन एक पारदर्शी और निष्पक्ष प्रणाली द्वारा ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से किया जाएगा। विकसित बौद्धिक संपदा अधिकार नवप्रवर्तनक के पास ही रहेगा। विलम्ब से बचने के लिए संपूर्ण प्रक्रिया का विकेंद्रीकरण। इस अवसर पर श्री जैन ने कहा कि कार्यक्रम के पहले चरण के लिए रेलवे के विभिन्न मंडलों, क्षेत्रीय कार्यालयों/जोनों से प्राप्त 100 से अधिक समस्या विवरणों में से 11 समस्या विवरण जैसे रेल फ्रैक्चर, आदि को लिया गया है। प्रारंभ में नई नवाचार नीति के माध्यम से निपटने के लिए 11 समस्याओं के विवरण की पहचान की गयी है जिसे पोर्टल पर अपलोड किया गया है।

मुख्य समस्याओं में टूटी हुई रेल जांच प्रणाली, रेल तनाव निगरानी प्रणाली, भारतीय रेलवे के साथ इंटरऑपरेबल उपनगरीय खंड के लिए हेडवे सुधार प्रणाली राष्ट्रीय एटीपी प्रणाली, प्रशिक्षण के बाद के संशोधन और स्वयं सेवा पुनश्चर्या पाठ्यकमों के लिए ऐप्प, पुल निरीक्षक के लिए रिमोट सेंसिंग, जियोमैटिक्स और जीआईएस का उपयोग शामिल है।

अग्निपथ योजना के विरोध में रालोपा युवाओं के साथ जिला मुख्यालयों पर करेगी प्रदर्शन : बेनीवाल

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (रालोपा) के संयोजक एवं नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने केंद्र सरकार की सेना में युवाओं की भर्ती के लिए लाई गई अग्निपथ योजना के प्रति विरोध जताते हुए कहा है कि प्रदेश में रालोपा इसके विरुद्ध सभी जिला मुख्यालयों पर नौजवानों के साथ गुरुवार को विरोध प्रदर्शन करेगी।

श्री बेनीवाल ने आज अपने बयान में कहा कि कोरोना की आड़ में दो वर्षो से सेना भर्ती नही होने, पूर्व में आयोजित हो चुकी सेना भर्ती रैलियों की प्रक्रियाओं को पूरा नहीं करने से और अब संविदा पर सेना में भर्ती करने की लाई गई योजना के कारण युवाओं में केंद्र के प्रति जोरदार आक्रोश है। उन्होंने कहा कि गुरुवार को पूर्वाह्न ग्यारह बजे राजस्थान के प्रत्येक जिला मुख्यालय पर सेना भर्ती

रैलियों के आयोजन को जल्द से जल्द प्रारंभ करने एवं युवाओं को दो वर्ष की आयु में छूट देने की मांग तथा अग्निपथ योजना के माध्यम से सेना में संविदा भर्ती के निर्णय के विरोध में ज्ञापन दिया जायेगाा।

उन्होंने कहा कि देश का जवान इसे लेकर आक्रोश में हैं और वह सडकों पर उतरेगा और दिल्ली को भी घेरेगा। उन्होंने कहा कि रालोपा निर्णय लिया है कि वह इसके विरोध में राजस्थान जिला मुख्यालयों पर बड़ा पदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि जरुरत पड़ने पर हम सांसद लोग ससंद का कूच भी करेंगे और संसद सत्र में यह मांग की जायेगी। उन्होंने कहा कि वह अन्य सांसदों से भी इस बारे में बात करेंगे।

उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार की इस योजना के प्रति मंगलवार को ही अपना विरोध दर्ज करा दिया था। सात आठ राज्यों के प्रतिनिधिमंडल ने सेना में भर्ती नहीं होने एवं भर्तियों के परिणाम शीघ्र घोषित करने आदि को लेकर मांग की थी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उन्हें आश्वास्त भी किया था कि कोरोना के मद्देनजर सेना के लिए आयु में दो वर्ष की छूट देकर नई भर्ती करेंगे। लेकिन अब सरकार यह योजना लेकर आई हैं। उन्होंने कि दुर्भाग्य से केन्द्र सरकार को

किसान आंदोलन में मुंह की खानी पड़ी और उसे कृषि कानून वापस लेने पड़े। देश का जवान बीस हजार ऊंची पहाड़ी पर जाता हैं, केन्द्र सरकार ने मंगलवार को उसका मजाक बना दिया। यह नौजवानों के लिए मजाक हैं। बेनीवाल ने कहा कि नौजवान चार साल तक सेना में प्रशिक्षण लेगा, हथियार चलाना सीखेंगा और 25 प्रतिशत को परमानेंट किया जायेगा। यह छह महीने का कौनसा प्रिशक्षण होगा, ऐसे में केन्द्र सरकार से आग्रह हैं कि वह अपने इस फैसले पर पुनर्विचार करें और इस योजना को वापस ले।

उन्होंने सरकार से अपील की कि इस योजना को वापस लेकर देश के नौजवानों के लिए पूर्व की भांति भर्ती रैलियों का आयोजन किया जाये।

उन्होंने केन्द्र सरकार की इस योजना को नौकरी देने का झांसा करार देते हुए कहा कि आज नौजवान दो तीन साल से सेना में भर्ती के लिए तैयार कर रहे और उसके लाखों रुपए खर्च हो गए। सेना में भर्ती के लिए प्रशिक्षण दे रही कई निजी अकादमियां बंद हो जायेगी।

शार्ट न्यूज

पैगंबर विवाद : भिवंडी पुलिस के सामने पेश नहीं हुए नवीन जिंदल, बताया यह कारण

भिवंडी। भारतीय जनता पार्टी के नेता रहे नवीन कुमार जिंदल स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए पुलिस के सामने पेश नहीं हुए। नवीन को पैगंबर मुहम्मद पर टिप्पणी पर अपना बयान दर्ज करने के लिए भिवंडी पुलिस स्टेशन में पेश होना था, लेकिन वे वहां नहीं पहुंचे। उन्होंने इस मामले में एक ईमेल पर अपना अनुरोध दर्ज कराया है। दरअसल, भिवंडी शहर के थाने के पुलिस निरीक्षक जीजे वाल्वी ने बताया है कि नवीन कुमार जिंदल की ओर से बुधवार को भिवंडी पुलिस को एक मेल मिला है। मेल में उन्होंने कहा है कि वह अस्वस्थ हैं और यात्रा करने के योग्य नहीं हैं। उन्होंने यह भी लिखा कि इस संबंध में हमारे पास जो भी प्रश्न हैं, उसके जवाब वह अपने वकील के माध्यम से ईमेल के से पुलिस को देंगे। इससे पहले भिवंडी थाने के एक अधिकारी ने बताया कि नवीन कुमार जिंदल बुधवार को पुलिस के समक्ष पेश नहीं हुए। हालांकि अब जिंदल की तरफ से उन्हें मेल पर जवाब मिल गया है। भिवंडी पुलिस ने जिंदल के खिलाफ यहां दर्ज मामले के संबंध में बयान दर्ज कराने के लिए उन्हें समन भेजा था। यह पूरा मामला तब का है जब भाजपा ने पैगंबर के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणियों को लेकर आक्रोश के बाद राष्ट्रीय प्रवक्ता नुपुर शर्मा को निलंबित कर दिया था और दिल्ली भाजपा की मीडिया इकाई के प्रमुख रहे नवीन कुमार जिंदल को पार्टी से निष्कासित कर दिया था। जिंदल के खिलाफ जानबूझकर और दुर्भावनापूर्ण कृत्यों के लिए चार जून को आईपीसी 295 ए के तहत मामला दर्ज किया गया था, जिसका उद्देश्य किसी भी वर्ग की धार्मिक भावनाओं को उसके धर्म या धार्मिक विश्वासों का अपमान करना था। इसी मामले में भिवंडी पुलिस नूपुर शर्मा को भी समन भेजा था और उन्होंने अपना बयान दर्ज कराने के लिए पुलिस से चार हफ्ते का समय मांगा था।

जम्मू : यात्री बस से विस्फोटक सामग्री बरामद

जम्मू। जम्मू में झज्जर कोटली के पास एक यात्री बस से विस्फोटक सामग्री बरामद की गई है। पुलिस के सूत्रों ने कहा कि नाके पर नियमित जांच के दौरान एक यात्री बस से जिलेटिन की छड़ें बरामद हुईं। इसके बाद पुलिस ने तुरंत बम निरोधक दस्ते को मौके पर बुलाया और विस्फोटक सामग्री को एक नियंत्रित तंत्र के जरिए निष्क्रिय कर दिया गया। सूत्रों ने कहा कि डोडा से जम्मू की ओर आ रही बस में एक लावारिस बैग मिला। नाके पर जब चेकिंग के दौरान बैग में से जिलेटिन की छड़ें, डेटोनेटर और एक वायर मिला, तो उन्हें जब्त कर लिया गया। सूत्रों ने बताया कि संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू कर दी गई है।

कांग्रेस विधायक का समर्थकों के साथ नागरिक आपूर्ति विभाग पर धरना

पुडुचेरी। केन्द्रशासित प्रदेश पुडुचेरी में कांग्रेस विधायक एम वैथैयानाथन ने बुधवार को अपने समर्थकों और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ नागरिक आपूर्ति विभाग पर धरना देने से तनाव व्याप्त हो गया। वैथैयानाथन ने आज लासपेट स्थित अपने कार्यालय में राशन कार्ड बदलने, कार्ड में सुधार करने के लिए नागरिक आपूर्ति विभाग के एक शिविर की व्यवस्था की थी। इससे पहले सुबह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने विधायक कार्यालय के सामने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, नागरिक आपूर्ति मंत्री एके साई जे सरवनन कुमार, पार्टी प्रदेश अध्यक्ष वी समीनाथन और केंद्रीय मंत्रियों की तस्वीरों वाला एक बैनर लगाया। कांग्रेस विधायक ने यह बैनर पुलिस की मदद से हटा दिया। विधायक को हालांकि बाद में नागरिक आपूर्ति विभाग से शिविर के रद्द होने की सूचना मिली। इस बात से नाराज श्री वैथैयानाथन कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ थट्टांचवडी में नागरिक आपूर्ति विभाग गए और धरने पर बैठ गए। धरने की खबर सुनकर कांग्रेस के लोकसभा सदस्य वी वैथीलिंगम भी मौके पर पहुंचे और आंदोलन में शामिल हुए।

तृणमूल कांग्रेस विधायक शौकत मौला सीबीआई के समक्ष पेश हुए

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) विधायक शौकत मौला कोयला तस्करी मामले में पूछताछ के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के समक्ष बुधवार को पेश हुए। सीबीआई ने तृणमूल नेता को समन जारी किया था। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि कोयला घोटाला मामले में श्री मौला आज यहां निजाम पैलेस में सीबीआई के समक्ष पेश हुए इससे एक दिन पहले ही इसी मामले में संघीय एजेंसी ने पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी की पत्नी रूजिरा बैनर्जी से पूछताछ की थी। टीएमसी विधायक दिये गये समय से 15 मिनट पहले 11 बजे सीबीआई कार्यालय पहुंच गये। कलकत्ता उच्च न्यायालय के निर्देशनुसार कोयला घोटाला मामले की जांच सीबीआई कर रही है। गौरतलब है कि सीबीआई ने इस मामले के कथित मुख्य सरगना अनूप मांझी उर्फ ?लाला, ईसीएल के महाप्रबंधक अमित कुमार धर और जयेश चंद्र राय, ईसीएल सुरक्षा प्रमुख तन्मय दास, कुनुस्टोरिया क्षेत्र सुरक्षा निरीक्षक धनंजय राय और काजोर क्षेत्र सुरक्षा प्रभारी देबाशीष मुखर्जी खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

सीबीआई ने सहायक श्रम आयुक्त को रिश्वत लेते गिरफ्तार किया

विशाखापट्टनम। केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) सहायक श्रम आयुक्त (सेन्ट्रल) पुन्नामळी बापूजी को विजयवाड़ा में 25,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए बुधवार को गिरफ्तार किया। सीबीआई ने एक विज्ञप्ति में कहा कि पुन्नामळी ने शिकायतकर्ता से फर्म के लिए लेबर लाइसेंस देने के लिए 30,000 रुपये रिश्वत की मांग की। बाद में 25,000 रुपये लिए। पुन्नामळी को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया गया उनके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। आरोपी के विजयवाड़ा में आवास और कार्यालय परिसर में तलाशी ली गई और आपत्तिजनक कागजात जब्त किये गये। विज्ञप्ति में बताया गया है कि उन्हें विशाखापत्तनम में सीबीआई की विशेष अदालत में पेश किया गया।

असम : पूर्व मंत्री ने नूपुर शर्मा और नवीन जिंदल के खिलाफ दर्ज की प्राथमिकी

गुवाहाटी। असम के पूर्व मंत्री अताउर्रहमान मजारभुइया ने मुस्लिम समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए आरोप में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की निलंबित नेता नुपुर शर्मा और नवीन कुमार जिंदल के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। प्राथमिकी कटिगोरा थाने में दर्ज कराई गई है। पूर्व विधायक ने पुलिस से इन राजनेताओं के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की कड़ी धाराओं के तहत मामला दर्ज करने को कहा है। मजारभुइया ने कहा, इन दो लोगों ने समाज के एक समुदाय विशेष की भावनाओं को जानबूझकर आहत किया है। देश के मौजूदा कानून के आधार पर इनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। उल्लेखनीय है कि हाल ही में एक नेशनल टेलीविजन चैनल पर वाद-विवाद के दौरान नुपुर शर्मा ने पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी की थी, जिसके बाद उनसे पार्टी की प्राथमिक सदस्यता छिन ली गई। इस मुद्दे को लेकर भारत सहित दुनिया के कई मुस्लिम देशों में हिंसा भड़क उठी। असम के कछार जिले में भी अभी कुछ दिनों पहले नुपुर शर्मा के पुतले फूंके गए। माहौल बिगड़ता देख राज्य प्रशासन ने बराक घाटी के सभी जिलों में सीआरपीसी की धारा 144 लागू कर दी थी।

शराब ठेका कर्मचारी की हत्या, फंदे पर लटकाया शव

जींद। हरियाणा में जींद जिले के गांव रेवर से चट्ठा (पंजाब) रोड स्थित एक शराब ठेके में कार्यरत एक कर्मचारी की अज्ञात लोगों ने हत्या कर शव ठेके में ही फंदे पर लटका दिया। पुलिस ने बताया कि गुरतेज (35) का शव आज सुबह ठेके में एक फंदे पर लटका पाया गया। गुरतेज के शरीर पर तेज धार हथियार से वार और मारपीट के भी निशान भी थे जिससे पुलिस को आशंका है कि उसकी हत्या कर शव फांसी के फंदे पर लटकाया गया था। सूत्रों के अनुसार दो दिन पहले गुरतेज, जो मूल रूप से पंजाब के संगरूर का निवासी था, का गांव में ही उसके चाचा- ताऊ के साथ किसी बात पर झगड़ा हुआ था।

नई दिल्ली
गुरुवार 16 जून 2022
Www.gauravshalibharat.com

शार्ट न्यूज

‘अग्निवीर’ योजना का सार है - ट्रेनिंग देगी सेना, सेवा लेंगे पूंजीपति : अनुपम

आनंद राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। देश में बेरोज़गारी को राष्ट्रीय बहस का मुद्दा बनाने वाले युवा हल्ला बोल संस्थापक अनुपम ने कहा कि 3 साल से सेना में भर्ती रुकी हुई थी, जबकि सेना में 1 लाख से अधिक पद खाली हैं। लेकिन सरकार की अनदेखी के कारण सेना में जाने का सपना देख रहे युवाओं की उमर निकलती जा रही। एक तरफ हताशा से युवा आत्महत्या करने लगे हैं तो दूसरी तरफ आक्रोश भी बढ़ता जा रहा। इन्हीं परिस्थितियों में अब मोदी सरकार एक नयी योजना लेकर आयी है। अग्निवीर नामक इस योजना के तहत 4 साल के लिए सेना में भर्ती होगी। मतलब अब देश की सुरक्षा भी ठेके पर देने की तैयारी है। अनुपम ने कहा कि इस योजना के जरिए सेना द्वारा प्रशिक्षित बेरोजगारों की फौज तैयार की जाएगी। इसके अलावा पूंजीपतियों के प्रतिष्ठानों को सुरक्षा देने के लिए कर्मियों की फौज तैयार होगी। मतलब ट्रेनिंग देगी सेना और सेवा लेंगे पूंजीपतियों। ऐसे वक्त में जब भारत की सीमा को हर तरफ से खतरा है तो इस तरह की योजना लेना राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में भी नहीं। अनुपम ने कहा कि नरेंद्र मोदी की केंद्र सरकार बेरोज़गार युवा ही नहीं, सेना और देश के साथ भी छलावा कर रही है। आंदोलन में शरीक रजत यादव कहते हैं, हम किसी भी हाल में भारतीय सेना को ठेके पर नहीं जाने देंगे। मोदी सरकार को यह स्कीम अविलंब वापस लेना चाहिए। कई लोगों की यह भी चिंता है कि इस योजना के जरिए सेना द्वारा प्रशिक्षित बेरोज़गार युवाओं की एक फौज भी तैयार होगी। अनुपम ने मांग किया कि मोदी सरकार इस छलावेबज योजना को वापिस लेकर क्षतिपूरक अवसर के साथ सेना में नियमित भर्ती शुरू करे।

तुगलकाबाद गॉव में सफाई व्यवस्था और विकास कार्य को लेकर अधिकारियों पर भड़के सांसद रमेश बिधूरी

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली सांसद रमेश बिधूड़ी ने माननीय उपराज्यपाल दिल्ली श्री विनय सक्सेना जी द्वारा दिल्ली में शुरू किए गए विशेष संयुक्त स्वच्छता अभियान की कड़ी में सहायक आयुक्त मध्य क्षेत्र नगर निगम सहित सिंचाई एवं बाढ नियंत्रण विभाग, दिल्ली जल बोर्ड विद्युत विभाग व सम्बंधित निगम अधिकारियों के साथ तुगलकाबाद गॉव में सफाई व्यवस्था और विकास विकास कार्यों को लेकर दौरा किया। इस दौरान सांसद रमेश बिधूड़ी ने तुगलकाबाद गॉव स्थित बंगाली कॉलोनी, छुरिया मोहल्ला, वाल्मीकि मोहल्ला, कांगर मोहल्ला, बाजार मोहल्ला में अधिकारियों सहित सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। जहॉं सफाई के हालात बदतर देखने को मिले। उन्होंने गॉव में विभिन्न स्थानों पर जमा मलबा, मिट्टी के ढेर व अतिक्रमण आदि को जल्द हटाने और इसके साथ ही खराब स्थिति में गलियों व सड़कों को बनाने व नालों में जमा कूड़े को जल्द से जल्द साफ करने के सम्बंधित अधिकारियों को सख्त निदेर्श दिए। इस मौके पर बिधूड़ी ने यह भी कहा कि अधिकारियों की अनदेखी के कारण हर वर्ष मानसून के समय लोगों को गलियों में सड़कों पर व घरों में अत्याधिक जलभराव की समस्या से जूझना पड़ता है जिसके मद्देनजर सभी नाले-नालियों सहित क्षेत्र में सफाई के कार्य समयबद्ध पूरे होने चाहिए, जो अधिकारी अपने कार्यों में ढिलाई व लापरवाही बरतेगें उन्हें निलंबित भी होना पड़ेगा। वहीं इस पर उपस्थित अधिकारियों ने क्षेत्र में सफाई व्यवस्था दुरूस्त करने और उक्त कार्यों पर शीघ्र कार्यवाही करने का सांसद महोदय को आश्वासन दिया। इस दौरे में दिल्ली प्रदेश भाजपा प्रवक्ता विक्रम बिधूड़ी व मनीष बिधूड़ी सहित सम्माननीय ग्रामवासी मौजूद रहे।

‘आप’ पार्टी भारतीय जनता पार्टी की टीम बी है

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी की ओर से राष्ट्रपति चुनाव से पहले संयुक्त रणनीति बनाने के मसले पर 16 विपक्षी दलों की बैठक में आम आदमी पार्टी के हिस्सा नहीं लेने पर कांग्रेस ने कड़ी प्रतिक्रिया करते हुए कहा है कि इससे साबित हुआ है कि यह पार्टी भारतीय जनता पार्टी की टीम बी है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ नरेश कुमार ने यहां जारी एक बयान में कहा कि 16 विपक्षी दलों की बैठक में आम आदमी पार्टी की तरफ से कोई नुमाइंदा नहीं भेजा जाना इस बात का प्रतीक है कि श्री केजरीवाल भाजपा की बी टीम हैं। उन्होंने कहा कि आप संयोजक को यह बताना चाहिए कि वह भाजपा के साथ हैं या विपक्षी दलों को कमजोर करने की साजिश का हिस्सा हैं। डॉ कुमार ने कहा कि श्री केजरीवाल को आज देश को यह बताना होगा कि आखिर उनकी कौन सी मजबूरी है जो इस बैठक में उनका प्रतिनिधि नहीं आया। कहीं ना कहीं परदे के पीछे भाजपा का समर्थन किया जा रहा है और दिखावे के लिए वह मोदी सरकार की आलोचना करते हैं, जबकि अंदर ही अंदर भाजपा से मिले हुए हैं।

धार्मिक शिक्षण संस्थान में छह साल की बच्ची से छेड़छाड़, शिक्षक गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तर जिला के संगम विहार स्थित धार्मिक शिक्षण संस्थान में मंगलवार को छह साल की बच्ची से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। वजीराबाद पुलिस ने छेड़छाड़ और पोक्सो की धारा में केस दर्ज कर 30 वर्षीय आरोपी हाशिम अहमद को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार संगम विहार में आरोपी हाशिम धार्मिक संस्थान में शिक्षक है। सोमवार को बच्ची पढ़ने जाने के लिए मना कर रही थी। जब उसकी मां ने कारण पूछा तो उसने पूरी घटना बताई। इसके बाद इलाके में बात फैल गई और आरोपी हाशिम मौके से फरार हो गया।परिजनों की शिकायत पर वजीराबाद थाने में केस दर्ज हुआ। एसआई अंजनि कुमार सिंह एवं एसआई मीनाक्षी की टीम ने कॉल डिटेल्स के आधार पर वजीराबाद की गली नंबर नौ से हाशिम को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी के पास पढ़ने वाले अन्य छात्र-छात्राओं की भी काउंसलिंग कराई जा रही है। पुलिस को संभावना है कि जांच में आरोपी के खिलाफ कुछ और भी मामले आ सकते हैं।

दिल्ली में कोरोना ने फिर पकड़ी रफ्तार, नए केस 1300 के पार

नई दिल्ली। दिल्ली में बुधवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 1,375 नए मामले सामने आए और संक्रमण दर 7.01 प्रतिशत रही। स्वास्थ्य विभाग द्वारा यहां जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। हालांकि संक्रमण से मौत का कोई मामला सामने नहीं आया। विभाग ने अपने नए बुलेटिन में कहा है कि बुधवार को नए मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 19,15,905 हो गई। मृतकों की कुल तादाद 26,223 है। मंगलवार को दिल्ली में संक्रमण के 1,118 मामले सामने आए थे और संक्रमण दर 6.50 प्रतिशत रही थी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया, अब तक संक्रमित लोगों की संख्या 4,32,45,517 और मृतकों का आंकड़ा भी बढ़कर 5,24,792 हो गया है। संक्रमण मुक्त होने की राष्ट्रीय दर 98.66 फीसदी है। वहीं, दैनिक संक्रमण दर दो फीसदी, जबकि साप्ताहिक संक्रमण दर 2.35 फीसदी है। देश में अभी तक कुल 4,26,67,088 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं और कोरोना से मृत्यु दर 1.21 फीसदी है।

सत्याग्रह के तीसरे दिन भी कांग्रेस कार्यकर्ता अपने नेता राहुल गांधी के समर्थन में पुलिस द्वारा प्रताड़ना के बावजूद कांग्रेस कार्यकर्ता अडिग है और डरने वाले नही है : चौ0 अनिल कुमार

कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ-साथ पत्रकारों से भी पुलिस द्वारा बदसलूकी और मारपीट लोकतंत्र का गला घोटना है : चौ0 अनिल कुमार

प्रफुल्ल राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि ई.डी. द्वारा कांग्रेस नेता श्री राहुल गांधी जी को तलब करने के बाद सत्याग्रह की इस लड़ाई में कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर मोदी सरकार के इशारे पर दिल्ली पुलिस ने जो मारपीट और जबरन जेल भरने का अड़ियल व्यहार पिछले 3 दिनों से अपना रखा है कांग्रेस कार्यकर्ता उससे डरने वाला नही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट के चलते आज भी दिल्ली पुलिस जेल भरो अभियान चालू रहा। उन्होंने कहा कि सत्तावादी ताकतों के खिलाफ लड़ाई में श्री राहुल गांधी के साथ बेबुनियाद प्रताड़ना का कांग्रेस कार्यकर्ता कंधे से कंधा मिलाकर विरोध करें रहेंगे। आज पुलिस बर्बरता पूर्ण कार्यवाही के कारण प्रदेश अध्यक्ष जख्मी हो गए जिसके कारण उन्हें अस्तपाल में भर्ती होना पड़ा।

चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि सत्याग्रह की इस लड़ाई के लिए शांतिपूर्ण प्रदर्शन और एकजुटता को कुचलने के लिए मोदी सरकार तानाशाह रवैये के तहत बल का प्रयोग कर रही है, जिसकी कांग्रेस पार्टी निंदा करती है। उन्होंने कहा कि हम डरेंगे नही, झुकेंगे नही, लड़ेगें और लड़ते रहेंगे। कांग्रेस मुख्यालय परिसर में पुलिस ने जबरदस्ती घुसकर हमारे कार्यकर्ताओं और नेताओं को बेहरमी से पीटा है। देश की ऐतिहासिक सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी के कार्यालय में घुसकर दिल्ली पुलिस की कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज की कार्यवाही लोकतंत्र का गला घोटने जैसा है।

चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि श्री राहुल गांधी मोदी सरकार के झूठ और गलत कामों को बेनकाब करने के लिए सच्चाई के लिए लड़ते हुए भारत की जनता की आवाज को प्रतिनिधित्व कर रहे है। उन्होंने कांग्रेस के सत्याग्रह को पुलिस उत्पीड़न और प्रताड़ना से दबा नही सकेगी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के भ्रष्टाचार और तानाशाही रवैये के खिलाफ इस लड़ाई में कांग्रेस कार्यकर्ता श्री राहुल गांधी के साथ मजबूती से खड़े रहेंगे। जबकि भाजपा देश को सांप्रदायिक और जातिवादी आधार पर विभाजित करने की कोशिश कर रही है।

चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि उन्हें और उनके कई कांग्रेसी सहयोगियों को पुलिस कार्रवाई के कारण चोट लगी है और दिल्ली पुलिस कठोर कार्यवाही करके कांग्रेस कार्यकर्ताओं को शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने से रोक रही है।

चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि यह चौंकाने वाला है कि पुलिस के गुंडों द्वारा मीडिया कर्मियों को भी नहीं बख्शा गया, जिन्होंने उन पर लाठीचार्ज किया, और कई लोग घायल हो गए, जबकि मीडिया कर्मी सत्तारूढ़ दल की बर्बरता और पुलिस की क्रूर कार्यवाही को दिखाने के लिए शांतिपूर्वक अपने पेशेवर कर्तव्य को निभा रहे थे।

विश्वस्तरीय शॉपिंग हब बनेगा कमला नगर मार्केट : सिसोदिया

नयी दिल्ली। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कमला नगर मार्केट का निरीक्षण करने के बाद बुधवार को कहा कि इसे विश्वस्तरीय शॉपिंग हब के रूप में विकसित किया जायेगा।

सिसोदिया ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा दिल्ली के प्रतिष्ठित बाजारों के पुनर्विकास की घोषणा के बाद इस मार्केट का दौरा किया। कमला नगर को मार्केट पुनर्विकास परियोजना के पहले चरण में चुना गया है। बाजार की युवा हैंगआउट जोन के रूप में पहचान है जिसे पुनर्विकास के बाद और आगे बढ़ाया जाएगा और बाजार को एक अनूठे ब्रांड के रूप में विकसित किया जाएगा।

सिसोदिया ने कहा, कमला नगर जल्द ही दिल्ली के गौरव के रूप में जाना जाएगा।

हम अपनी पुनर्विकास योजना के तहत व्यापारियों और दुकानदारों दोनों के लिए एक अनूठा अनुभव तैयार करेंगे। कमला नगर के सभी व्यापारी पुनर्विकास की पूरी प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण हितधारक के रूप में भूमिका निभाएंगे और पूरी प्रक्रिया के दौरान उनकी सभी जरूरतों और सुझावों का ध्यान रखा जाएगा।

उपमुख्यमंत्री ने इस दौरान बाजार में व्यापारियों के साथ-साथ उपभोक्ताओं की जरूरतों को समझने के लिए उनसे बातचीत की और उनके सुझाव लिए।उन्होंने कहा कि कमला नगर मार्केट दिल्ली की पहचान है और केजरीवाल सरकार इस मार्केट का पुनर्विकास करके इसे दिल्ली ही नहीं बल्कि पूरे देश की पहचान बनाएगी और हर दिल्लीवासी अपने इस बाजार पर गर्व कर सकेगा।

उन्होंने कहा, कमला नगर एक ऐतिहासिक मार्केट है लेकिन इसे कई मौकों पर नगर-निगम जैसी एजेंसियों की उपेक्षा का शिकार होना पड़ा है। लेकिन केजरीवाल सरकार ने अब इसके पूरे स्वरुप को बदलने का बीड़ा उठाया है।

सभी व्यापारी इस पूरी प्रक्रिया में बढ़-चढ़ कर हिस्सा ले रहे हैं और शानदार सुझाव दे रहे हैं। परियोजना के हिस्से के रूप में हम क्या कर सकते हैं, इस बारे में उनके पास बहुत सारे विचार हैं। उनके सभी सुझावों को ध्यान में रखकर बाजार के पुनर्विकास की योजना तैयार की जाएगी।''

सिसोदिया ने कहा, कमला नगर मार्केट से दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू)के हर बच्चे को लगाव है। जो भी डीयू में पढ़ता है, वह अपनी जिंदगी का एक बड़ा हिस्सा इसी बाजार में बिताता है। पूरी दुनिया में रहने वाले डीयू के छात्र कमला नगर की यादों को संजोते हैं।

अब दिल्ली सरकार अपने लोगों के इस प्यारे बाजार को नया रूप देगी और इसे ऐसे बाजार के रूप में सामने रखेगी जिस पर दिल्ली को गर्व है।

अलग- अलग घटनाओं में 2 लोगों की मौत

नोएडा। नोएडा के सूरजपुर थाना क्षेत्र के तिलपता गोल चक्कर के पास बुधवार की सुबह सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि बुधवार की सुबह को एक युवक संगीत कुमार (29) मोटरसाइकिल पर सवार होकर जा रहा था कि तभी एक अज्ञात ट्रक चालक ने तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते उसे टक्कर मार दिया। इस घटना में मोटरसाइकिल सवार की मौत हो गयी और बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि थाना फेस- 2 क्षेत्र के सेक्टर 80 में रहने वाले दशरथ (36) नामक व्यक्ति की आज सुबह को संदिग्ध अवस्था में मौत हो गयी।

सिगरेट पीने पर जोमैटो डिलीवरी ब्वॉय की हत्या

नई दिल्ली। दिल्ली के तिलक नगर में मंगलवार देर रात बाइक सवारों ने जोमैटो कंपनी के डिलीवरी ब्वॉय की चाकू घोपकर हत्या कर दी। आरोपियों ने डिलीवरी ब्वॉय को सिगरेट पीने से मना किया था, जबकि उसने उनकी परवाह नहीं की थी। पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर मुख्य आरोपी को वारदात में प्रयुक्त हथियार के साथ गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार, 29 वर्षीय रतन सिंह कृष्णा पुरी में परिवार के साथ किराए के मकान में रहता था। रतन सिंह जोमैटो में डिलीवरी ब्वॉय का काम करता थ। वह मंगलवार रात को ऑर्डर लेकर डिलीवरी के लिए निकला था। इस बीच कृष्णापुरी में वह एगरोल पैक कराने लगा। समय लगने पर वह सिगेरट पीने लगा। तभी नीले रंग के कपड़ों में बाइक सवार दो युवक आए और उन्होंने रतन को सिगरेट पीने से मना किया। लेकिन रतन ने उनकी परवाह नहीं की। इससे गुस्साए बाइक सवार एक शख्स ने कमर से चाकू निकालकर रतन के शरीर में कई बार घोप दिया। इसके बाद आरोपी फरार हो गए।

सड़क पर लथपथ पड़ा रहा

चाकू लगने के बाद रतन खून से लथपथ हालत में मौके पर पड़ा था, लेकिन किसी ने पुलिस को सूचना नहीं दी। उत्तम नगर निवासी दानिश अहमद ने जोमैटो से भोजन का ऑर्डर दिया था, जिसे रतन सिंह ही ला रहा था। दानिश इंतजार करते-करते सो गया। करीब एक बजे उसकी नींद खुली तो उसने जोमैटो की हेल्पलाइन पर कई बार कॉल की। काल ट्रांसफर होकर रतन के मोबाइल पर आई तो एक शख्स ने वारदात की जानकारी दी। ग्राहक दानिश अहमद ने बताया कि उसके फोन करने तक किसी ने पुलिस को सूचना नहीं दी थी। दानिश ने ऐप पर डिलीवरी ब्वॉय की लोकेशन देखी और जोमैटो, कैट्स एंबुलेंस के साथ ही पुलिस को जानकारी दी।

पवन सिंह की एक्ट्रेस प्रियंका महाराज बचपन में दिखती थीं ऐसी, क्या आप जानते हैं उनका असली नाम?

नई दिल्ली। भोजपुरी सुपर स्टार पवन सिंह के साथ स्क्रीन शेयर कर चुकी एक्ट्रेस प्रियंका महाराज अपनी अदाओं और तस्वीरों को लेकर चर्चा में रहती हैं. उनकी तस्वीरें वायरल होती है। वो बेहद ही खूबसूरत है। उन्होंने भोजपुरी में फिल्म ज़िद्दी से करियर की शुरुआत की थी. ऐसे में आपको उनके बारे में बता रहे है। इससे पहले हम ये बता दें कि प्रियंका की बचपन के तस्वीर इन दिनों सोशल मीडिया में वायरल हो रही हैं, जिसमें वे बेहद खूबसूरत और मासूम नजर आ रही हैं। बहरहाल, पवन सिंह की भोजपुरी फिल्म ज़िद्दी से सुर्खियों में आई एक्ट्रेस प्रियंका महाराज के बारे में बता रहे हैं. क्या आपको उनका रियल नाम पता है? अगर नहीं तो आइए आपको हम बता रहे है। प्रियंका महाराज मूलत: मुजफ्फरपुर (बिहार) की रहने वाली हैं। प्रियंका के आधार कार्ड पर उनका असली नाम इंगित है। उनका असली नाम प्रियंका कुमारी हैं। लेकिन भोजपुरी के दर्शक उन्हें प्रियंका महाराज के नाम से जानते हैं, क्योंकि उनका रूप इतना ही मनमोहक है कि वो किसी का भी मन मोह लेती है। यकीन नहीं आ रहा, तो उनकी फिल्में और उनके सोशल मीडिया अकाउंट देख लीजिए. जहां, उनकी एक से बढ़कर एक छवि आपके मन को मोह लेगी. इन दिनों उनके बचपन की भी एक फोटो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है, जिसमें वो अपनी दोनों हाथो में वाइट कलर का चूड़ी लगाए लाल ड्रेस में नजर आ रही है। सोशल मीडिया पर सामने आई फोटो में एक्ट्रेस प्रियंका महाराज प्यारी लग रही हैं. इसे काफी पसंद किया जा रहा है. वो इंस्टाग्राम पर अपना रील वीडियो भी शेयर करती रहती हैं, जिसे दर्शकों से काफी पसंद किया जाता है। प्रियंका महाराज समय के साथ चलने वाली अदाकारा हैं। सोशल मीडिया के साथ निजी जिंदगी में भी काफी अवेयर रहती हैं. वो अपने काम के प्रति सजग रहती हैं और यही वजह है कि आज भोजपुरी इंडस्ट्री में वो काफी चर्चित हैं.साथ ही अपने फैंस के दिलों पर राज भी करती है। प्रियंका महाराज अभी तक दर्जन भर से ज्यादा भोजपुरी फिल्मे प्रदर्शित हो चुकी है जैसे – दिल धक् धक् करे,ईमान –धर्म,इशक़वाले,जय –जय,पागल दीवाना,नसीब ,केहू बा दीवाना नईहर में, जिद्दी,दिलदार ,साथ निभईह सजना हमार सजनिया आई लव यू ,हम हई सूर्यवंशम, मेरी जान तिरंगा आदि फिल्मे है। यह सब जानकारी प्रियंका महाराज के निजी फिल्म प्रचारक संजय भूषण पटियाला (हंगामा मीडिया ग्रुप)ने दी।

देशवासियों को मोदी सरकार के फैसले पर गर्व है : विक्रम बिधूड़ी

मोदी के नेतृत्व में हर वर्ग को विश्वास व गौरव की अनुभूति है : एस राहुल

विवेक राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता श्री विक्रम बिधूड़ी जी व पूर्वांचल मोर्चा के प्रदेश मंत्री एस राहुल ने हरकेश नगर मण्डल में आम जनता से जनसंपर्क कर उनको मोदी सरकार की उपलब्धियां बताई । लोगों को उपलब्धियों का पत्रक भी वितरित किया गया। मौके पर मण्डल अध्यक्ष वीरेंद्र नागर , एससी मोर्चा अध्यक्ष मनोज कुमार , उपाध्यक्ष बंटी राजौरा, नरेश बैसला, पूर्वांचल मोर्चा अध्यक्ष रामसेवक साहू आदि मौजूद रहे।

प्रदेश प्रवक्ता विक्रम बिधूड़ी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गत 8 वर्षों का कार्यकाल सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित रहा है। और 135 करोड़ देशवासियों की अपेक्षाओं व आकांक्षाओं को पंख देकर उनमें नया विश्वास जागृत किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी सक्षम नेतृत्व व दृढ़ इच्छाशक्ति से न सिर्फ देश को सुरक्षित किया बल्कि कई ऐसे निर्णय लिए जिससे हर देशवासी का सिर गर्व से ऊंचा उठा । मोदी के रूप में आज भारत के पास एक ऐसा नेतृत्व है जिस पर हर वर्ग को विश्वास भी है और गौरव भी है।

प्रदेश मंत्री एस राहुल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सत्ता को सेवा का माध्यम मानकर गरीबों , किसानों ,महिलाओं , शोषितों व वंचितों को उनके अधिकार दिए । इससे लोकतंत्र में इनका विश्वास जगा और ये देश की विकास यात्रा में सहभागी बने है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में देश भ्रष्टाचार, घोटालों, भाई भतीजावाद, परिवारवाद, आतंकवाद, क्षेत्रवाद के दुष्चक्र से उबर रहा है । और भारत ने पिछले 8 वर्ष में जो मुकाम हासिल किया है, उसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। आज विश्व में भारत का गौरव बढ़ा है । वैश्विक मंच पर भारत की ताकत बढ़ी है ।

प्रदेश मंत्री एस राहुल ने कहा कि मोदी सरकार ने टेक्नोलॉजी के उपयोग को बढ़ाकर गरीबों के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित की है।

अब गरीब से गरीब व्यक्ति को भी भरोसा है कि सरकार की योजनाओं का लाभ उन्हें मिलेगा। और स्वच्छ भारत मिशन, जन धन योजना, हर घर जल जैसी सैकड़ो जनकल्याणकारी योजनाएं सबका साथ - सबका विकास - सबका विश्वास - सबका प्रयास की भावना से आगे बढ़ रही है । इसके पूर्व स्वनिधि योजना के शिविर में सैकड़ो रेहड़ी पटरी वालो का पंजीकरण किया गया।

नोएडा में अपराधियों संग पुलिस की मुठभेड़, गोकशी करने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोएडा के थाना फेस-3 पुलिस ने एक पुलिस मुठभेड़ के दौरान कथित रूप से गोहत्या करने वाले दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की गोली दोनों बदमाशों के पैर में लगी है। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। संयुक्त पुलिस आयुक्त लव कुमार ने बताया कि उनकी पहचान मोहम्मद ईशा और मोहम्मद जीशान के रूप में की गई है। उन्होंने बताया कि दोनों अमरोहा जिले के रहने वाले हैं। कुमार ने बताया कि इनके चार साथी अब भी फरार हैं और पुलिस उनकी तलाश कर रही है। उन्होंने बताया कि बदमाशों ने सात जून को थाना फेस-3 क्षेत्र के ट्रांसपोर्ट नगर में गोकशी की वारदात को अंजाम दिया था, जिसके चलते कानून व्यवस्था बिगड़ गई थी। अधिकारी ने बताया कि पकड़े गये बदमाशों के खिलाफ पुलिस राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत भी कार्रवाई करेगी। उन्होंने बताया कि थाना फेस-3 पुलिस आज सुबह जांच के दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध कोर को रूकने का इशारा किया लेकिन उनलोगों ने पुलिस टीम पर गोली चला दी और मौके से भागने लगे। संयुक्त आयुक्त ने बताया कि पुलिस ने पीछा करते हुये जवाबी कार्रवाई की, और कार के बाहर निकल कर गोली चला रहे दो बदमाशों के पैर में पुलिस की गोली लगी जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

दिल्ली में चार दिन तक बारिश की संभावना, मौसम विभाग ने जारी किया येलो अलर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के लोगों को झुलसाने वाली गर्मियों से अब राहत मिलने वाली है। अगले चार दिनों के दौरान दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों में मध्यम से हल्की बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने इसके लिए येलो अलर्ट भी जारी किया है। मौसम की इन गतिविधियों के चलते अगले पांच दिनों में अधिकतम पारा में सात डिग्री तक की गिरावट आने के आसार हैं।

राजधानी दिल्ली के ज्यादातर हिस्सों में बुधवार की सुबह से ही तेज चमकीला सूरज निकला रहा। दिन चढ़ने के साथ ही धूप भी तेज हो गई। दिन के समय लोगों को खासी गर्मी का सामना करना पड़ा। दिल्ली के कुछ हिस्सों में लू की स्थिति भी बनी रही और दोपहर के समय लोगों को गर्म हवा के थपेड़ों का साफ अहसास हुआ।

दिल्ली की मानक वेधशाला सफदरजंग में दिन का अधिकतम तापमान 42.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

जो कि सामान्य से तीन डिग्री ज्यादा है। जबकि, न्यूनतम तापमान 29.4 डिग्री सेल्सियस रहा जो कि सामान्य से दो डिग्री ज्यादा है। यहां पर आर्द्रता का स्तर 53 से 27 फीसदी के बीच रहा।

जबकि, दिल्ली के नजफगढ़ और मुंगेशपुर जैसे इलाकों में अधिकतम तापमान 45 डिग्री से ज्यादा रिकार्ड किया गया।

दिल्ली पर अब दिखेगी पश्चिमी विक्षोभ की मेहरबानी

मौसम विभाग के मुताबिक देश के उत्तर पश्चिमी हिस्से में इस समय एक पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता देखने को मिल रही है।

इसके असर से उच्च हिमालयी क्षेत्रों के साथ-साथ दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में भी मध्यम से लेकर हल्की बारिश के आसार दिख रहे हैं। खासतौर पर गुरुवार के दिन शाम या रात के समय 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाली हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बरसात होने की संभावना है।

तापमान में सात डिग्री तक की गिरावट होगी

मौसम विभाग का अनुमान है कि बारिश और बादलों के चलते दिल्ली के लोगों को गर्मी से खासी राहत मिलने वाली है। अगले पांच दिनों में अधिकतम तापमान में सात डिग्री तक की गिरावट आने के आसार हैं। खासतौर पर 20 जून को अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है।

नजफगढ़ का इलाका रहा सबसे गर्म

बुधवार के दिन नजफगढ़ क्षेत्र के लोगों को सबसे ज्यादा गर्मी झेलनी पड़ी। यहां का अधिकतम तापमान 45.3 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। जबकि, मुंगेशपुर का अधिकतम तापमान 45.1 डिग्री सेल्सियस रहा।

सामान्य है मानसून की प्रगति

देश में दक्षिण-पश्चिम मानसून की प्रगति को अभी तक सामान्य माना जा रहा है। मौसम विभाग के विज्ञानी असीम कुमार मित्रा के मुताबिक बुधवार के दिन मानसून ने महाराष्ट्र के कुछ अन्य हिस्सों को भी आच्छादित कर लिया है। जबकि, इसकी पूर्वी तटों पर भी इसकी बढ़त सामान्य है। पूर्वोत्तर के राज्यों में मानसून के चलते भारी बारिश हो रही है और अगले दो-तीन दिन यह स्थिति बनी रहने का अनुमान है।

राजधानी में मानसून सामान्य रहने की उम्मीद

दिल्ली में मानसून के आगमन की आधिकारिक तिथि 27 जून है। अभी तक मानसून प्रगति को देखते हुए मौसम विज्ञानियों का अनुमान है कि यह अपने सामान्य समय के ही आसपास दिल्ली पहुंचेगा। हालांकि, फिलहाल तक इसे लेकर मौसम विज्ञानियों की ओर से निश्चित भविष्यवाणी नहीं की गई है।

संपादकीय

पत्थरबाजी से कहीं आर्थिक विकास प्रभावित न होने लगे

अभी हाल ही में अमेरिकी रेटिंग एजेंसी फिच ने भारतीय अर्थव्यवस्था के दृष्टिकोण (आउटलुक) में सुधार (अपग्रेड) किया है। फिच रेटिंग्स ने भारत की सॉवरेन रेटिंग के आउटलुक को नकारात्मक श्रेणी से अपग्रेड कर स्थिर श्रेणी में ला दिया है। भारत की सावरन रेटिंग में यह सुधार देश में तेजी से हो रहे आर्थिक सुधारों के कारण मध्यम अवधि के दौरान भारत की विकास दर में गिरावट की जोखिम के कम हो जाने के चलते किया गया है। भारत में आर्थिक मोर्चे पर इस तरह की बहुत सी अच्छी खबरों यथा पूरे विश्व में सबसे तेज गति से आर्थिक विकास करने वाली अर्थव्यवस्था, विदेशी व्यापार में तेज वृद्धि दर हासिल करने वाली अर्थव्यवस्था, सूचना प्रौद्योगिकी, फार्मा, मोबाइल फोन उत्पादन, ऊर्जा, औटोमोबील, यूनिकोन की संख्या में वृद्धि, आदि क्षेत्रों में पूरे विश्व में नायक्तव की भूमिका निभाने की स्थिति प्राप्त करना, आदि, को कई देश प्रतिस्पर्धता के चलते पचा नहीं पा रहे हैं। भारत द्वारा की जा रही तेज आर्थिक विकास दर एवं विदेशी व्यापार के क्षेत्र में हो रहे सुधार के चलते भारत की साख वैश्विक स्तर पर बढ़ रही है। एशिया क्षेत्र से चीन, जापान के बाद भारत भी तेजी से एक आर्थिक ताकत के रूप में उभर रहा है, जिसे विश्व के कई अन्य देश वैश्विक स्तर पर अपनी आर्थिक ताकत में कमी के रूप में देख रहे हैं। इसलिए भारत के आर्थिक विकास में कई प्रकार की बाधाएं खड़ी करने के प्रयास कुछ देशों द्वारा किए जा रहे हैं। भारत में तेजी से हो रहे आर्थिक विकास के इत्तर आज अमेरिका एवं अन्य कई यूरोपीयन देश कई प्रकार की आर्थिक समस्याओं से जूझ रहे हैं, विशेष रूप से इन देशों में लगातार तेजी से बढ़ रही मुद्रा स्फीति की दर से। इन सभी देशों में आज उपभोक्ता आधारित मुद्रा स्फीति की दर 8 प्रतिशत से अधिक हो गई है जो कि इन देशों में पिछले 43 वर्षों के इतिहास में सबसे अधिक है। इस समस्या से ये देश निजात पाने में असमर्थ से दिखाई दे रहे हैं एवं लगातार ब्याज दर में वृद्धि करते जा रहे हैं एवं सिस्टम (आर्थिक व्यवस्था) में तरलता कम करते जा रहे हैं जिससे इन देशों के निवासियों की क्रय शक्ति में कमी होती जा रही है। इन निर्णयों के चलते अब तो इन देशों में आर्थिक मंदी का खतरा मंडराने लगा हैं। जबकि भारत में उपभोक्ता आधारित मुद्रा स्फीति की दर 7 प्रतिशत के आसपास बनी हुई है एवं आर्थिक विकास लगातार द्रुत गति से आगे बढ़ रहा है। किसी भी देश के लिए आर्थिक विकास को गति देने के लिए देश में लगातार शांति बनाए रखना जरूरी माना जाता है। परंतु, चूंकि भारत आज पूरे विश्व में सबसे तेज गति से आर्थिक विकास करने वाली अर्थव्यवस्था बन गया है, अत: भारत में अशांति फैलाने में कुछ देश संलग्न दिखाई दे रहे हैं। अभी हाल ही में दरअसल कुछ विकसित देशों के उकसावे में आकर कुछ अरब देशों यथा कतर, ओमान, सऊदी अरब एवं ईरान आदि ने भारत में हाल ही में एक टीवी चैनल पर एक बहस के दौरान एक भारतीय महिला द्वारा की गई एक टिप्पणी को लेकर इन देशों ने भारत से जवाब मांगा है। इस टिप्पणी को लेकर ही भारत के मुस्लिम समाज के अनुयायियों ने कई शहरों में पत्थरबाजी की है एवं सरकारी एवं व्यक्तिगत सम्पत्तियों को बहुत नुक्सान पहुंचाने का प्रयास किया है। पूरे विश्व में आज भारत ही एक ऐसा देश है जहां इस देश के नागरिक आसानी से राष्ट्रीय एवं व्यक्तिगत संपतियों को नुकसान पहुंचा सकते हैं एवं पोलिस एवं जनता पर पत्थर फैंक सकते हैं। कई देश इस तरह की गतिविधियों को भारत में फैलाने का प्रयास कर रहे हैं ताकि भारत में शांति भंग हो एवं देश का आर्थिक विकास प्रभावित हो। चीन, जापान, इजराईल एवं कई यूरोपीयन देशों में किसी भी नागरिक द्वारा पत्थरबाजी एवं सरकारी अथवा व्यक्तिगत संपतियों को नुक्सान पहुचाने पर कड़े कानून लागू किए गए हैं अत: इन देशों में इस प्रकार की गतिविधियों पर पूर्णत: रोक लगा दी गई है। परंतु, भारत में बोलने की आजादी एवं प्रदर्शन करने की आजादी के चलते इस तरह की गतिविधियां हाल ही के समय में बहुत बढ़ी हैं। इससे भारत के आर्थिक विकास पर विपरीत प्रभाव पड़ने की सम्भावनाएं बढ़ रही हैं।

अघोषित अराजक आपातकाल की ओर बढ़ता देश

डॉ. कृष्णगोपाल मिश्र

विदेशी शक्तियों की दासता से मुक्त हुए पिचहत्तर वर्ष बीत रहे हैं। देश आजादी का अमृत-महोत्सव मनाने में मस्त है और देश विरोधी ताकतें आजादी के नाम पर उन्माद, आगजनी, भड़काऊ बयानबाजी, हिंसा और तोड़फोड़ में व्यस्त हैं। आम नागरिक डरा सहमा है और अपराधी तत्व निरंकुश हो रहे हैं। आंदोलनों और विरोध-प्रदर्शनों के नाम पर भीड़ एकत्रित कर जनजीवन को त्रस्त और अशांत बना देना कुछ लोगों के लिए आम बात हो गई है। भीड़ को पुलिस-प्रशासन का भय नहीं रह गया है, कानून की परवाह नहीं है और दंड की चिंता नहीं है क्योंकि हिंसा, आगजनी और तोड़फोड़ पर उतारू भीड़ जानती है कि उसके इन आपराधिक कुकृत्यों पर उसे दंडित करने वाली संवैधानिक प्रक्रियाएं इतनी लंबी हैं कि उसका कुछ बिगड़ने वाला नहीं है। बड़े-बड़े विपक्षी नेता उसके पक्ष में खड़े मिलते हैं और बड़े-बड़े वकील निचली अदालतों से लेकर सर्वोच्च न्यायालय तक उसकी सुरक्षा और उसके हितों की रक्षा के लिए कमर कसकर खड़े हैं। जे.एन.यू. में 'भारत तेरे टुकड़े होंगे' जैसे देश विरोधी नारे लगाने वालों के समर्थन में खड़े बड़े नेताओं और दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाके में दंगाइयों के अवैध निर्माण ढहाने की सरकारी मुहिम को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती देकर विफल कर देने बाले कानून के रखवालों की कारगुजारियां इस तथ्य को दूर तक स्पष्ट करती हैं। जब शीर्ष नेतृत्व, कानून के मंजे हुए खिलाड़ी और दूर विदेशों तक सक्रिय भारत-विरोधी प्रचारतंत्र तथा गुमनाम आर्थिक शक्तियां इस उन्मादी भीड़ की पृष्ठभूमि में पूरी ताकत से सक्रिय हों तो प्रतिकूल विषम परिस्थितियों से पार पाना और भी कठिन हो जाता है। देश की चुनी हुई संवैधानिक लोकतांत्रिक केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के निर्णयों को उग्र हिंसक आंदोलनों के बल पर बदलने, वापस कराने का यह खतरनाक खेल देश की प्रगति, शांति और सुरक्षा के लिए जितना बड़ा खतरा है विपक्षी राजनेताओं के लिए भी उतना ही अशुभ और विनाशकारी है क्योंकि भविष्य के निर्वाचनों में यदि वे सत्ता में आए तो यही हिंसक उन्मादी भीड़ उनकी राजनीति का पथ भी कंटकाकीर्ण कर देगी और तब उनके लिए भी लोकतांत्रिक मानमूल्यों का संरक्षण करना कठिन होगा। अत: उग्र-हिंसक आंदोलनों को उकसाना, दंगे भड़काना किसी के भी हित में नहीं है-- ना सत्तापक्ष के, ना विपक्ष के और ना जनता के। अब यह खतरनाक खेल बंद होना चाहिए। एक पुरानी फिल्म का गीत है पीने वालों को पीने का बहाना चाहिए। यही बात आज हमारे देश में उग्र-हिंसक आंदोलनों के संदर्भ में सत्य सिद्ध हो रही है। रोज किसी न किसी बहाने से उग्र-हिंसक प्रदर्शन हो रहे हैं। कभी किसी राजनीतिक दल की शक्ति प्रदर्शनकारी रैली के नाम पर, कभी आरक्षण अथवा अन्य किसी मांग की पूर्ति के नाम पर, कभी एनआरसी, सीएए अथवा किसान आंदोलन के नाम पर तो कभी किसी धार्मिक उत्सव के अवसर पर चल समारोह के विरुद्ध एकत्रित की गई भीड़ ध्वंस का नग्न-नृत्य करती ही रहती है। हर बार भीड़ कुछ निर्दोषों की बलि ले लेती है, कुछ पुलिसकर्मी अधिकारी हत-आहत हो जाते हैं, फिर पुलिस फ्लैग मार्च निकालती है, एफ आई आर दर्ज होती हैं, कानून की चक्की धीमी गति से चलती है और तब तक केंद्र अथवा राज्य सरकार बदल जाने पर केस वापस ले लिए जाते हैं। प्राय: अपराधी अपराध करने के बाद भी दंडित नहीं हो पाते। ऐसी स्थितियों में भीड़ को एकत्रित कर उसे अपने निहित स्वार्थों के लिए देश के विरुद्ध एक प्रभावी शस्त्र के रूप में प्रयोग करना देश-विरोधी और सत्ता की प्रतिपक्षी ताकतों के लिए और भी सहज हो जाता है। इन्हीं कारणों से ये हिंसक प्रदर्शन बराबर बढ़ रहे हैं, बढ़ते ही जा रहे हैं। यदि समय रहते कठोर कदम नहीं उठाए गए तो इन्हें नियंत्रित कर पाना और भी कठिन हो जाएगा।

बढ़ता रेगिस्तान और सूखा दुनिया के समक्ष बड़ी चुनौती

ललित गर्ग

वर्ष 1995 से प्रत्येक साल विश्व के विभिन्न देशो में 17 जून को विश्व रेगिस्तान एवं सूखा रोकथाम दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय सहयोग से बंजर और सूखे के प्रभाव का मुकाबला करने के लिए जन जागरूकता को बढ़ावा देना है एवं भविष्य में रहने के लिये भूमि, पर्यावरण एवं जल आदि समस्याओं के लिये सर्तक करना है। मरुस्थलीकरण तब होता है जब उपजाऊ भूमि मानव गतिविधि के माध्यम से मिट्टी के अत्यधिक दोहन के कारण शुष्क हो जाती है। किसी ग्रह के जीवन चक्र के दौरान मरुस्थल स्वाभाविक रूप से बनते हैं, लेकिन जब मानव के अति दोहन एवं प्रकृति के प्रति उपेक्षा के कारण मिट्टी में पोषक तत्वों की भारी और अनियंत्रित कमी होती है, तो यह मरुस्थलीकरण की ओर ले जाता है। वहीं बढ़ती विश्व जनसंख्या के कारण रहने के लिए अधिक भूमि की आवश्यकता होती है। साथ ही मनुष्यों और जानवरों दोनों के लिए भोजन एवं पानी की मांग बढ़ जाती है। इन मांगों और आवश्यकताओं को पूरा करने अच्छी उपजाऊ भूमि का संयम एवं विवेकपूर्वक उपयोग जरूरी है। वर्ष 1994 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने बंजर और सूखे से जुड़े मुद्दे पर विश्व-जन का ध्यान आकर्षित करने और सूखे और मरुस्थलीकरण का दंश झेल रहे देशों मरुस्थलीकरण रोकथाम कन्वेंशन के कार्यान्वयन के लिए विश्व मरुस्थलीकरण रोकथाम और सूखा दिवस की घोषणा की।

मरुस्थलीकरण और सूखा दिवस का उद्देश्य सभी स्तरों पर मजबूत व सामुदायिक भागीदारी और सहयोग में निहित है। यह दिन मरुस्थलीकरण, भूमि क्षरण और सूखे के मुद्दों और इससे निपटने के तरीके के बारे में सभी को जागरूक करने के लिए आयोजित किया जाता है। विश्व स्तर पर, 23 प्रतिशत भूमि अब उत्पादक नहीं है, वहीं 75 प्रतिशत में ज्यादातर भूमि को कृषि के लिए उसकी प्राकृतिक अवस्था से बदल दिया गया है। हालांकि, वर्तमान में भूमि उपयोग में यह परिवर्तन मानव इतिहास में किसी भी समय की तुलना में काफी तेज गति से हो रहा है, और पिछले 50 वर्षों में इसमें तेजी आई है। इसीलिये रेगिस्तान या मरुस्थल के रूप में बंजर, शुष्क क्षेत्रों का विस्तार होता जा रहा है, जहाँ वनस्पति नहीं के बराबर होती है, यहाँ केवल वही पौधे पनप सकते हैं, जिनमें जल संचय करने की अथवा धरती के बहुत नीचे से जल प्राप्त करने की अदभुत क्षमता हो। इस क्षेत्र में बेहद शुष्क व गर्म स्थिति किसी भी पैदावार के लिए उपयुक्त नहीं होती है। वास्तविक मरुस्थल में बालू की प्रचुरता पाई जाती है। मरुस्थल कई प्रकार के हैं जैसे पथरीले मरुस्थल में कंकड़-पत्थर से युक्त भूमि पाई जाती है। इन्हें अल्जीरिया में रेग तथा लीबिया में सेरिर के नाम से जाना जाता है। चट्टानी मरुस्थल में चट्टानी भूमि का हिस्सा अधिकाधिक होता है। इन्हें सहारा क्षेत्र में हमादा कहा जाता है।

राजस्थान प्रदेश में थार का रेगिस्तान दबे पांव अरावली पर्वतमाला की दीवार पार कर पूर्वी राजस्थान के जयपुर, अलवर और दौसा जिलों की ओर बढ़ रहा है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के राजस्थान में चल रहे प्रोजेक्ट में ऐसे संकेत मिल रहे हैं। अब तक 3000 किमी लंबे रेगिस्तानी इलाकों को उत्तर प्रदेश, बिहार और प. बंगाल तक पसरने से अरावली पर्वतमाला रोकती है। कुछ वर्षो से लगातार वैध-अवैध खनन के चलते कई जगहों से इसका सफाया हो गया है। उन्हीं दरारों और अंतरालों के बीच से रेगिस्तान पश्चिम से पूर्व की ओर बढ़ चला है। यही स्थिति रही तो आगे यह हरियाणा, दिल्ली, यूपी तक पहुंच सकता है। लगातार बढ़ रहा रेगिस्तान एक गंभीर चिन्ता का विषय है। भूमि और सूखा एक जटिल और व्यापक सामाजिक-आर्थिक और पर्यावरणीय प्रभावों के साथ प्राकृतिक खतरे के अतिक्रमण के अलावा किसी भी अन्य प्राकृतिक आपदा की तुलना में अधिक लोगों की मृत्यु और अधिक लोगों को विस्थापित करने के लिए जाना जाता है। इससे अनुमान लगाया जा सकता है कि 2025 तक, 1.8 बिलियन लोग पूर्ण रूप से पानी की कमी का अनुभव करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी दूसरी पारी में अब प्रकृति- पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण-मुक्ति के साथ बढ़ते रेगिस्तान को रोकने के लिये सक्रिय हैं। कुशल राजनीतिक की तरह वे जुझारू किसान एवं पर्यावरणविद की भांति धरती पर मंडरा रहे खतरों एवं बढ़ते रेगिस्तान को रोकने के लिये जागरूक हुए हैं। बंजर जमीन को उपजाऊ बनाने एवं पर्यावरण की रक्षा को लेकर प्रधानमंत्री का संकल्प एक शुभ संकेत है, नये भारत के अभ्युदय का प्रतीक है। उम्मीद करें कि सरकार की नीतियों में जल, जंगल, जमीन एवं जीवन की उन्नत संभावनाएं और भी प्रखर रूप में झलकेगी और धरती के मरुस्थलीकरण के विस्तार होते जाने की स्थितियों पर काबू पाने में सफलता मिलेगी। प्रधानमंत्री ने भारत 2030 तक 2.1 करोड़ हेक्टेयर बंजर जमीन को उपजाऊ बनाने के अपने लक्ष्य को बढ़ाकर 2.6 करोड़ हेक्टेयर किया है, इससे पर्यावरण की रक्षा तो होगी कि ऊपजाऊ भूमि का भी विस्तार होगा। देखने में आ रहा है कि कथित आधुनिक समाज एवं विकास का प्रारूप अपने को कालजयी मानने की गफलत पाले हुए है और उसकी भारी कीमत भी चुका रहा है। लगातार पांव पसार रही तबाही इंसानी गफलत को उजागर तो करती रही है, लेकिन समाधान का कोई रास्ता प्रस्तुत नहीं कर पाई। ऐसे में अगर मोदी सरकार ने कुछ ठानी है तो उसका स्वागत होना ही चाहिए। क्या कुछ छोटे, खुद कर सकने योग्य कदम नहीं उठाये जा सकते?

मरुस्थलीकरण का विस्तार और प्रकृति के साथ खिलवाड़ होता रहा तो वह दिन दूर नहीं होगा, जब हमें शुद्ध पानी, शुद्ध हवा, उपजाऊ भूमि, शुद्ध वातावरण एवं शुद्ध वनस्पतियाँ नहीं मिल सकेंगी। इन सबके बिना हमारा जीवन जीना मुश्किल हो जायेगा। आज आवश्यकता है कि प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की ओर विशेष ध्यान दिया जाए, जिसमें मुख्यत: धूप, खनिज, वनस्पति, हवा, पानी, वातावरण, भूमि तथा जानवर आदि शामिल हैं। इन संसाधनों का अंधाधुंध दुरुपयोग किया जा रहा है, जिसके कारण ये संसाधन धीरे-धीरे समाप्त होने की कगार पर हैं। इस जटिल होती समस्या की ओर प्रधानमंत्री का चिन्तीत होना एवं कुछ सार्थक कदम उठाने के लिये पहल करना मरुस्थल को उपजाऊ भूमि में बदलने की नयी संभावनाओं को उजागर करता है।

जल, जंगल और जमीन इन तीन तत्वों से प्रकृति का निर्माण होता है। यदि यह तत्व न हों तो प्रकृति इन तीन तत्वों के बिना अधूरी है। विश्व में ज्यादातर समृद्ध देश वही माने जाते हैं जहां इन तीनों तत्वों का बाहुल्य है। बात अगर इन मूलभूत तत्व या संसाधनों की उपलब्धता तक सीमित नहीं है। आधुनिकीकरण के इस दौर में जब इन संसाधनों का अंधाधुन्ध दोहन हो रहा है तो ये तत्व भी खतरे में पड़ गए हैं एवं भूमि की उत्पादकता कम होती जा रही है, पानी की कमी हो रही है। चिन्तन एवं चिन्ता का एक ही मामला है लगातार विकराल एवं भीषण आकार ले रही बंजर भूमि, सिकुड़ रहे जलस्रोत विनाश की ओर धकेली जा रही पृथ्वी एवं प्रकृति के विनाश के प्रयास। बढ़ती जनसंख्या, बढ़ता प्रदूषण, नष्ट होता पर्यावरण, दूषित गैसों से छिद्रित होती ओजोन की ढाल, प्रकृति एवं पर्यावरण का अत्यधिक दोहन- ये सब देश के लिए सबसे बड़े खतरे हैं और इन खतरों का अहसास करना एवं कराना ही विश्व रेगिस्तान तथा सूखा रोकथाम दिवस का ध्येय है। प्रतिवर्ष धरती का तापमान बढ़ रहा है। आबादी बढ़ रही है, जमीन छोटी पड़ रही है। हर चीज की उपलब्धता कम हो रही है। आक्सीजन की कमी हो रही है। साथ ही साथ हमारा सुविधावादी नजरिया एवं जीवनशैली पर्यावरण एवं प्रकृति के लिये एक गंभीर खतरा बन कर प्रस्तुत हो रहा हैं। वन क्षेत्र का लगातार खत्म होना भी इसकी एक बड़ी वजह है लेकिन सबसे बड़ी वजह है निर्माण क्षेत्र का अराजक व्यवहार। शहरीकरण की तेज प्रक्रिया में इधर खेतों में कंक्रीट के जंगल खड़े कर दिए गए हैं। कहीं कॉलोनियां बसाने के लिए झीलों, नदियों तक को पाट दिया गया, कहीं जमीन के बड़े हिस्से पर सीमेंट और रेत भर दी गई जिससे उसकी धरती बांझ होती जा रही है। नदियों से दूर बसी कॉलोनियों को भू-जल पर आश्रित छोड़ दिया गया, जिसके लगातार दोहन से हरे-भरे इलाके भी मरुस्थल बनने की ओर बढ़ गए। सरकार अगर सचमुच जमीन को उपजाऊ बनाना चाहती है तो उसे कंस्ट्रक्शन सेक्टर को नियंत्रित करना होगा। लेकिन इस दिशा में एक कदम भी आगे बढ़ाने के लिए हमें विकास प्रक्रिया पर ठहरकर सोचने के लिए तैयार होना होगा। बात तभी बनेगी जब सरकार के साथ-साथ समाज भी अपना नजरिया बदले।

आखिर धर्म, जाति, समाज की सोच कहां से आई ?

वैश्विक स्तरपर बीते कुछ वर्षों से हम मीडिया के माध्यम से देख व सुन रहे हैं कि धर्म, जाति, समाज, रंगभेद की घटनाओं में वर्ष दर वर्ष इजाफा होते जा रहा है कोई अवसर मिलते ही उसे झट से लपक कर अपने-अपने सामूहिक हितार्थ उस उपरोक्त श्रेणियों के वर्ग में ले लिया जाता है और फिर दंगों का सिलसिला जारी हो जाता है यह सिलसिला हम अमेरिका, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया इत्यादि अनेकयूरोपीय देशों से लेकर हमारे एशिया तक जारी हैं। हालांकि यह सदियों से है परंतु वर्तमान कुछ वर्षों से यह क्रम बढ़ते ही जा रहा है इसलिए ही किसी ने सच कहा है कि सृष्टि का रचनाकर्ता मनुष्य का जन्मदाता है पर मनुष्य ही धर्म जाति समाज का जन्मदाता है!! आखिर धर्म जाति समाज की सोच कहां से आई? जिसके बल पर मनुष्य इनमें विभाजित हो चुका है खासकर कुछ वर्षों से हम देख रहे हैं कि दो धर्म समुदायों में अधिक तकरार देखने को मिल रहा है जिसका असर वैश्विक स्तर पर पड़ रहा है। साथियों बात अगर हम भारत की करें तो भारत शुरू से ही धर्मनिरपेक्ष मानसिकता का पक्षधर रहा है और शांतिप्रियता भारत के खून में ही समाई है। हिंदू, मुस्लिम, सिख, इसाई आपस में ही हैं सब भाई भाई। परंतु बीते कुछ वर्षों में दो समुदायों में धार्मिक उन्माद का क्रम बढ़ते जा रहा है बीते कुछ महीने पहले हिजाब का मामला, तीन तलाक का मामला,बुलडोजर मामला, अस्सी बीस का मामला, ज्ञानवापी का मामला, लाउडस्पीकर मामला, अन्य स्थानों पर नमाज़ का मामला और अभी कुछदिन पहले एक समुदाय विशेष के पैगंबर के संबंध में एक प्रवक्ता की टिप्पणी से 10 जून से आज तक दंगों की चपेट में भारत के यूपी, झारखंड, पश्चिम बंगाल सहित कुछ राज्य झुलस रहे हैं उनपर एफआईआर तीनसव पार आरोपी गिरफ्तार,विभिन्न पार्टियों के नेताओं की उन्मादीबयानबाजी आए दिनों हम टीवी चैनलों पर देख रहे हैं जो हमारे विज़न स्वर्ण भारत नया भारत, आत्मनिर्भर भारत के शुभ संकेत नहीं माने जा सकते। साथियों बात अगर हम दिनांक 14 जून 2022 को सीजेआई को पत्र लिखने की करें तो, कई रिटायर्ड जजों और वरिष्ठ वकीलों ने मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखकर यूपी में बुलडोजर कार्रवाई और गिरफ्तारियों पर संज्ञान लेने की मांग की है। 6 रिटायर्ड जजों समेत 12 लोगों ने पैगंबर मोहम्मद विवाद के संदर्भ में पत्र में लिखा कि हाल में यूपी के कई शहरों में विरोध प्रदर्शन हुए, जिसके बाद बड़े पैमाने पर लोगों को अवैध रूप से हिरासत में लिया गया।

कई लोगों के घरों को बुलडोजर से तोड़ दिया गया। ये कार्रवाई गैरकानूनी है। नियमों के खिलाफ है। सुप्रीम कोर्ट को इस पर संज्ञान लेकर कार्रवाई करनी चाहिए। ऐसी रिपोर्ट मीडिया में आई है। साथियों बात अगर हम मूल विषय इस धर्म, जाति, समाज की करें तो यह मनुष्य के मस्तिष्क की ही देन है क्योंकि सृष्टि रचनाकर्ता ने तो खूबसूरत मनुष्य की रचना कर उसमें अनमोल बुद्धि रूपी सौगात बक्शी थी!! परंतु अब प्रश्न है कि आखिर धर्म जाति समाज की सोच कहां से आई ? इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में उपलब्ध जानकारी के अनुसार धर्म के उत्पत्ति का मुख्य कारण मनुष्य का सत्य को जानने की प्रवृत्ति के कारण हुआ और चूंकि सत्य को समझने की मानववृत्ति एक जन्मजात वृत्ति है, इसलिए यह जानने का कोई कारण दिखाई नहीं देता कि उसका प्रारंभ मानव इतिहास में काफी समय बाद हुआ। आदिम काल में मनुष्य ने प्रकृति के कार्यो को समझने का प्रयास किया होगा। यदि आज विज्ञान का युग है तो इसका यह अर्थ कदापि नहीं कि विज्ञान आदिम काल में रहा नहीं होगा। बिना बीज के वृक्ष कैसे उत्पन्न हो सकता है? पुरातन युग में भी कोई दार्शनिक या वैज्ञानिक रहे होंगे ही जिन्होनें प्रकृति के विभिन्न कार्य-कलापों को समझने का प्रयास किया होगा। सही बात तो यह है कि धर्म मानव जीवन की सहजवृत्ति है। धर्म की उत्पत्ति के किए हमें मानव प्रकृति को ही आधार मानना होगा, क्योंकि परिवर्तन होने के बाद भी मानव प्रकृति में एक अविच्छिन्नता की जाती है।

फिर से शहर-शहर पत्थर उबलने लगे हैं

पुखराज प्राज

यदि किसी तर्क का विरोध है तो उसके लिए न्यायपालिका की व्यवस्था हमारे संविधान में है। लेकिन कुछ विशेष वर्ग की नुमाइंदगी करने वाले कुछ लोगों की मानसिकता ईंट का जवाब पत्थर से हल निकालने वालों की है। संभवत: वे भूल रहे हैं की यह वर्तमान आधुनिक युग है जो लोकतंत्रिक है,ना की पाषाणकालीन जो जब मन किया पत्थर उठा लिया और फेंकने में मसरूफ़ हो गए। ऐसा तो कताई नहीं होता है। और ना तो पढ़े लिखे, सभ्य जमात को यह शोभा देता है। लोकतंत्र की अवधारणा को जब मूर्त रूप दिया जा रहा था। तब यूनानी दार्शनिक वलीआन ने लोकतंत्र को इस प्रकार परिभाषित किया है, %लोकतंत्र वह होगा जो जनता का, जनता के द्वारा हो, जनता के लिए हो।% सारांश में कहें तो मैं, आप और हम सभी जिस निश्चित क्षेत्र में राष्ट्र सीमा निहित और विधि द्वारा स्थापित है,जहां हम जनता अपने प्रतिनिधित्व का चयन करते हैं, यहीं हमारा लोकतंत्र है। स्वच्छ लोकतंत्र की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है की हम अपनी बात को खुलकर कह सकते हैं। हम अपनी अभिव्यक्ति को लोगों तक पहुँचा सकते हैं। लेकिन अभिव्यक्ति का स्वरूप कभी-कभी भी समाज या सार्वजनिक स्थलों या लोगों को क्षति पहुँचाने के उद्देश्य से नहीं हो सकता है।

यह वास्तव में सीधे-सीधे जनता का विरोध है और लोकतंत्र का अवरोधक है। वहीं ऐसे मानसिकता से ग्रसित कुत्सित लोगों के सानिध्य करने वालों को भी सहीं और गलत में फर्क करना आवश्यक है। अंधा अनुयायी बनना आज भी आदमीयत के खिलाफ़ प्रदर्शित होता है। जहाँ केवल एक विचारधारा या पंथ को प्रमुख और शेष को गौण मानना या गौण को खंडन कर अपने में समाहित करने की विचारोत्पत्ति उसके मार्गदर्शकों के द्वारा बरगलाने और पथभ्रष्ट करने की मंशा का पर्याय है। एक लोकतंत्र की परिभाषा को गर्व से स्वर देते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन कहते हैं कि, लोकतंत्र जनता का, जनता के लिए तथा जनता द्वारा शासन है।यानी यहाँ किसी धर्म, पंथ, विचार, संगठन, संस्था या समूह की बात नहीं हो रही है। यहाँ बात हो रही है आम लोगों की यानी आदमीयत की, मानवता की, व्यक्ति की, जो इस प्रकृति में एक समान है। जिसे वैज्ञानिक दृष्टिकोण में होमोसेपियंस ही कहा जाता है। जिसकी कोई जाति, धर्म या रंग, भाषा से कल्पना नहीं बल्कि उसके समरूप की कल्पना होती है। जिसे समानता का अधिकार प्राप्त है। जिसे अन्य नागरिकों की भांति ही मूल अधिकार प्राप्त हैं।

लेकिन दुर्भाग्य यह भी है कि कुछ लोग जो सारे अधिकारों का उपभोग करते हैं। रहते भी यहीं है। लेकिन राष्ट्र की भक्ति के दौर में न जाने कैसे एक कदम पीछे खींचने में आतुरता प्रदर्शित करते हैं। ये ऐसे लोगों का झुण्ड है जो विशेष वर्ग को प्रतिनिधित्व तो करते हैं, लेकिन मार्गदर्शन दर्शन में केवल और केवल विरोध के स्वरों को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक संचारित करते हैं। यही वैमनस्य पून÷किसी ना किसी वृहद विस्फोट का रूप धर लेता है। फिर इंसानियत शर्मसार होती है। लेकिन जाति-धर्म की रार में सुलह की किरण खामोश ही दिखाई देती है। जो लोग अपने आप को अल्प या कम की संख्या में प्रदर्शन करते हैं। अक्सर वे अपने हितों के संरक्षण के दौर में अपने आप को शोषित, प्रताड़ित और व्यथित बताने में कोई कसर नहीं छोड़ते, लेकिन इनके स्वमेव के द्वारा किए गए सामाजिक खलल् की गणना कम भी तो नहीं है। लेकिन यह वृहद संख्या वाले वर्गों के विशाल और शांति प्रिय हृदयों के कारण है जो सामाजिक ढांचा में छूट-पूट परिवर्तन देखने को मिलते हैं। यदि ये भी पत्थर से अपने समस्याओं का हल तलाशने लगे तो फिर जो अल्प हैं उनके लिए तो बड़ी विपदा आन खड़ी, जैसी स्थिति के द्योतक हैं। लेकिन यहीं वृहद वर्गी लोगों की वयस्कता का प्रमाण है की वे लोग लोकतंत्र और न्यायपालिका में विश्वास रखते हैं। न की हिंसा और दंगों की आड़ में अपने मनोरथ को साधने की प्रयास करते हैं।

वर्तमान में कुछ लोगों के घरों के गिराने को लेकर कई तर्कों का समीकरण और इन कार्रवाईयों के मीन मेख निकालने वालों की कमी नहीं है। कुछ इसे रैपिड एक्शन कह रहे हैं, तो कुछ मानवता के खिलाफ देख रहे हैं। बड़ा प्रश्न यह उठता है की हम संविधान से संगठित भारतवर्ष के किसी भी कोने में मूल अधिकारों के हनन के विरुद्ध कोई कार्रवाई संभव ही नहीं है। फिर इन कार्रवाईयों में जो कानून के निर्धारित प्रणालियां है उनका पालन करते ही कार्रवाईयों का दौर चला है। वे निर्माण कार्य वैसे भी अवैध थे। तो इन्हे तोड़ने के संदर्भ में तर्क देना की पत्थर तो किसी व्यक्ति विशेष ने मारा था पूरे परिवार की क्या भूमिका है? ऐसे प्रश्नों के उद्गार कहीं ना कहीं, एक गंदी मछली और तालाब वाली कहावत को प्रदर्शित भी करते हुए, उस मछली के संरक्षण को आवश्यक भी बताते मानसिकता को प्रदर्शित करते हैं। इससे यह तो साफ है की पत्थर उबालने वाली मानसिकता पर बुलडोज़र की संकल्पना कहीं ना कहीं दोबारा पत्थर उबालने के विचार को पूर्णत: अवरोध उत्पन्न करें।

वहीं वैचारिक विवादों के लिए कानून का मंदिर है, कानून को हाथ में लेने की भूल करने वालों को चेतावनी भी तो आवश्यक है।

जिंदगी गुलामी में नहीं

सफर में धूप तो बहुत होगी तप सको तो चलो,
भीड़ तो बहुत होगी नई राह बना सको तो चलो।
माना कि मंजिल दूर है एक कदम बढ़ा सको तो चलो,
मुश्किल होगा सफर, भरोसा है खुद पर तो चलो।
हर पल हर दिन रंग बदल रही जिंदगी, तुम अपना कोई नया रंग बना सको तो चलो।
राह में साथ नहीं मिलेगा अकेले चल सको तो चलो,
जिंदगी के कुछ मीठे लम्हे बुन सको तो चलो।
महफूज रास्तों की तलाश छोड़ दो धूप में तप सको तो चलो,
छोटी-छोटी खुशियों में जिंदगी ढूंढ सको तो चलो।
यही है ज़िन्दगी कुछ ख़्वाब चन्द उम्मीदें,
इन्हीं खिलौनों से तुम भी बहल सको तो चलो।
तुम ढूंढ रहे हो अंधेरो में रोशनी ,खुद रोशन कर सको तो चलो,
कहा रोक पायेगा रास्ता कोई जुनून बचा है तो चलो।
जलाकर खुद को रोशनी फैला सको तो चलो,
गम सह कर खुशियां बांट सको तो चलो।

गौरवशाली भारत
उत्तरप्रदेश
नई दिल्ली
गुरुवार 16 जून 2022
Www.gauravshalibharat.com

शार्ट न्यूज

शिया वक्फ बोर्ड सदस्य पद से हटाए वसीम रिजवी, बताया अपनी जान को खतरा

लखनऊ। वसीम रिजवी, अब जितेंद्र नारायण त्यागी को उत्तर प्रदेश शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड की सदस्यता रद्द करने का गजेट जारी किया गया है। वसीम रिजवी को सदस्य पद से हटा दिया गया है। इससे पहले भ्रष्टाचार के आरोप के बाद हुई जांच में दोषी पाये जाने पर मुतवल्ली पद से हटा दिए गए थे वसीम रिजवी। अब सदस्य पद से हटाए गए हैं। उत्तर प्रदेश के शिया और सुन्नी वक्फ बोर्ड में दो परिवर्तन किए गए हैं। टीले वाली मस्जिद के इमाम सुन्नी सेंट्रल बोर्ड ने मौलाना अब्दुल मन्नान रहमानी को उनके पद से बर्खास्त कर दिया है। उनके तकरीर और नमाज पढ़ने पर पाबंदी लगा दी गई है। अब शिया बोर्ड ने वसीम रिजवी उर्फ जितेंद्र नारायण त्यागी को पद से हटा दिया है। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने वसीम रिजवी उर्फ जितेंद्र त्यागी को शिया वक्फ बोर्ड के सदस्य पद से हटा दिया है। वसीम रिजवी 2021 में कोर्ट से बोर्ड के सदस्य बने थे। हिंदू धर्म अपनाने के बाद शिया वक्फ बोर्ड की ओर से उनको सदस्य पद से हटाए जाने को लेकर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को पत्र भेजा गया था। गौरतलब हो कि 6 दिसंबर 2021 को वसीम रिजवी ने इस्लाम धर्म को छोड़कर हिंदू धर्म अपनाया और जितेंद्र नारायण त्यागी नाम रखा। गाजियाबाद में डासना मंदिर के महंत यति नरसिंहानंद सरस्वती ने उन्हें सनातन धर्म में शामिल कराया था। इसके बाद शिया वक्फ बोर्ड के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया। वसीम रिजवी ने अपने वीडियो में कहा था कि आज मैंने शिया वक्फ बोर्ड के सदस्य पद से इस्तीफा दे दिया है। हाल ही में हिंदू धर्म अपनाने के बाद वसीम रिजवी उर्फ जितेंद्र नारायण त्यागी ने कहा था कि मुझे इस्लाम से बाहर कर दिया गया था। मेरे सिर पर हर शुक्रवार को इनाम बढ़ा दिया जाता है, इसलिए मैं सनातन धर्म अपना रहा हूं।

सड़क किनारे खड़े दुर्घटनाग्रस्त ट्रक से भिड़ी डीसीएम, दो लोगों की मौत

औरैया। उत्तर प्रदेश में औरैया जिले में सड़क किनारे दुर्घटनाग्रस्त खड़े ट्रक में एक डीसीएम की टक्कर में दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार औरैया जिले के सदर क्षेत्र में नेशनल हाईवे पर फौजी ढाबे के पास यह हादसा हुआ। यासीन खान (50) अपनी डीसीएम पर पाइप लोड कर अवनीश दीक्षित (42) के साथ कानपुर जा रहा था। डीसीएम नेशनल हाइवे पर स्थित गांव रौतियापुर के पास फौजी होटल के सामने पहुंची थी कि तभी वहां पर पहले से खड़े ईंटों से लदे एक ट्रक में पीछे से जा भिड़ी। टक्कर इतनी तेज थी कि डीसीएम का आगे का हिस्सा पूरी तरह से छतिग्रस्त हो गया। होटल पर मौजूद लोगों ने पुलिस व एम्बुलेंस को इस घटना की सूचना दी। किसी तरह मशक्क्त कर डीसीएम की केबिन से यासीन और अवनीश को बाहर निकालकर एम्बुलेंस से जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। परिजनों को सूचना दी गई तो परिजन भी रोते बिलखते अस्पताल पहुंच गए। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हाइवे से दुर्घटनाग्रस्त ट्रक और डीसीएम को हटाया जा रहा है।

चौबेपुर में युवक की गला रेत कर हत्या, जंगल में मिले शव से हड़कंप

चौबेपुर। चौबेपुर के दिलीप नगर गांव के युवक की जंगल में गला रेत कर हत्या कर दी गई। घटना की जानकारी होते ही सनसनी फ़ैल गई। मौके पर चौबेपुर इंस्पेक्टर फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। परिजनो से पूछताछ करने के घटना स्थल की जांच की। चौबेपुर दिलीप नगर गांव के मजरा गणेश गंज निवासी छोटे लाल बाल्मिक के चार बेटों में दूसरे नंबर के बेटे तारा बालमिक 28 वर्ष मंगलवार की रात अपने मामा के लडके हर्ष व एक अन्य के साथ स्कूटी से निकला था। रात में घर नही पहुंचा। सुबह परिवार के लोग खोजने निकले। तारा का शव गांव को जाने वाली सड़क किनारे जंगल में पड़ा मिला। सूचना पहुंचते ही परिजनो समेत ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। मृतक का गला आधे से ज्यादा कटा हुआ था। उसकी चप्पले शव के पास ही पड़ी थी। हर्ष व उसका साथी फरार है। पुलिस ने जांच करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिएं भेजा। मृतक की मां विमला ने बताया कि बेटा एक कालेज में काम करता था। कल काम पर नहीं गया था। हत्या में पुलिस आशनाई के साथ कुछ दिन पहले विवाद को लेकर जांच की जा रही हैं। हर्ष के मोबाइल की लोकेशन निकाली जा रही हैं। दिलीप नगर के पास तारा बाल्मीकि की हत्या के मामले में पुलिस आशनाई के बिंदु पर भी जांच कर रही है। पुलिस की पूछताछ में सामने आया है कि उसका दिलीप नगर के एक घर में आना जाना था, कई बार इसी बात को लेकर विवाद हो चुका था।

कासगंज में रोडवेज बस ने बाइक को मारी टक्कर : चालक को झपकी आने से अनियंत्रित होकर खेत में घुसी बस, बाइक सवार की मौत

कासगंज। कासगंज के सोरो में रोडवेज बस के चालक को झपकी आ गई। जिससे अनियंत्रित होकर बस ने बाइक में टक्कर मार दी। दुर्घटना में बाइक सवार युवक की मौके पर मौत हो गई। हादसे के बाद बस खेत में घुस गई और चालक बस छोड़कर फरार हो गया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कासगंज-सोरो रोड पर गोराह गांव के पास सोरो जा रहे बाइक सवार को रोडवेज बस ने टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि बस में सवारी नहीं थी। चालक उसे बरेली से लेकर मथुरा जा रहा था। रास्तें में चालक को झपकी आ गई। जिससे बस अनियंत्रित होकर युवक को टक्कर मारते हुए खेत में चली गई और बस क्षतिग्रस्त हो गई। मृतक की पहचान अमांपुर क्षेत्र के नगला कटीला निवासी 48 वर्षीय गौतम के रूप में हुई है। जो की सोरो में सिल्वर फैक्ट्री में काम करता था। गौतम प्रतिदिन काम करने सोरो जाता था। आज बाइक से सोरो जा रहा था, तभी रोडवेज बस ने टक्कर मार दी। इंस्पेक्टर सोरो रमेश भारद्वाज ने बताया की रोडवेज बस बरेली से मथुरा जा रही थी। गोरहा गांव के निकट बस अनियंत्रित हो गई और बस ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। घटना के बाद चालक बस छोड़कर फरार हो गया। जिसकी तलाश की जा रही है। पुलिस ने बस को कब्जे में ले लिया है। मृतक के परिवार वालों की तहरीर पर बस चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

आजम को फर्जीबाड़े के एक मामले में मिली रेगुलर बेल

रामपुर। समाजवादी पार्टी (सपा) के कद्दावर विधायक एवं पूर्व मंत्री मोहम्मद आजम खान को एमपी- एमएलए कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। एमपी एमएलए सेशन कोर्ट ने आजम को सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई अंतरिम जमानत को रेगुलर बेल करने के आदेश दिए हैं। आजम खान को यह राहत स्कूलों की मान्यता में फर्जीवाड़ा करने के मामले में मिली है। उच्चतम न्यायालय ने आजम को दी गई अंतरिम जमानत में शर्त लगाई गई थी कि उन्हे सक्षम स्थानीय न्यायालय में रेगुलर बेल के लिए आवेदन करना होगा। इसके लिए सुप्रीम कोर्ट ने 15 दिन का वक्त दिया था। सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई इस सशर्त अंतरिम जमानत में आज आजम खान को कोर्ट से राहत मिली और उनके आवेदन पर एमपी एमएलए सेशन कोर्ट द्वारा जमानत दे दी गई। आजम के अधिवक्ता जुबैर अहमद खान ने बताया कि एमपी एमएलए सेशन कोर्ट ने आजम खान को परमानेंट रेगुलर बेल दे दी है। आजम खान को न्यायालय ने इस दौरान उपस्थित होने का आदेश दिया था, जिसके तहत आज आजम खान कोर्ट में पेश हुए थे। परमानेंट रेगुलर बेल के तहत अब आजम खान पक्ष को श्योरिटी व पर्सनल बॉन्ड्स और अन्य जरूरी कागजात जमा करने होंगे। जमानत मिलने पर आजम खान अपने मुकदमों की पैरवी बाहर रह कर कर सकेंगे। आजम खान की अंतरिम बेल अगर कैंसिल हो जाती तो आजम खान के पक्ष को हाईकोर्ट में जमानत के लिए अर्जी दाखिल करनी होती और इसके लिए 15 दिन का वक्त दिया गया था। अन्यथा की स्थिति में आजम खान को सरेंडर करना पड़ता और जेल जाना पड़ता। ऐसे में जमानत मिलना आजम खान को बड़ी राहत माना जा रहा है।गौरतलब है कि रामपुर में आजम खान के तीन स्कूल रामपुर पब्लिक स्कूल के नाम से चल रहे हैं। आजम खान पर आरोप है कि बेसिक शिक्षा विभाग से स्कूलों की मान्यता में फर्जीवाड़ा किया गया।

प्रयागराज में जारी सख्ती का राज, 40 उपद्रवियों की तस्वीरें जारी; 95 अरेस्ट

प्रयागराज। संगमनगरी प्रयागराज में बीते शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद हुई हिंसा और पत्थरबाजी मामले में पुलिस का एक्शन लगातार जारी है। बुधवार को प्रयागराज हिंसा के 40 और उपद्रवियों की सीसीटीवी फुटेज व वीडियो कैमरा से पहचान हुई। प्रयागराज एसएसपी ने इन आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए इनकी फोटो सोशल मीडिया के मदद से सार्वजनिक कर दिया है। पुलिस ने यह भी अपील की है कि आरोपी आत्मसमर्पण कर दे नहीं तो उनके खिलाफ कोर्ट से अनुमति लेकर कुर्की की कार्रवाई भी की जाएगी। वहीं, इस मामले में पुलिस ने अब तक 95 लोगों को गिरफ्तार किया है।

आपको बता दें कि पिछले जुमे को अटाला में उपद्रव के लिए पत्थरबाज़ी की बड़े स्तर पर तैयारी हुई थी। इसकी तस्दीक नगर निगम के अभियान के दौरान हुई है। उपद्रव के दिन से मंगलवार तक चलाए गए अभियान में नगर निगम ने इस इलाके 31 ट्रक ईंट, पत्थर और बोल्डर अटाला में हटाया है। इसमें मंगलवार को छह ट्रक छह ट्रक ईंट-पत्थर मिला। इससे पहले 25 ट्रक ईंट-पत्थर और बोल्डर हटाया जा चुका है। मंगलवार शाम नगर निगम की टीम अटाला क्षेत्र पहुंची। टीम ने जब गलियों से ईट पत्थर और बोल्डर बीना तो यह छह ट्रक निकलाष निगम के अधिकारियों का कहना है कि अब तक 31 ट्रक मलबा हटाया जा चुका है। यह सब पहले से यहां था या साजिशन लाया गया, यह कहना मुश्किल है।

37 अन्य आरोपियों के पते तलाश रहा है प्राधिकरण

प्रयागराज विकास प्राधिकरण के जोनल अधिकारी अजय कुमार ने बताया कि प्राधिकरण को दो-तीन दिन पहले उन 37 लोगों के नामों की सूची मिली है जो पथराव की घटना में शामिल थे।

उन्होंने बताया कि प्राधिकरण के लोग इन 37 आरोपियों के पते ठिकानों की तलाश कर रहे हैं। हालांकि इलाके में ज्यादातर लोग पथराव की घटना के बाद मकान पर ताला लगाकर कहीं चले गए हैं, जिससे इन आरोपियों के मकान आदि के बारे में पूछताछ करने में मुश्किल आ रही है।

प्रयागराज हिंसा आरोपी जावेद के घर से मिली पर्ची में बवाल का ऐलान

एजेंसी

प्रयागराज। एसएसपी अजय कुमार ने बुधवार को बताया कि करेली स्थित जावेद पंप के मकान को जमींदोज करने से पहले नियमानुसार घर की तलाशी ली गई थी। मोहम्मद जावेद उर्फ़ जावेद पम्प के मकान की सर्चिंग के दौरान एक आधा फटा हुआ टाइपशुदा पर्चा मिला था, जिसमें उसने कोर्ट पर भी टिप्पणी की थी। एसएसपी ने बताया कि इन साक्ष्यों को मुकदमे में शामिल किया जाएगा। इस पर्चे को पुलिस ने सीज़ कर लिया गया है। यह एक अहम सबूत है। इस सबूत को तफ्तीश में शामिल किया जा रहा है। इसकी मदद से जावेद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पर्ची में यह भी लिखा था कि सभी लोग 10 जून को अटाला पहुंचे। अगर किसी ने विरोध किया तो उसका सामना करें।

ये लिखा था पर्ची पर-

'सुनो साथियों, 10 जून को जुमा के दिन अटाला पहुंचना होगा। वहां इकट्ठा होना है, जो भी अड़चन बनेगा उस पर वार करना होगा।

हमें अदालत पर भरोसा नहीं है।' ऐसे और भी कई बाते उसमें थी, जिसके आधार पर पुलिस अब यह पता लगा रही है कि उस पर्चे को कहां-कहां और किन-किन लोगों तक बांटा गया था। जुमे की नमाज के बाद प्रयागराज शहर के अटाला में जमकर बवाल हुआ था।

वहीं कार्रवाई कर रही पुलिस ने कहा कि उपद्रवियों के पोस्टर तैयार किए जा रहे हैं।

जल्द ही उन्हें सार्वजनिक कर दिया जाएगा ताकि आम लोगों की मदद से उनकी पहचान हो सके। वे बोले कि बवाल में जितने भी शामिल हैं, सब की जांच चल रही है। फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी नहीं होने कोर्ट से गैर जमानती वारंट जारी करवाया जाएगा और अभियुक्तों के घर व संपत्ति की कुर्की की कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

जीआरपी ने दबोते 20 हजार के दो इनामी

कासगंज। कासगंज में जीआरपी ने 20 हजार के दो इनामी दो बदमाशों को गिरफ्तार किए है। गिरफ्तार किए गए दोनों बदमाश लग्जरी ट्रेनों में लोगो के सामान की चोरी करके फरार हो जाते थे। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार किए गए दोनों बदमाश एटा के रहने वाले है। दोनों गैंगस्चर के माममले में भी वांछित चल रहे थे। जीआरपी सीओ दरवेश कुमार ने बताया कि कोतवाली कासगंज क्षेत्र के नदरई इलाके से दोनों को गिरफ्तार किया गया है। इनकी पहचान एटा निवासी राजकुमार ओर सोनू यादव के रूप में हुई है। ये लग्जरी ट्रेनों में लोगों को निशाना बनाते थे। इसके इलावा आसापास के इलाकों में भी चोरी की वारदात को अंजाम देते थे। जीआरपी सीओ ने बताया कि दोनों आरोपी गैंगस्टर एक्ट में 6 महीने से फरार चल रहे थे। इन पर दर्जनों आपराधिक मामले पहले ही दर्ज हैं। पुलिस कई दिनों से इनकी तलाश कर रही थी। बुधवार को पुलिस को सफलता मिली है। सीओ ने बताया कि आरोपियों ने पूछताछ में बताया है कि दोनों बदमाश स्टेशन में ही शिकार को चुन लेते थे। इसके बाद रात होने का इंतजार करते थे। रात होते ही वे सामान चुरा लेते थे। इसके बाद आने वाले स्टेशन के आउटर में उतरकर फरार हो जाते थे।

रिश्वत लेने के आरोप में पंचायत के एग्जीक्यूटिव ऑफिसर सस्पेंड

मैनपुरी। भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे पंचायत के एग्जीक्यूटिव ऑफिसर घिरोर पर शासन की गाज गिर ही गई। एग्जीक्यूटिव ऑफिसर का सोशल मीडिया पर रुपये लेते हुए एक वीडियो वायरल हुआ था। वायरल वीडियो की जांच रिपोर्ट मिलने के बाद स्थानीय निकाय निदेशालय की निदेशक नेहा शर्मा ने एग्जीक्यूटिव ऑफिसर को सस्पेंड कर दिया है।

घिरोर नगर पंचायत के ईओ नीलाव शल्या द्वारा अपने ही कार्यालय में एक ठेकेदार से रुपये लिए गए थे। रुपये लेने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इस वीडियो से

प्रशासन और सरकार की छवि खराब हुई।

डीएम अविनाश कृष्ण सिंह के निर्देश पर एडीएम रामजी मिश्रा ने इस प्रकरण की जांच की और नीलाव को रुपये लेने का दोषी पाया। इससे पहले नीलाव से एडीएम ने अपना पक्ष रखने के लिए नोटिस भी भेजा था। लेकिन नोटिस के जवाब से एडीएम संतुष्ट नहीं हुए और उन्होंने उनके निलंबन की संस्तुति करके डीएम को रिपोर्ट भेज दी।

डीएम ने शासन को भेजी थी रिपोर्ट

एडीएम की रिपोर्ट मिलने के बाद डीएम अविनाश कृष्ण सिंह ने कार्रवाई की संस्तुति करते हुए रिपोर्ट निदेशालय भेज दी। डीएम की ओर से इससे पहले भी विवादित कार्यशैली और उच्चाधिकारियों के निर्देशों की अवेहलना करने पर ईओ को हटाने का डीओ शासन को लिखा था। इसके बाद वीडियो वायरल हुआ तो उनके खिलाफ फिर से रिपोर्ट भेजी गई। निदेशक नेहा शर्मा ने ईओ घिरोर को सस्पेंड करने का ट्वीट जारी कराया तो नगर पंचायत घिरोर के लोगों ने खुशी जताई।

मैनपुरी डीएम अविनाश कृष्ण सिंह ने बताया कि नगर पंचायत के एग्जीक्यूटिव ऑफिसर नीलाव शल्या को निदेशक नेहा शर्मा ने भ्रष्टाचार और वित्तीय अनियमितताएं बरतने के आरोप में सस्पेंड कर दिया है। सस्पेंड अवधि में उन्हें निदेशालय से संबद्ध किया गया है।

कोरोना ने फिर डराया, अकेले लखनऊ में 72 लोगों में संक्रमण की पुष्टि से हड़कंप

लखनऊ। कोरोना की तीन लहर के बाद एक बार फिर संक्रमण का खतरा बढ़ता दिखाई दे रहा है। पिछले कुछ दिनों से लगातार कोरोना के केस बढ़ रहे हैं। अकेले राजधानी लखनऊ में बुधवार को 72 लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई है। इससे स्वास्थ विभाग में हलचल बढ़ गई है। करीब साढ़े तीन महीने बाद इतनी बड़ी तादाद में मरीज पॉजिटिव पाए गए हैं।

सबसे ज्यादा अलीगंज में 12 लोग संक्रमित पाए गए हैं। राहत की बात यह है कि किसी भी मरीज को अस्पताल में भर्ती करने की जरूरत नहीं पड़ी है। मौजूदा समय में 16 मरीज राजधानी के तीन अस्पतालों में भर्ती हैं। अन्य मरीज होम आइसोलेशन में है। सीएमओ डॉ मनोज अग्रवाल ने बताया कि बाहर की यात्रा कर लौटे संक्रमित लोगों की जिनोम सीक्वेंसिंग कराई जा रही है। ताकि नए मरीजों के नए वैरीएंट की पहचान की जा सके। इससे पहले मंगलवार को 52 लोगों में

संक्रमण की पुष्टि हुई। इसमें 22 पुरुष व 30 महिला शामिल थीं। इसमें सात लोग दूसरे जिलों की यात्रा कर लौटे थे। 10 जून को गौतमबुद्ध की यात्रा कर लौटे तीन लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई है। ये लोग चिनहट और अलीगंज के रहने वाले हैं। वहीं दो दिन पूर्व गाजियाबाद की यात्रा कर लौटे दो लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई। ये मरीज कैसरबाग और सरोजनीनगर के हैं। दो मरीज वाराणसी की यात्रा कर लौटे थे। दो दिन बाद बुखार व सर्दी-जुकाम हुआ। जांच में संक्रमण की पुष्टि हुई। मरीज के संपर्क में आने वाले छह लोगों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। सर्दी-जुकाम और बुखार के हल्के लक्षण महसूस होने पर लोगों जांच कराई। इसमें 14 लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। ऑपरेशन से पहले छह मरीजों ने कोरोना की जांच कराई। जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। मौजूदा समय में 16 कोरोना संक्रमित भर्ती हैं। 28 मरीजों ने वायरस को मात दी है और 340 सक्रिय मरीज हैं।

प्रदेश में सोमवार को कोरोना संक्रमण के 258 नए केस प्रदेश में सामने आए। इससे पहले 236 केस मिले थे। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के हिसाब से बीते 24 घंटों में प्रदेश में 73 हजार 802 कोविड सैंपलों की जांच की गई। जिसमें 258 नये केस मिले और 80 लोगों ने उपचार के बाद कोरोना को मात दी। प्रदेश में अब कोरोना के एक्टिव केसों की संख्या बढ़कर 1390 हो गई है। वहीं प्रदेश में अब तक कुल 33 करोड़ 28 लाख 91 हजार 59 कोरोना टीके की डोज लगाई जा चुकी हैं।

बुलंदशहर में जमीन पर कब्जे को लेकर फायरिंग

बुलंदशहर। बुलंदशहर के धमेड़ा अड्डे के पास प्लाट पर कब्जे को लेकर दबंगों ने हवाई फायरिंग की। 30 से 40 की संख्या में पहुंचे दबंगों ने घर में तोड़फोड़ की और महिला-पुरुषों की लाठी-डंडों से से पिटाई कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस को देख दबंग भाग खड़े हुए। फिलहाल पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। धमेड़ा अड्डा निवासी टुकिराम का आरोप है कि यह प्लॉट उसके नाम है। वीरेंद्र नामक दबंग उनके प्लॉट पर अवैध तरीके से कब्जा करना चाहता है। वह इसका लगातार विरोध भी कर रहा हैं। गुरुवार को वीरेंद्र अपने 30-40 साथियों के साथ आया और वारदात को अंजाम दिया। प्लॉट का निर्माण करते समय विवाद के बाद हथियारबंद दबंगों ने हमला किया। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने कई लोगों को हिरासत में लिया है।

सिख विरोधी दंगों के 37 साल बाद कानपुर से 4 आरोपी गिरफ्तार

कानपुर। कानपुर में 1984 में भड़के सिख दंगे में किदवई नगर थाने में दर्ज हत्या और डकैती के मामले में एसआईटी ने चार आरोपितों को बुधवार को घाटमपुर से गिरफ्तार कर लिया है। इन चारों को न्यायालय में पेश कर जेल भेजा गया है। गिरफ्तार करने वाली टीम को 50 हजार के इनाम की घोषणा की गई है। निराला नगर में एक नवंबर 1984 को दंगाइयों ने एक इमारत में आग लगा दी थी जिसमे एक दर्जन से अधिक सिख परिवार रहते थे। घटना हो जाने के बाद पड़ोसी वीरेंद्र सिंह ने किदवई नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। डीआईजी एसआईटी बालेंदु भूषण सिंह ने बताया की घटना में चार सिखों की हत्या हुई थी। सरदार रक्षपाल सिंह और भूपेंद्र सिंह को तीन मंजिला इमारत की छत से नीचे फेक दिया गया था। वहीं, गुरुदयाल सिंह भाटिया और उनके बेटे सतवीर सिंह भाटिया को गोली मारी गई थी। भीड़ ने घर में घुस कर डकैती डाली और आग के हवाले कर दिया था। इसके बाद पड़ोसी वीरेंद्र सिंह ने किदवई नगर थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई। डीआईजी एसआईटी ने बताया कि इस मामले में 28 आरोपितो को चिन्हित किया गया। जिसमे घाटमपुर से चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

सिंगापुर ग्लोबल इन्वेस्टर समिट का फर्स्ट् पार्टनर कंट्री बनने का इच्छुक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के साथ ज्ञान,तकनीक और कौशल के हस्तांतरण की पेशकश करते हुये सिंगापुर ने प्रदेश में जल्द होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर समिट का फर्स्ट् पार्टनर कंट्री बनने की इच्छा व्यक्त की है। सिंगापुर के उच्चायुक्त साइमन वॉन्ग ने बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात के दौरान कहा कि सिंगापुर की विभिन्न कंपनियों ने उत्तर प्रदेश में 250 मिलियन यूएस डॉलर का निवेश किया है। अधिकांश निवेश नोएडा व आस पास के क्षेत्रों में हैं। हम अपने निवेशकों को लखनऊ सहित प्रदेश के दूसरे हिस्सों में निवेश के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं।

उन्होने कहा हमें जानकारी मिली है कि उत्तर प्रदेश आगामी वर्ष ग्लोबल इन्वेस्टर समिट का आयोजन कर रहा है। हम चाहते हैं कि आप हमारी कंपनियों को इसमें आमंत्रित करें। उत्तर प्रदेश की कंपनियों का सिंगापुर में स्वागत है। यदि मुख्यमंत्री की सहमति हो तो सिंगापुर को उत्तर प्रदेश के ग्लोबल इन्वेस्टर समिट का फर्स्ट् पार्टनर कंट्री बनने में प्रसन्नता होगी।

श्री वान्ग ने कहा हमें जानकारी मिली कि उत्तर प्रदेश स्किल यूनिवर्सिटी की स्थापना होने जा रही है। हम इसमें सभी तरह के जरूरी सहयोग करने के लिए तैयार हैं। हमारा प्रस्ताव है कि उत्तर प्रदेश और सिंगापुर की सरकार के बीच ज्ञान, तकनीक और कौशल के एक्सचेंज के लिए एक कार्यक्रम हो। हम राज्य सरकार के अधिकारियों और कर्मचारियों के क्षमता अभिवर्धन के लिए जरूरी प्रशिक्षण देने को तैयार हैं। उच्चायुक्त ने कहा कि हमें वॉटर मैनेजमेंट सहित शहरी विकास और नियोजन के विभिन्न क्षेत्रों में उत्तर प्रदेश का सहयोग करने में प्रसन्नता होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2018 में सिंगापुर की यात्रा की थी। इस अवसर पर शहरी विकास एक अहम मुद्दा था। प्रधानमंत्री की भावना के अनुसार हम उत्तर प्रदेश में काम करने के इच्छुक हैं।

श्री वान्ग ने कहा कि उन्हें यह कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं लगता कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भेंट के बाद उत्तर प्रदेश मुझे अपना दूसरा घर जैसा लगता है। सितंबर 2021 से अब तक सिंगापुर के प्रतिनिधिमंडल ने कई बार इन्वेस्ट यूपी के अधिकारियों से भेंट की है।

उन्होंने कहा कि भारत और सिंगापुर के सुदृढ़ ऐतिहासिक संबंध रहे हैं। राजनयिक संबंधों के साथ-साथ दोनों देशों के बीच मजबूत व्यापारिक रिश्ते हैं। उत्तर प्रदेश इन संबंधों को और बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इस मौके पर श्री योगी ने कहा कि हाल ही में सम्पन्न तृतीय ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में सिंगापुर की एक कंपनी ने 1100 करोड़ रूपये का निवेश किया है।

मेरठ में घर से बुलाकर युवक की हत्या

रात 10 बजे आया था फोन, चाकू से गोदकर मर्डर; जंगल में पेड़ के नीचे मिला शव

मेरठ। मेरठ में मंगलवार रात 38 साल के एक शख्स की घर से बुलाकर हत्या कर दी गई। बुधवार सुबह युवक का शव बहरामपुर गांव के जंगल में मिला है। जिस्म पर कई गहरे घाव मिले हैं। पुलिस इस हत्याकांड में रंजिश और अवैध संबंध के एंगल पर जांच कर रही है।

फोन करके बुलाया फिर हत्या की

बहरामपुर गांव के रहने वाला इंसाफ अली ट्रैक्टर चलाने का काम करता था। मंगलवार रात करीब 10 बजे एक फोन आया। इंसाफ ने घरवालों से कुछ देर में आने की बात कहकर चला गया। कुछ देर बाद इंसाफ का मोबाइल स्विच ऑफ हो गया।

बुधवार सुबह परिजन और ग्रामीण

इंसाफ अली की तलाश कर रहे थे। करीब 50 लोग जंगल में निकल पड़े। गन्ने और ज्वार के खेत में भी तलाश की गई। शव को इंसाफ के बेटे ने सबसे पहले देखा। शव देखकर बेटे ने शोर मचाना शुरू कर दिया।

आम के पेड़ के नीचे की गई हत्या

शव आम के पेड़ के नीचे पड़ा था। पेड़ के नीचे खून के निशान मिले हैं। पुलिस का कहना है कि चाकू से गोदकर हत्या हुई है। एक जगह बुलेट जैसा निशान भी मिला है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही स्पष्ट हो पाएगा।

शव के पास आम भी टूटे हुए मिले हैं। पुलिस मान रही है कि हत्यारों ने मामला डायवर्ट करने के लिए आम रख दिए हों, जिससे समझे की आम चोरी की घटना में मारा गया है।

अवैध संबंध और रंजिश को लेकर जांच

घटना की सूचना पर ष्टह्र सरधना आरपी शाही और इंस्पेक्टर जानी संजय वर्मा मौके पर पहुंचे। मृतक के भाई गुलफाम ने बताया कि हमें जानकारी नहीं है कि किसकी कॉल थी। पुलिस मोबाइल की कॉल डिटेल की जांच कर रही है। पुलिस हत्या के पीछे अवैध संबंध और रंजिश को वजह मान रही है। मृतक के पांच बच्चे हैं। पुलिस ने इंसाफ की पत्नी से भी घटना की जानकारी ली है। एसपी देहात केशव कुमार का कहना है कि कई बिंदुओं पर जांच की जा रही है। शव का पोस्टमॉर्टम कराया जा रहा है। तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

वाराणसी के मानसिक चिकित्सालय में फिर एक पेशेंट की मौत

वाराणस। वाराणसी के पांडेयपुर स्थित मानसिक चिकित्सालय में भर्ती मनोरोगियों की मौत का सिलसिला जारी है।

बुधवार की सुबह एक और महिला मरीज की मौत हो गई। इस तरह से बीते एक हफ्ते में पांच मरीजों की जान जा चुकी है।

इसके अलावा एक बंदी यहां की सुरक्षा व्यवस्था को धता देकर भाग चुका है। साथ ही, एक बंदी कर्मचारियों की पिटाई से गंभीर रूप से घायल हो चुका है। यह घटनाएं इतना बताने के लिए पर्याप्त हैं कि वाराणसी का मानसिक चिकित्सालय दुर्व्यवस्थाओं का शिकार है और यहां के कर्मचारियों की कार्यशैली गंभीर सवालों के घेरे में है।

डॉक्टर नहीं थे तब हुई मौत

मानसिक चिकित्सालय में भर्ती महिला कहां की रहने वाली थी और उसका क्या नाम था, इस संबंध में फिलहाल कोई जानकारी नहीं मिल सकी है। बताया जा रहा है कि महिला को वाराणसी के सीजेएम के आदेश से भर्ती किया गया था। मंगलवार की रात महिला की तबीयत खराब हुई तो अस्पताल में कोई डॉक्टर नहीं मौजूद था और उसे किसी अन्य अस्पताल के लिए भी रेफर नहीं किया गया। उचित उपचार के अभाव में महिला की मौत हो गई। वहीं, चिकित्सालय की निदेशिका लिली श्रीवास्तव का कहना है कि पहली नजर में यह प्रतीत हो रहा है कि गर्मी के कारण मरीजों की मौत हो रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आएगी तो स्पष्ट होगा कि मौत की वजह क्या थी।

शार्ट न्यूज

रुपया 18 पैसे लुढ़का

मुंबई। आयातकों और बैंकरों की लिवाली एवं शेयर बाजार में जारी गिरावट के दबाव में आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया 18 पैसे लुढ़ककर 78.22 रुपये प्रति डॉलर रह गया। पिछले कारोबारी दिवस रुपया उतार चढ़ाव के बाद पिछले दिवस के 78.04 रुपये प्रति डॉलर पर स्थिर रहा था। शुरुआती कारोबार में रुपया पांच पैसे की बढ़त लेकर 77.99 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और यही इसका दिवस का उच्चतम स्तर भी रहा। हालांकि लिवाली के दबाव में 78.22 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक लुढ़क गया और पिछले दिवस के 78.04 रुपये प्रति डॉलर की तुलना में इसी स्तर पर बंद भी हुआ।

जोमैटो के इलेक्ट्रिक डिलीवरी वाहनों को मोबिलिटी सर्विस देगी जियो : बीपी

नयी दिल्ली। जियो-बीपी (जियो-ब्रिटिश पेट्रोलियम) और खाना डिलीवर करने वाली कंपनी जोमैटो के बीच बुधवार को एक समझौता हुआ। जियो-बीपी इस समझौते के अंतर्गत जोमैटो के इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए मोबिलिटी सेवाएं प्रदान करेंगे। जियो-बीपी पल्स ब्रांडेड बैटरी स्वैपिंग (बैटरी अदला-बदली) स्टेशनों का लाभ भी कंपनी के इलेक्ट्रिक वाहन उठा पाएंगे। जोमैटो ने वर्ष 2030 तक 100 फीसदी इलेक्ट्रिक डिलीवरी वाहनों का लक्ष्य रखा है। जियो-बीपी ने एक बयान में बताया कि कंपनी एक ऐसा परितंत्र बना रही है जो इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) मूल्य श्रृंखला में सभी हितधारकों को फायदा पहुंचाएगा। बीते वर्ष जियो-बीपी ने भारत में दो सबसे बड़े ईवी चार्जिंग केंद्र की शुरुआत की थी। भारतीय उपभोक्ताओं को चार्जिंग अवसंरचना प्रदान करने वाला कंपनी का इलेक्ट्रिक मोबिलिटी व्यापार 'जियो-बीपी पल्स ब्रांड' के तहत संचालित होता है। जियो-बीपी पल्स मोबाइल ऐप पर ग्राहक आसानी से आस-पास के चार्जिंग स्टेशन ढूंढ सकते हैं। कंपनी ने कहा कि उच्च प्रदर्शन बैटरियों, वाहनों की बेहतर सड़क पर क्षमता और केवल कुछ मिनटों में बैटरी स्वैपिंग की सुविधा के कारण दो और तिपहिया वाहनों के लिए ईवी एक बेहतरीन विकल्प के तौर पर सामने आया है। विशेष रूप से डिलीवरी सेगमेंट को इसका फायदा मिल रहा है।

अविता ने लांच किये नए मेड इन इंडिया लैपटॉप

नयी दिल्ली। अमेरिका के लाइफस्टाइल गैजेट ब्रांड अविता ने मेड इन इंडिया लैपटॉप अविता सेटस अल्टीमस को लॉन्च करने की घोषणा की है जिसकी कीमत 29,990 रुपये है। अविता की विशेष लैपटॉप रेंज पहले से ही अपने डिजाइन और हार्डवेयर से लोगों को लुभा रही है। अब न्यू जनरेशन सेटस अल्टीमस सबको लुभाने के लिए तैयार है। यह छह अनूठे रंगों मैट ब्लैक, स्पेस ग्रे, क्लाउड सिल्वर, शैंपेन गोल्ड, शैमरॉक ग्रीन और शुगर रेड में उपलब्ध होगा। अल्ट्रा थिन और हल्का लैपटॉप बैट्री से पूरे दिन चलने में सक्षम होगा। साथ ही इसमें एफएचडी एंटी ग्लेयर आईपीएस डिस्प्ले, विंडोज 11 ऑपरेटिंग सिस्टम, बेहतरीन कनेक्टिविटी की खूबी दी गई है। इंटेल सेलरॉन प्रोसेसर, स्टीरियो स्पीकर, एचडी कैमरा और डुअल माइक भी इसकी खूबियों में शामिल हैं। यह मल्टी टास्किंग और जटिल कार्यों में प्रयोग हो सकने वाला लैपटॉप है। नेक्स्टगो कंपनी लिमिटेड के रीजनल बिजनेस डायरेक्टर - साउथ एशिया एवं एमईए सीमा भटनागर ने कहा, हमें अविता अल्टीमस के रूप में मेक इन इंडिया के तहत नया ब्रांड पेश करने की खुशी है। सेटस इस सीरीज का पहला लैपटॉप है। इस ब्रांड के तहत हम एलईडी लाइट, स्मार्टवाच, टैबलेट और स्मार्ट टीवी भी पेश करेंगे, जैसे हम नेपाल, बांग्लादेश, एमईए, श्रीलंका, म्यांमार में कर रहे हैं। भारत में बेहतरीन क्वालिटी वाले लैपटॉप पेश करते हुए हमारा प्रयास लैपटॉप सेगमेंट में खुद को इनोवेटर के रूप में स्थापित करना और इंडस्ट्री में सकारात्मक योगदान देना है। हम आगे भी ऐसी एक्सक्लूसिव रेंज के साथ ग्राहकों को लुभाने के लिए तैयार हैं। अविता अल्टीमस के साथ कंपनी की योजना केवल भारतीय बाजार में तेजी लाना ही नहीं, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बनाना और विश्वस्तरीय उत्पादों निर्यात करना भी है।

जिंसों में टिकाव

नयी दिल्ली। वैश्विक बाजार की गिरावट एवं स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त पड़ने के दबाव में आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल समेत सभी जिंसों में भाव में टिकाव रहा। तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जून वायदा 154 रिंगिट लुढ़ककर 6000 रिंगिट प्रति टन रह गया। इसी तरह अमेरिकी सोया तेल का जून वायदा 0.07 सेंट की गिरावट लेकर 79.51 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वह पिछले दिवस के स्तर पर टिके रहे। गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव स्थिर रहे। दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चना, चना दाल, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव पड़े रहे। अनाज : अनाज मंडी में टिकाव रहा। इस दौरान चावल और गेहूं के भाव स्थिर रहे। दाल-दलहन : चना 4500-4550, दाल चना 5500-5600, मसूर काली 8450-8550, मूंग दाल 8200-8300, उड़द दाल 9500-9600, अरहर दाल 8200-8300 रुपये प्रति क्विंटल रहे। अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2270-2370 रुपये और चावल : 2500-2600 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी-गुड़ : चीनी एस 3560-3670, चीनी एम. 3680-3780, मिल डिलीवरी 3440-3540 और गुड़ 3550-3650 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये। खाद्य तेल : सरसों तेल 18168 रुपये, मूंगफली तेल 20330 रुपये, सूरजमुखी तेल 21465 रुपये, सोया रिफाइंड 17363 रुपये, पाम ऑयल 16116 रुपये और वनस्पति तेल 17289 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा है।

पेट्रोल-डीजल के दाम 24वें दिन भी स्थिर

नयी दिल्ली। देश में तेल विपणन कंपनियों ने बुधवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया, जिससे लगातार 24वें दिन ईंधन के दाम स्थिर रहे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में ऊतार-चढ़ाव जारी है जिससे अभी भी यह 120 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चल रही है। इंडियन ऑयल की अधिसूचना के मुताबिक, दिल्ली में आज पेट्रोल का दाम 96.72 रुपये और डीजल का दाम 89.62 रुपये प्रति लीटर है, जबकि मुंबई में पेट्रोल और डीजल की कीमत क्रमश: 111.35 रुपये और 97.28 रुपये प्रति लीटर पर है। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें मूल्य वर्धित कर (वैट) और माल ढुलाई शुल्क के आधार पर राज्यों में अलग-अलग हैं। केंद्र सरकार ने 25 मई को आम आदमी को बड़ी राहत देते हुए पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में क्रमश: आठ रुपये और छह रुपये प्रति लीटर की कटौती करने की घोषणा की थी। इससे पेट्रोल-डीजल के दाम कम से क्रमश: 9.5 रुपये और सात रुपये तक गिर गए थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में लंदन ब्रेंट क्रूड आज 0.26 प्रतिशत चढ़कर 121.48 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी क्रूड 0.24 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 119.21 डॉलर प्रति बैरल पर है। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की प्रतिदिन समीक्षा की जाती है।

म्यूचुअल फंड में निवेश पर मिलेगा नॉमिनी का ऑप्शन

नई दिल्ली। म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं तो ये खबर आपके काम की हो सकती है। दरअसल, आगामी एक अगस्त से म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले निवेशकों को 'नॉमिनी' का नाम देने या उससे बाहर निकलने का विकल्प मिलेगा। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सर्कुलर जारी कर यह जानकारी दी है। पिछले साल सेबी ने नये कारोबारी और डीमैट खाता खोलने वाले निवेशकों के लिये भी ऐसा ही विकल्प दिया था। कंपनियों को भी मिला समय: इसके साथ ही सेबी ने संपत्ति प्रबंधन कंपनियों (एएमसी) को म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले सभी व्यक्तिगत यूनिटधारकों को व्यक्ति नामित करने या इस सुविधा से बाहर होने का विकल्प देने को लेकर 31 मार्च, 2023 तक का समय दिया। वहीं, नई व्यवस्था के तहत एएमसी को यूनिटधारकों को या तो नॉमिनी फॉर्म या निवेशकों की पसंद के अनुसार नॉमिनी व्यवस्था से बाहर निकलने के लिये ऑनलाइन या दफ्तर में जाकर फॉर्म जमा करने का विकल्प प्रदान करना होगा। इस पहल का मकसद प्रतिभूति बाजार में सभी पक्षों की गतिविधियों में एकरूपता लाना है।

5 जी स्पेक्ट्रम की नीलामी 26 जुलाई से, 20 वर्षों के लिए मिलेगा स्पेक्ट्रम

नयी दिल्ली। देश में पांचवी पीढ़ी की दूरसंचार सेवायें शुरू करने के उद्देश्य से सरकार द्वारा महत्वकांक्षी एवं बहुप्रतीक्षित 5 जी स्पेक्ट्रम की नीलामी को मंजूरी दिये जाने के साथ ही 26 जुलाई 2022 से इसकी नीलामी शुरू की जायेगी और इसके लिए दूरसंचार विभाग ने नोटिस भी आज ही जारी कर दिया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आज हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय से संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। 5 जी सेवाएं 4 जी सेवा की तुलना में 10 गुना अधिक गति से काम करेंगी और अगले 20 वर्षों के लिए 72 गीगाहर्टज स्पेक्ट्रम की नीलामी की जाएगी। इसमें दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनियों की लागत को कम करने के उपाय भी किए जा रहे हैं। सफल बोली लगाने वाली टेलीकॉम कंपनियों को 5 जी स्पेक्ट्रम का आवंटन किया जाएगा जिससे वे आम लोगों और विभिन्न उपक्रमों को सेवाएं दे सकेंगी।

डिजिटल इंडिया, स्टार्ट-अप इंडिया, मेक इन इंडिया आदि जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से डिजिटल कनेक्टिविटी सरकार की प्रमुख नीतिगत पहलों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। ब्रॉडबैंड, विशेष रूप से मोबाइल ब्रॉडबैंड, नागरिकों के दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बन गया है। 2015 के बाद से देश भर में 4जी सेवाओं के तेजी से विस्तार के माध्यम से इसे एक बड़ा बढ़ावा मिला है। 2014 में 10 करोड़ ग्राहकों की तुलना में आज 80 करोड़ ग्राहकों की ब्रॉडबैंड तक पहुंच है।

देश में बनाया गया 4जी इको-सिस्टम अब 5जी के स्वदेशी विकास की ओर ले जा रहा है। भारत के 8 शीर्ष प्रौद्योगिकी संस्थानों में 5जी टेस्ट बेड सेटअप भारत में घरेलू 5जी तकनीक के लॉन्च को गति दे रहा है। मोबाइल हैंडसेट, दूरसंचार उपकरणों के लिए पीएलआई (उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन) योजनाएं और इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन की शुरुआत से भारत में 5जी सेवाओं के शुभारंभ के लिए एक मजबूत इको-सिस्टम बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है। वह समय दूर नहीं जब भारत 5जी तकनीक और आने वाली 6जी तकनीक के क्षेत्र में एक अग्रणी देश के रूप में उभरने वाला है।

स्पेक्ट्रम पूरे 5जी इको-सिस्टम का एक अभिन्न और आवश्यक हिस्सा है। आगामी 5जी सेवाओं में नए युग के व्यवसाय बनाने, उद्यमों के लिए अतिरिक्त राजस्व उत्पन्न करने और नवीन उपयोग-मामलों और प्रौद्योगिकियों के इस्तेमाल से उत्पन्न होने वाले रोजगार का सृजन करने की क्षमता है।

20 साल की वैधता अवधि के साथ कुल 72097.85 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम की नीलामी 26 जुलाई, 2022 से शुरू की जायेगी और इसके लिए आज ही नोटिस आमंत्रण जारी कर दिया गया है। नीलामी विभिन्न निम्न (600 मेगाहर्ट्ज, 700 मेगाहर्ट्ज, 800 मेगाहर्ट्ज, 900 मेगाहर्ट्ज, 1800 मेगाहर्ट्ज, 2100 मेगाहर्ट्ज, 2300 मेगाहर्ट्ज), मध्यम (3300 मेगाहर्ट्ज) और हाई (26 गीगाहर्ट्ज) फ्रीक्वेंसी बैंड में की जायेगी। यह उम्मीद की जाती है कि मध्यम और उच्च बैंड स्पेक्ट्रम का इस्तेमाल दूरसंचार सेवा प्रदाताओं द्वारा गति और क्षमता प्रदान करने में सक्षम 5जी के माध्यम से प्रौद्योगिकी-आधारित सेवाओं को रोल-आउट करने के लिए किया जाएगा, जो वर्तमान 4जी सेवाओं की तुलना में लगभग 10 गुना अधिक होगा।

स्पेक्ट्रम नीलामी सितंबर, 2021 में घोषित दूरसंचार क्षेत्र के सुधारों से लाभान्वित होगी। सुधारों में आगामी नीलामी में प्राप्त स्पेक्ट्रम पर शून्य स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क (एसयूसी) शामिल है, जो परिचालन लागत के मामले में दूरसंचार नेटवर्क के सेवाप्रदाताओं को एक महत्वपूर्ण राहत प्रदान करता है। इसके अलावा, एक वार्षिक किस्त के बराबर वित्तीय बैंक गारंटी जमा करने की आवश्यकता को भी समाप्त कर दिया गया है।

दूरसंचार क्षेत्र में सुधारों की गति को जारी रखते हुए, मंत्रिमंडल ने व्यापार करने में आसानी के लिए आगामी स्पेक्ट्रम नीलामी के माध्यम से बोली लगाने वालों द्वारा प्राप्त किए जाने वाले स्पेक्ट्रम के संबंध में विभिन्न विकल्पों की घोषणा की गयी है। पहली बार, सफल बोली लगाने वालों द्वारा अग्रिम भुगतान करने की कोई अनिवार्य आवश्यकता नहीं है। स्पेक्ट्रम के लिए भुगतान 20 समान वार्षिक किश्तों में किया जा सकता है जिसका भुगतान प्रत्येक वर्ष की शुरुआत में अग्रिम रूप से किया जाना है। इससे नकदी प्रवाह की आवश्यकताओं में काफी कमी आने और इस क्षेत्र में व्यवसाय करने की लागत कम होने की उम्मीद है। कंपनियों को शेष किश्तों के संबंध में भविष्य की देनदारियों के बिना 10 वर्षों के बाद स्पेक्ट्रम को सरेंडर करने का विकल्प दिया जाएगा।

5जी सेवाओं के रोल-आउट को सक्षम करने के लिए पर्याप्त बैकहॉल स्पेक्ट्रम की उपलब्धता भी आवश्यक है। बैकहॉल की मांग को पूरा करने के लिए, मंत्रिमंडल ने दूरसंचार सेवाप्रदाताओं को ई-बैंड में प्रत्येक 250 मेगाहर्ट्ज के 2 कैरियर अनंतिम रूप से आवंटित करने का निर्णय लिया है। मंत्रिमंडल ने 13, 15, 18 और 21 गीगाहर्ट्ज बैंड के मौजूदा फ्रीक्वेंसी बैंड में पारंपरिक माइक्रोवेव बैकहॉल कैरियर की संख्या को दोगुना करने का भी निर्णय लिया है।

कैबिनेट ने ऑटोमोटिव, हेल्थकेयर, कृषि, ऊर्जा और अन्य क्षेत्रों में मशीन से मशीन संचार, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसे उद्योग 4.0 अनुप्रयोगों में नवाचारों की एक नई लहर को बढ़ावा देने के लिए निजी कैप्टिव नेटवर्क के विकास और स्थापना को सक्षम करने का भी निर्णय लिया।

लिंक्डइन, यूएन महिला रोजगार सृजन के लिए आए आगे

नयी दिल्ली। लिंक्डइन ने बुधवार को यूएन वीमेन (यूएन महिला) के साथ रोजगार के सृजन के लिए समझौता किया।

इसमें लिंक्डइन करीब चार करोड़ रुपये का निवेश कर महिलाओं का डिजिटल कौशल बेहतर करेगी जिससे वे नौकरी के ज्यादा विकल्पों के लिए आवेदन कर पाएंगी।

कंपनी ने एक बयान में कहा कि यूएन महिला संयुक्त राष्ट्र का संस्थान है जो लैंगिक समानता के प्रति समर्पित है और लिंक्डइन के इस निवेश का उद्देश्य महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण को और बल प्रदान करना है। इस योजना के तहत महाराष्ट्र में एक प्रायोगिक पहल की जाएगी जिसके अंतर्गत 2,000 महिलाओं की डिजिटल, सरल और रोजगारपरक कौशल को निखारा जाएगा। इस योजना में पांच लाख डॉलर (3.88 करोड़ रुपये) का निवेश किया जाएगा। महिलाओं के पास बड़ी संख्या पर इन्टरनेट की सुलभता का अभाव है। एशिया में 41.3 प्रतिशत महिलाओं की तुलना में 54.6 प्रतिशत पुरुषों के पास इन्टरनेट है। यह 32 प्रतिशत लैंगिक अंतर का निरूपण है। इंटरनेशनल टेलीकम्युनिकेशंस यूनियन (आईटीयू) के अनुसार एशिया में वर्ष 2013 से लेकर 2017 के बीच लैंगिक अंतर 17 प्रतिशत से बढ़कर 24 प्रतिशत हो गया।

इस साझेदारी के साथ लिंक्डइन और यूएन महिला लैंगिक अंतर को समाप्त करने के लिए मिलकर काम करेंगे और कार्यस्थल में बेहतर लैंगिक समानता हासिल करने में क्षेत्र और विश्व को मदद करने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ेंगे।

यह साझेदारी वीमेंस एम्पावरमेंट प्रिंसिपल्स यानी महिला सशक्तीकरण सिद्धांतों (डब्लूईपी) से निर्देशित होगी।

पन्द्रह महीने की योजना के बाद यूएन महिला और लिंक्डइन जहाँ जरूरी होगा, वहाँ कार्यक्रम में सुधार के लिए सीखे गए सबक का समावेश करेंगे और जवाबों का मूल्यांकन करेंगे। उसके बाद एशिया-प्रशांत क्षेत्र के अन्य देशों तक इसका विस्तार करेंगे।

लिंक्डइन के भारत में प्रबंधक आशुतोष गुप्ता ने कहा, हम महिलाओं के कौशल उन्नयन और आर्थिक सशक्तीकरण में निवेश करते हुए क्षेत्र के कार्यबल में महिला प्रतिनिधित्व और पेशागत विविधता की दिशा में मिलकर काम करने के लिए संयुक्त राष्ट्र महिला के साथ साझेदारी करके अत्यंत प्रसन्न हैं। हम महिलाओं को सही कौशल और संसाधनों से जोड़कर एक अधिक समानतापूर्ण और सर्व-मावेशी प्रतिभा परिदृश्य का निर्माण करने के आकांक्षी हैं।

भारतीय यूएन महिला की देश प्रतिनिधि सुसान फ़र्गुसन ने कहा, महिलाओं और लड़कियों के लिए मर्यादित रोजगार तथा उद्यमिता के अवसरों के लिए उत्तम शिक्षा की सुलभता अत्यंत आवश्यक है। लिंक्डइन के साथ साझेदारी में इस परियोजना का लक्ष्य महिलाओं का एक संवर्ग बनाना है जो बेहतर नौकरियों की दिशा में नये डिजिटल और नियोजनीय कौशल प्राप्त करेंगी।

सोना 326 और चांदी 1350 रुपये चमकी

मुंबई। वैश्विक बाजार की जबरदस्त तेजी के बल पर आज घरेलू सर्राफा बाजार में सोना 326 रुपये प्रति दस ग्राम और चांदी 1350 रुपये प्रति किलोग्राम चमक गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना हाजिर 0.92 प्रतिशत की तेजी लेकर 1824.70 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। इसी तरह अमेरिकी सोना वायदा 1.28 प्रतिशत चढ़कर 1832.60 डॉलर प्रति औंस पर रहा। इस दौरान चांदी हाजिर 2.16 प्रतिशत की छलांग लगाकर 21.53 डॉलर प्रति औंस बोली गयी। अंतर्राष्ट्रीय स्तर की तेजी का असर देश के सबसे बड़े वायदा बाजार एमसीएक्स में भी रहा।

सेंसेक्स और निफ्टी गिरे

मुंबई। वैश्विक बाजार की तेजी के बावजूद स्थानीय स्तर पर ऊर्जा, यूटिलिटीज, तेल एवं गैस और पावर समेत दस समूहों में हुई बिकवाली से आज सेंसेक्स और निफ्टी में लगातार चौथे दिन भी गिरावट रही।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 152.18 अंक टूटकर 52541.39 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 39.95 अंक फिसलकर 15692.15 अंक पर रहा। हालांकि दिग्गज कंपनियों के विपरीत बीएसई की छोटी और मझौली कंपनियों में हुई लिवाली से बाजार को समर्थन मिला। इस दौरान मिडकैप 0.52 प्रतिशत चढ़कर 21,955.28 अंक और स्मॉलकैप 0.49 प्रतिशत मजबूत होकर 25,065.95 अंक पर पहुंच गया।

इस दौरान बीएसई में कुल 3442 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 1519 में गिरावट जबकि 1775 में तेजी रही वहीं 148 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में 25 कंपनियां लाल जबकि शेष 25 हरे निशान पर रही।

बीएसई के दस समूह में तेजी वहीं शेष 10 में मंदी रही। इस दौरान ऊर्जा 0.82, एफएमसीजी 0.29, आईटी 0.59, दूरसंचार 0.17, यूटिलिटीज 0.79, धातु 0.74, तेल एवं गैस 0.81, पावर 0.91, रियल्टी 0.62 और टेक समूह के शेयर 0.67 प्रतिशत गिरे। वहीं, ऑटो समूह में सबसे अधिक 0.90 प्रतिशत की तेजी रही।

अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में तेजी का रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 1.31, जर्मनी का डैक्स 1.08, हांगकांग का हैंगसेंग 1.14 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.50 प्रतिशत मजबूत रहा वहीं जापान का निक्केई 1.14 प्रतिशत गिर गया। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 43 अंक फिसलकर 52,650.41 अंक पर खुला लेकिन लिवाली की बदौलत दोपहर बाद 52,867.73 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। बिकवाली के दबाव में कारोबार के अंतिम चरण में यह 52,493.36 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया।

भारत का निर्यात मई में 20 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक, पेट्रोलियम, चमड़ा उत्पाद, कॉफी और अनाज तथा खली की विदेशों से मांग के अच्छे समर्थन के बीच भारत का वाणिज्यिक निर्यात मई 2022 में वार्षिक आधार पर 20.55 प्रतिशत बढ़कर 38.94 अरब डॉलर रहा।

पिछले साल मई में वाणिज्यिक वस्तुओं का निर्यात 32.30 अरब डॉलर के बराबर हुआ था।

वाणिज्य मंत्रालय द्वारा बुधवार को जारी आंकड़ों में बताया गया कि मई 2022 में वस्तुओं का आयात उछलकर 63.22 अरब डॉलर के बराबर रहा जो मई 2021 में 38.83 अरब डॉलर था।

मई 2022 में व्यापार घाटा (आयात-निर्यात का अंतर) बढ़कर 24.29 अरब डॉलर रहा।

वाणिज्य मंत्रालय ने बयान में कहा, गैर-पेट्रोलियम और गैर-रत्नाभूषण निर्यात मई में 13.10 प्रतिशत बढ़कर 27.16 अरब डॉलर रहा। पिछले वर्ष मई माह में गैर-पेट्रोलियम तथा गैर-रत्नाभूषण क्षेत्र का निर्यात 24.02 अरब डॉलर था। मंत्रालय के अनुसार गैर-पेट्रोलियम और गैर-रत्नाभूषण आयात मई में 31.66 प्रतिशत बढ़कर 34.79 अरब डॉलर रहा। पिछले वर्ष इसी माह में गैर-पेट्रोलियम तथा गैर-रत्नाभूषण क्षेत्र का आयात 26.42 अरब डॉलर था। आलोच्य माह में पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात एक साल पहले की तुलना में 60.87 प्रतिशत बढ़कर 8.54 अरब डॉलर रहा जबकि इलेक्ट्रॉनिक समानों का निर्यात 47.37 प्रतिशत बढ़कर 1.39 अरब डॉलर रहा।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के अनुसार पेट्रोलियम आयात मई 2022 में 102.72 प्रतिशत बढ़कर 19.19 अरब डॉलर रहा जो पिछले वर्ष मई में 9.46 अरब डॉलर था।

इसी दौरान कोयला, कोक और कोयले की टिक्की का आयात सालाना आधार पर 172 प्रतिशत 5.42 अरब डॉलर रहा।

मई 2022 में सोने का आयात भी 789 प्रतिशत उछलकर 6.02 अरब डॉलर पर पहुंच गया जो मई 2021 में 67.77 करोड़ डॉलर के करीब था।

भारत का वस्तु एवं सेवाओं का संयुक्त निर्यात 62.21 अरब डॉलर के बराबर रहा जो एक साल पहले 24.03 प्रतिशत अधिक है।

निर्यातकों के शीर्ष संगठन फिओ के अध्यक्ष डॉ ए शक्तिवेल ने कहा कि मई 2022 के निर्यात के आंकड़े दर्शाते हैं कि वैश्विक अनिश्चिताओं के बढ़ने के बावजूद भारत का निर्यात क्षेत्र मजबूत प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने कहा कि मई में निर्यात में वृद्धि में खासतौर पर पेट्रोलियम उत्पाद, इंजीनियरिंग समान, इलेक्ट्रोनिक वस्तुओं, कार्बनिक और अकार्बनिक रसायनों, रेडीमेड गार्मेंट्स और कपड़े, रत्नाभूषण, औषधीय, अनाज, कॉफी, चमड़ों के उत्पाद और खली तथा अनाज के निर्यात में वृद्धि का बड़ा योगदान रहा।

डॉ. शक्तिवेल ने कहा कि भारत द्वारा हाल में किए गए मुक्त व्यापार समझौतों और उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं से आनेवाले समय में निर्यात में गति बनी रहेगी। इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद के चेयरमैन महेश देसाई ने बयान में कहा कि यूरोप में चल रही लड़ाई के बावजूद भारत का इंजीनियरिंग निर्यात मई में सालाना आधार पर 12.65 प्रतिशत बढ़कर 9.71 अरब डॉलर रहा। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि विश्व बाजार में जिंसों की कीमतें शांत होने के बाद भारत के इंजीनियरिंग निर्यात को बड़ा फायदा होगा और यह आर्थिक वृद्धि की गति को ओर तेज करने में सहायक होगा।

इकरा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा, गैर-तेल निर्यात में माह-दर-माह हल्की गिरावट और सोने के आयात में उछाल से मई 2022 में भारत का व्यापार घाटा बढ़कर 24 अरब डॉलर हो गया है। उन्होंने कहा कि अक्षय तृतीया के कारण सोने के आयात में उछाल आने के पहले से उम्मीद की जा रही थी लेकिन इस महीने व्यापार घाटा कुछ हल्का रह सकता है।

शक्कर में लिवाली, खोपरा गोला सस्ता, खाद्य तेलो में गिरावट, दलहन मजबूत, दाल सस्ती, चावल सामान्य

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में शक्कर में लिवाली बताई गई। खोपरा गोला सस्ता बिका। खाद्य तेलों में गिरावट रही। मूंगफली तेल तथा सोयाबीन रिफाइंड में भाव कम हुए। दलहन मजबूत बताए गए। दाल में मांग सुस्ती से नरमी रही। चावल में खरीदी बनी रही।

किराना बाजार

शक्कर में उठाव रहा। आज शक्कर में कामकाज 3580 से 3620 रुपये के स्तर पर चला। शक्कर में 06 गाड़ी आवक हुई। खोपरा गोला 10 रुपये सस्ता बिका। खोपरा बूरा, हल्दी तथा साबूदाना में मांग सुधार लिए बताई गई।

तेल -तिलहन

खाद्य तेल में मांग सुस्ती से नरमी दर्ज की गई। आज मूंगफली तेल तथा सोयाबीन रिफाइंड नीचा बिका। तिलहन में प्लान्टो की लिवाली से भाव मजबूत बताए गए।

दाल-दलहन

स्थानीय संयोगितागंज अनाज मंडी में दलहन मजबूत बताए गए । चना उड़द महंगी बिकी। दालों में उठाव थमा रहा इससे यह नीची होकर बिकी। चावल में पूछपरख बढ़त लिए रही।

किराना

शक्कर 3580 से 3620 रुपये प्रति क्विंटल। खोपरा गोला 170 से 195 रुपये प्रति किलोग्राम। खोपरा बूरा 2000 से 3500 रुपये प्रति 15 किलोग्राम।

हल्दी खडी 100 से 162 रुपये प्रति किलोग्राम। साबूदाना 4850 से 5450, पैकिंग में 5800 से 6000 रुपये प्रति क्विंटल।

तिलहन

सरसों निमाड़ी 6300 से 6500, रायडा 6100 से 6200 रुपये प्रति क्विंटल।

तेल

मूंगफली तेल इंदौर 1590 से 1610, सोयाबीन रिफाइंड इंदौर 1470 से 1475, सोयाबीन साल्वेंट 1450 से 1455 पाम तेल 1495 से 1500 रुपये प्रति 10 किलो।

दलहन

चना (कांटा) 4700 से 4725, मसूर 6700 से 6750, तुअर निमाड़ी 5500 से 5900, तुअर सफेद (महाराष्ट्र) 6200 से 6400, तुअर (कर्नाटक) 6400 से 6500, मूंग 5800 से 6100, मूंग हल्की 5100 से 5400, उड़द 6500 से 7000, उड़द मीडियम 5500 से 6500, उड़द नया 6300 से 6750, हल्का 2500 से 4500 रुपये प्रति क्विंटल।

चना दाल 5750 से 6250, तुअर दाल सवा नंबर 8000 से 8100, तुअर दाल फूल 8300 से 8400, तुअर दाल नई 8700 से 9400, आयातित तुअर दाल 7800 से 7900, मसूर दाल 7950 से 8250, मूंग दाल 7600 से 7900, मूंग मोगर 8500 से 8800, उड़द दाल 8400 से 8700, उड़द मोगर 9200 से 9500 रुपये प्रति क्विंटल।

चावल-पोहा

बासमती 10000 से 11000, तिबार 8000 से 8500, दुबार 7000 से 7500, मिनी दुबार 6500 से 7000, मोगरा 3500 से 4500, बासमती सैला 6500 से 9000, कालीमूंछ 7500 से 8000, राजभोग 6500 से 7000, दूबराज 3500 से 4500, परमल 2500 से 2650, हंसा सैला 2450 से 2650, हंसा सफेद 2350 से 2450, पोहा 3700 से 4100 रुपये प्रति क्विंटल।

रवा-मैदा

रवा 1390 से 1400, मैदा 1320 से 1330, आटा 1280 से 1300, चना बेसन 3140 से 3150 रुपये प्रति 50 किलोग्राम।

अडानी ग्रुप की कंपनियों की वैल्यू में रिकॉर्ड इजाफा, रामदेव की पतंजलि को झटका

नई दिल्ली। शेयर बाजार में तेजी के साथ मूल्य के हिसाब से अडानी समूह की कंपनियों को सबसे ज्यादा मुनाफा हुआ है। वहीं, मुकेश अंबानी की रिलायंस दूसरे स्थान पर रही है। जबकि योगगुरु रामदेव की पतंजलि आयुर्वेद के मूल्यांकन में गिरावट आई है। बरगंडी प्राइवेट हुरुन इंडिया की रिपोर्ट में यह जानकारी मिली है।

अडानी समूह में कितना उछाल

छह महीने यानी नवंबर से लेकर अप्रैल, 2022 के दौरान समूह का मूल्यांकन 88.1 प्रतिशत उछलकर 17.6 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। रिपोर्ट के अनुसार, गौतम अडानी की अगुवाई वाली कंपनियों में अडानी ग्रीन एनर्जी का मूल्यांकन सबसे तेजी से 139 प्रतिशत बढ़कर 4.50 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। इसके साथ कंपनी छठे स्थान पर आ गई, छह माह पहले 16वें स्थान पर थी।

अडानी विल्मर इस दौरान करीब 190 प्रतिशत बढ़कर 66,427 करोड़ रुपये, अडानी पावर 157.8 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 66,185 करोड़ रुपये पहुंच गयी। समूह की कुल नौ कंपनियों का मूल्यांकन छह महीने के दौरान (नवंबर 2021 से अप्रैल 2022) 88.1 प्रतिशत बढ़कर 17.6 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। इनकी 500 शीर्ष कंपनियों में हिस्सेदारी 7.6 प्रतिशत है।

मुकेश अंबानी दूसरे स्थान पर

दिग्गज उद्योगपति मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्य 13.4 प्रतिशत बढ़कर 18.87 लाख करोड़ रुपये रहा। वहीं, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) सूची में 12.97 लाख करोड़ रुपये के मूल्यांकन के साथ तीसरे स्थान पर रही। हालांकि, उसका मूल्य इस दौरान 0.9 प्रतिशत घटा है। इसके बाद क्रमश: एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस और आईसीआईसीआई बैंक का स्थान रहा।

रामदेव की कंपनी में गिरावट

जिन कंपनियों के मूल्यांकन में गिरावट और रैंकिंग में कमी देखी गयी, उसमें बाबा रामदेव की अगुवाई वाली पतंजलि आयुर्वेद शामिल है। कंपनी का मूल्य 17.9 प्रतिशत घटकर 23,000 करोड़ रुपये रहा। साथ ही यह रैंकिंग में फिसलकर 184वें स्थान पर आ गयी जबकि पहले 34वें पायदान पर थी।

शार्ट न्यूज

जो रूट बने नंबर एक टेस्ट बल्लेबाज

दुबई। अपने बल्लेबाज़ी करियर के स्वर्णिम दौर से गुजर रहे इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में पहले स्थान पर पहुंच गये हैं।बुधवार को जारी रैंकिंग के अनुसार, जो रूट न्यूज़ीलैंड के खिलाफ चल रही टेस्ट सीरीज़ के दो मैचों में दो शतक लगाकर आईसीसी पुरुष टेस्ट रैंकिंग में दोबारा पहले स्थान पर आ गये। पहले टेस्ट में 115 रन की शतकीय पारी खेलने के बाद रूट पूर्व नंबर एक बल्लेबाज़ मार्नस लाबुशेन के बेहद करीब आ गये थे, और अब वह दूसरे टेस्ट में 176 रन बनाकर लाबुशेन से पांच पॉइंट आगे निकल गये हैं। टेस्ट खिसक गये हैं। इससे पहले रूट दिसंबर 2021 में टेस्ट रैंकिंग के शीर्ष पर बने हुए थे, लेकिन लाबुशेन ने उन्हें पछाड़ कर टेस्ट का ताज अपने सिर पर पहना था। जो रूट 163 दिन तक नंबर एक टेस्ट बल्लेबाज रह चुके हैं। इनके अलावा स्टीव स्मिथ (1,506 दिन), विराट कोहली (469 दिन) और केन विलियमसन (245 दिन) ने खेल के सबसे लंबे प्रारूप में अपना लोहा मनवाया है। रूट के अलावा उनके हमवतन जॉनी बेयरस्टो और कप्तान बेन स्टोक्स ने भी आईसीसी रैंकिंग में छलांग लगायी है। बेयरस्टो ने 92 गेंदों पर 136 रन की मैच विजयी पारी खेलकर टीम को दूसरा टेस्ट जिताने के साथ-साथ 13 पायदान छलांग भी लगायी, और अब वह टेस्ट रैंकिंग में 39वें स्थान पर आ गये हैं। दूसरी ओर स्टोक्स की 75 रन की नाबाद पारी ने उन्हें 27वें स्थान से 22वें पायदान पर पहुंचा दिया है।

तीसरे टी20 के बाद भारतीय क्रिकेटरों ने आईसीसी रैंकिंग में लगायी छलांग

दुबई। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टी20 में 48 रन की जीत के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) की टी20 रैंकिंग में छलांग लगायी है। बुधवार को जारी रैंकिंग के अनुसार, आईसीसी टी20 रैंकिंग में भारत के शीर्ष गेंदबाज़ भुवनेश्वर कुमार का नाम 11वें स्थान पर पहुंच गया है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 श्रंखला में किफायती गेंदबाजी की बदौलत भुवी ने अपनी सर्वश्रेष्ठ रेटिंग (635) के साथ सात पायदान छलांग लगायी है। साथ ही तीसरे टी20 मुकाबले में 20 रन के बदले तीन विकेट झटक कर मैन ऑफ द मैच जीतने वाले युज़ी चहल भी 557 की रेटिंग के साथ चार पायदान छलांग लगाते हुए 26वें स्थान पर आ गये हैं। इसी बीच, ऑस्ट्रेलिया के तेज़ गेंदबाज़ जॉश हेज़लवुड आईसीसी टी20 रैंकिंग में नंबर एक गेंदबाज बन गये। आईपीएल 2022 में आकर्षक प्रयास के बाद हेज़लवुड ने श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज़ में भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए तीन मैचों में 9.50 की औसत से छह विकेट लिये। इस हफ्ते की रैंकिंग के अनुसार हेज़लवुड 792 पॉइंट के साथ पहले स्थान पर हैं, जबकि इंग्लैंड के आदिल रशीद 746 पॉइंट के साथ दूसरे स्थान पर मौजूद हैं। हेज़लवुड के साथी और ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के फिरकी गेंदबाज़ एश्टन एगर ने तीन पायदान ऊपर छलांग लगायी है और वह 640 पॉइंट के साथ नौंवे स्थान पर आ गये हैं।

डेव हाउटन बने ज़िम्बाब्वे के मुख्य कोच

हरारे। पूर्व ज़िम्बाब्वे कप्तान डेव हाउटन को नेशनल टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। अगले महीने ज़िम्बाब्वे टी20 विश्व कप क्वालिफ़ायर की मेज़बानी भी करेगा। 64-वर्षीय हाउटन लालचंद राजपूत की जगह लेंगे और राजपूत अब तकनीकी निदेशक का पदभार संभालेंगे। मार्च में ज़िम्बाब्वे क्रिकेट (ज़ेडसी ने राजपूत के कोचिंग अनुबंध की अवधि को बढ़ाया था लेकिन अब बोर ने सपोर्ट स्टाफ़ की गठन में बदलाव का फ़ैसला लिया है। हाउटन इससे पहले 1990 के दशक में भी कोच रहे हैं और जब ज़िम्बाब्वे ने 1999 विश्व कप में एक यादगार अभियान में सुपर सिक्स में प्रवेश किया था तब भी वह मुख्य कोच थे। उन्होंने इंग्लैंड में घरेलू क्रिकेट में डर्बीशायर और मिडिलसेक्स जैसे टीमों को भी कोच किया है। हाल ही में उन्होंने ज़िम्बाब्वे की घरेलू क्रिकेट में माउंटेनीयर्स को भी कोच किया है। ज़िम्बाब्वे ने जब भारत के ख़िलाफ़ 1992 में अपना पहला टेस्ट खेला था तब हाउटन ही टीम के कप्तान थे और उन्होंने डेब्यू पर शतकीय पारी भी खेली थी। उन्हों 22 टेस्ट में चार शतक लगाते हुए 43.05 के औसत से 1464 रन बनाए। 1994 में श्रीलंका के विरुद्ध बुलावायो में उनका 266 ज़िम्बाब्वे के लिए टेस्ट इतिहास में सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर भी है। ज़िम्बाब्वे को हाल ही में घर पर अफ़ग़ानिस्तान ने 3-0 से टी20 सीरीज़ में हराया लेकिन ज़ेडसी के क्रिकेट निदेशक हैमिलटन मसकाद्ज़ा ने उम्मीद जताई है कि हाउटन जैसे अनुभवी कोच की नियुक्ति से टीम का टी20 विश्व कप में पहुंचने के आसार बेहतर होंगे।

धीमे ओवर रेट के कारण डब्लयूटीसी अंक तालिका में इंग्लैंड के दो अंक कटे

नाटिंघम। न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ़ ट्रेंट ब्रिज टेस्ट में धीमी ओवर गति के कारण विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के अंक तालिका में दो अंक काटे गए हैं। साथ ही इंग्लैंड के सभी खिलाड़ियों पर 40 फ़ीसदी मैच फीस का जुर्माना लगा है। अब तक इस विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में इंग्लैंड के 10 अंक काटे जा चुके हैं। इससे पहले उनके आठ अंक एशेज़ श्रृंखला के दौरान काटे गए थे। मैदानी अंपायर माइकल गफ़ और पॉल राइफल, तीसरे अंपायर रॉड टकर और चौथे अंपायर मार्टिन सैगर्स द्वारा आंकलन के बाद यह फ़ैसला लिया गया कि मेज़बान टीम ने तय समय के हिसाब से दो ओवर कम किया था। मैच रेफरी रिची रिचर्डसन ने औपचारिक सुनवाई की आवश्यकता के बिना कप्तान बेन स्टोक्स को धीमी ओवर रेट के लिए दोषी पाया। ट्रेंट ब्रिज टेस्ट में मिली जीत के बाद विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में इंग्लैड के पास 42 अंक थे। हालांकि धीमी ओवर रेट के लिए मिली सजा के बाद यह 40 हो गए। इसके साथ ही अंक तालिका में अब इंग्लैंड आठवें स्थान पर पहुंच गया है। ओवर रेट से संबंधित आईसीसी के नियमों के अनुसार खिलाड़ियों को उनकी टीम के द्वारा निर्धारित समय में गेंदबाजी करने में विफल रहने के बाद प्रति ओवर की दर से हर ओवर में मैच फ़ीस का 20त्न जुर्माना लगाया जाता है इंग्लैंड ने ट्रेंट ब्रिज टेस्ट में एक रिकॉर्ड तोड़ जीत दर्ज की थी। इंग्लैंड अंतिम दिन 299 रनों का पीछा कर रहा था। इंग्लैंड की टीम एक समय पर चार विकेट के नुकसान पर 93 रन बना कर खेल रही था। हालांकि इसके बाद जॉनी बेयरस्टो और स्टोक्स के बीच 179 रनों की साझेदारी हुई। बेयरस्टो ने 92 गेंदों में 136 रनों की पारी खेली। उन्होंने 77 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। बेयरस्टो के आउट होने के बाद स्टोक्स और बेन फ़ोक्स ने इंग्लैंड के लिए मैच जिताऊ साझेदारी की। स्टोक्स 70 गेंदों में 75 रन बनाकर नाबाद रहे।

यूएस ओपन में हिस्सा ले सकेंगे रूसी, बेलारूसी खिलाड़ी

वाशिंगटन। अमेरिका टेनिस संघ (यूएसटीए) ने रूसी और बेलारूसी खिलाड़ियों को यूएस ओपन ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में हिस्सा लेने की अनुमति दे दी है। यूएसटीए ने मंगलवार को जारी बयान में कहा, यूएसटीए यूएस ओपन 2022 में रूस और बेलारूस के व्यक्तिगत एथलीटों को एक तटस्थ ध्वज के तहत हिस्सा लेने की अनुमति देगा। उल्लेखनीय है कि यूक्रेन पर रूस के सैन्य अभियान की शुरुआत के बाद रूसी खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ (आईटीएफ) के आयोजनों और खेल जगत में कई अन्य आयोजनों से प्रतिबंधित कर दिया गया था। बेलारूस ने इस सैन्य अभियान का समर्थन किया था इसलिये बेलारूसी खिलाड़ियों पर भी समान प्रतिबंध लगाया गया था। यूएसटीए ने बयान में कहा कि वह यूक्रेन में रूस के अकारण और अन्यायपूर्ण आक्रमण की निंदा करना जारी रखता है। बयान में कहा गया, यूएसटीएफ अन्य टेनिस संस्थाओं के साथ खड़े होकर, आईटीएफ से और सभी अंतरराष्ट्रीय टीम प्रतियोगिताओं से रूसी और बेलारूसी टेनिस संघों पर प्रतिबंध लगाने का समर्थन करता है। इसी के साथ संघ सभी अंतरराष्ट्रीय टीम प्रतियोगिताओं के बाहर प्रतिस्पर्धा करते समय उन देशों के खिलाड़ियों के लिए तटस्थ ध्वज के तहत खेलने के निर्देश का भी समर्थन करता है। यूएसटीए ने कहा कि अपनी परिस्थितियों क ध्यान में रखते हुए वह हर राष्ट्रीयता के पात्र खिलाड़ियों को 2022 यूएस ओपन में हिस्सा लेने की अनुमति देगा।

गौरव गिल केन्या में आयोजित वर्ल्ड रैली चैम्पियनशिप में हिस्सा लेंगे

नयी दिल्ली। देश में मोटरस्पोर्ट का पर्याय जेके टायर अपनी मोटरस्पोर्ट यात्रा के चार दशकों का जश्न मना रहा है। पिछले दो वर्षों में महामारी के कारण भी ब्राण्ड का जोश कम नहीं हुआ और उन्होंने सफलतापूर्वक अपने सालाना कार्यक्रमों के साथ रेसिंग चैम्पियनशिप का आयोजन किया। टीम ने बुधवार को 2022 के लिए अपनी योजनाओं की घोषणा की ।

इस मौके पर भारत के प्रतिष्ठित रैली ड्राइवर और अर्जुन पुरस्कार विजेता गौरव गिल ने वर्ल्ड रैली चैम्पियनशिप 2022 में हिस्सा लेने की घोषणा की है। तीन बार एपीआरसी (एशिया पेसिफिक रैली चैम्पियनशिप) चैम्पियन और सात बार आईएनआरसी (इंडियन नेशनल रैली चैम्पियनशिप) चैम्पियन 23 से 26 जून के बीच केन्या में आयोजित डब्ल्यूआरसी सफारी रैली में हिस्सा लेने के लिए तैयार हैं। गिल, ब्राज़ील के को-ड्राइवर गैबरियल मोरालेस के साथ 290एचपी और अधिकतम 425 न्यूटन मीटर टोर्क के साथ डब्ल्यूआरसी2 में स्कोडा फाबिया आर5 पर आउटिंग करेंगे। डब्ल्यूआरसी की सबसे चुनौतीपूर्ण रैलियों में से एक, सफारी में 19 विशेष चरण हैं, जिसमें धूल भरी सड़कों, मुश्किल रास्तों और अप्रत्याशित मौसम के बीच 365 किलोमीटर की चुनौतीपूर्ण यात्रा करनी होगी। इस दौरान मौसम कभी भी ऐसा रूप ले सकता है जो सूखे, धूल भरे रास्तों को कीचड़ से भरी पगडंडियों में बदल दे। गिल ने अपनी आखिरी आउटिंग 2019 में टर्की की रैली में महामारी से पहले डब्ल्यूआरसी2 पर की थी, जहां जीत से चूकने के बावजूद उन्हें खूब सराहना मिली। वहीं न्यू साउथ वेल्स के कोफ्स कोस्ट में जंगलों में ज़बरदस्त आग के चलते ऑस्ट्रेलिया की रैली में उनकी आउटिंग आखिरी समय में रद्द कर दी गई थी।

गौरव गिल ने कहा,2 साल के बाद डब्ल्यूआर पर फिर से लौटते हुए मुझे बेहद खुशी का अनुभव हो रहा है। महामारी के इन दो वर्षों में मैंने अपने पिछले अनुभवों का उपयोग किया, अपनी फिटनेस स पर काम किया और नेशनल रैली चैम्पियनशिप के अलावा विभिन्न गतिविधियों में हिस्सा लेते हुए अपने परफोर्मेन्स में सुधार लाना जारी रखा। मैं जेके टायर मोटरस्पोर्ट्स के प्रति आभारी हूं, जिन्होंने मुझे पूरा सहयोग प्रदान किया है। मुझे विश्वास है कि मैं देश और अपनी टीम के लिए बेहतरीन परिणाम लेकर आउंगा।'

डोमेस्टिक फ्रंट की बात करें साल 2022 जेके टायर के लिए जश्न का वर्ष है। इस साल कंपनी जेके टायर नेशनल रेसिंग चैम्पियनशिप के 25 वर्षों की यात्रा का जश्न मना रही है, उम्मीद है कि इंटरनेशनल एक्ज़ीबिशन रेसों के साथ यह बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर भव्य कार्यक्रम होगा।

देश में उभरती प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के दृष्टिकोण के साथ कंपनी ने 300,000 यूरो के स्कॉलरशिप प्रोग्राम की घोषणा की है जिसका उपयोग उभरती प्रतिभा को बढ़ावा देने के लिए किया जाएगा, जिन्होंने डोमेस्टिक सर्किट पर अपना लोहा मनवाया है। मोटरस्पोर्ट के विभिन्न क्षेत्रों से 5 युवा प्रतिभाशाली एथलीट्स को यह स्कॉलरशिप दी जाएगी, इनमें से एक एथलीट लड़की होगी। भारत के उभरते रेसिंग स्टार- कोट्टयम से 17 वर्षीय आमिर सईद अपनी कैटेगरी में सीज़न की सभी 12 रेसों को जीतकर 2020 में जेके टायर नोविस कप चैम्पियन बन गए। आमिर को जेके टायर मोटरस्पोर्ट का समर्थन प्राप्त है और इस साल वे फ्रेंच एफ4 चैम्पियनशिप में हिस्सा ले रहे हैं।

इस मौके पर संजय शर्मा, हैड ऑफ मोटरस्पोर्ट्स, जेके टायर ने कहा, ''जेके टायर हमेशा से भारत में मोटरस्पोर्ट को बढ़ावा देने में अग्रणी रहा है। देश भर में ट्रैक और इन्फ्रास्ट्रक्चर स्थापित करते हुए कंपनी ने देश-विदेश में मोटरस्पोर्ट संस्कृति को प्रोत्साहित करने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। युवा प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से हम यह स्कॉलरशिप प्रोग्राम लेकर आए हैं, जिसमें विभिन्न श्रेणियों में बच्चों का चयन किया जाएगा और उन्हें इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म्स पर देश का प्रतिनिधित्व करने और देश का गौरव बढ़ाने का मौका मिलेगा। 25वें साल की शुरूआत के साथ हम जोश से भरपूर हैं, अपनी मोटरस्पोर्ट योजनाओं के साथ पूरी तरह से तैयार हैं और आने वाले समय में भी देश में मोटरस्पोर्ट को प्रोत्साहित करने के लिए हरसंभव प्रयास करते रहेंगे।'

जेके टायर देश में मोटरस्पोर्ट्स का अग्रदूत रहा है, विदेशों में रेसिंग करने वाले 90 फीसदी बच्चे जेके टायर प्रोग्राम से ही आए हैं। अर्जुन मैनी, कुश मैनी, यश अराध्या, अखिल रबिन्द्रा, स्नेहा शर्मा, मीरा अरडा जैसी युवा प्रेरणाएं भी जेके टायर के मोटरस्पोर्ट प्रोग्राम से ही विकसित हुई हैं।

16 जून से सोनी दिखायेगा इंग्लैंड में भारत की यादगार जीतों की कहानी

मुंबई। अपनी डॉक्यूमेंट्री डाउन अंडरडॉग्स- इंडियाज़ ग्रेटेस्ट कमबैक में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2020/21 में भारत की करिश्माई जीत की कहानी सुनाने के बाद, सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क भारत और इंग्लैंड के बीच लंबे समय से चली आ रही टेस्ट क्रिकेट प्रतिद्वंद्विता की एक और दिलचस्प कहानी दिखाने के लिए तैयार है। इंग्लैंड में सभी बाधाओं को पार कर टीम इंडिया को जीत दिलाने वाले क्रिकेटरों की कहानियों का वर्णन करते हुए सोनी आर्किटेक्ट्स इन व्हाइट - इंडिया क्रिकेट इन इंग्लैंड प्रस्तुत करने जा रहा है। यह डॉक्यूमेंट्री सीरीज़ पिछले नौ दशकों में भारत की इंग्लैंड में सबसे यादगार जीतों पर केंद्रित है। चार-एपिसोड की यह डॉक्यूसीरीज़ सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर 16 जून से 19 जून, 2022 तक प्रसारित होगी। इस सीरीज़ को सोनी टेन-1 (अंग्रेजी), सोनी टेन-3 (हिंदी) और सोनी टेन-4 (तमिल और तेलुगु) चैनलों पर चार भाषाओं में देखा जा सकता है। इसके साथ यह ऑन-डिमांड ओटीटी प्लेटफॉर्म सोनी लिव पर भी उपलब्ध होगी। आर्किटेक्ट्स इन व्हाइट - इंडिया क्रिकेट इन इंग्लैंड में सुनील गावस्कर, डेविड गॉवर, निक नाइट, चेतन शर्मा, किरण मोरे और मनिंदर सिंह जैसे कुछ महान क्रिकेटरों की आवाजें हैं, जो इंग्लैंड में टीम इंडिया की बेहतरीन खेल उपलब्धियों को याद करती है। डॉक्यूमेंट्री में लॉरेंस बूथ , स्काइल्ड बेरी, शारदा उग्रा और अयाज मेमन जैसे भारत और इंग्लैंड के उल्लेखनीय खेल पत्रकारों की अंतर्दृष्टि भी शामिल है।

2023 में महिला आईपीएल कराने के लिये प्रतिबद्ध : जय शाह

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने बुधवार को कहा कि बीसीसीआई देश में महिला क्रिकेट के विकास के लिए अधिकतम अवसर पैदा करने के अलावा 2023 में महिला आईपीएल शुरू करने के लिए भी प्रतिबद्ध है।

शाह ने आईपीएल के मीडिया अधिकारों की सफल नीलामी के बाद जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा, मुझे गर्व है कि आईपीएल आज इतना बड़ा हो गया है। ई-नीलामी ने आज आईपीएल को प्रति मैच मीडिया अधिकार मूल्य के मामले में बड़ी लीग में पहुंचा दिया है। हमने सुनिश्चित किया कि प्रक्रिया सभी हितधारकों के लिए पारदर्शी और निष्पक्ष हो। मैं सभी विजेताओं को बधाई देता हूं और बोलीदाताओं को ई-नीलामी प्रक्रिया में भाग लेने के लिए धन्यवाद देता हूं। मुझे विश्वास है कि हम सब मिलकर आईपीएल ब्रांड में मूल्यवर्धन करते रहेंगे और राजस्व, भागीदारी और प्रदर्शन के मामले में इसे दुनिया की सबसे बड़ी खेल लीग बनाएंगे।

शाह ने कहा, हमारा पूरा ध्यान क्रिकेट और व्यावसायिक हितों को संतुलित करने पर है क्योंकि बीसीसीआई क्रिकेट के माध्यम से देश में खेलों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। मीडिया अधिकारों के माध्यम से हम जो पैसा कमाते हैं, वह अंतत: भारत में जमीनी स्तर के क्रिकेट को लाभान्वित करेगा और यही मायने रखता है। बीसीसीआई देश में महिला क्रिकेट के विकास के लिए अधिकतम अवसर पैदा करने के अलावा 2023 में महिला आईपीएल शुरू करने के लिए भी प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि बीसीसीआई अन्य खेलों को बढ़ावा देने के प्रयास में देश के हर नुक्कड़ पर खेलों को बढ़ावा देने के लिए पूर्वोत्तर में इनडोर खेल अकादमियों और चुनिंदा स्थानों में स्टेडियम भी स्थापित कर रहा है।

बीसीसीआई पूर्व खिलाड़ियों और क्रिकेटरों की विधवाओं को पेंशन और वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए एक संसाधन पूल भी बनाएगा।

दुनिया के सबसे अमीर क्रिकेट बोर्ड ने मंगलवार को आईपीएल की 2023-27 साइकिल के मीडिया अधिकार बेचकर कुल 48,390.32 करोड़ रुपये जोड़े। स्टार इंडिया ने 23,575 करोड़ रुपये की बोली के साथ भारत के टीवी प्रसारण अधिकार खरीदे, जबकि वायकॉम18 को 23,758 करोड़ रुपये की विजयी बोली के साथ डिजिटल अधिकार मिले। बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने ट्वीट किया, खेल केवल पैसे के लिये नहीं है, यह प्रतिभा के लिये है। आईपीएल ई-नीलामी ने दिखाया कि हमारे देश में खेल कितना मजबूत है। यह आंकड़ा सभी युवाओं के लिए सबसे बड़ी प्रेरणा होनी चाहिए। खिलाड़ियों को अपनी क्षमता और टीम इंडिया को उच्चतम स्तर पर ले जाने के लिए।

श्रीलंका और पाकिस्तान के बाद अब ईरान की इकॉनमी पस्त

केंद्रीय मंत्री को देना पड़ा इस्तीफा

नई दिल्ली। श्रीलंका, मालदीव, नेपाल और पाकिस्तान और अफगानिस्तान की इकॉनमी पस्त है। ये सभी भारत के पड़ोसी देशों में से हैं। ईरान की अर्थव्यवस्था भी डगमगाती दिख रही है। बुनियादी वस्तुओं की कीमत रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई है। इसी बीच ईरान के श्रम, कल्याण और सामाजिक मामलों के मंत्री होज्जतुल्ला अब्दुलमालकी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। रिपोर्ट्स बताती हैं कि ईरान की बिगड़ती आर्थिक स्थिति को देखते हुए होज्जतुल्ला को इस्तीफा देना पड़ा है।

इब्राहिम सरकार की बढ़ सकती हैं दिक्कतें

ईरान में मुद्रास्फीति दर लगातार तेजी से बढ़ती जा रही और इसे लेकर इब्राहिम रईसी सरकार पर दबाव बढ़ना शुरू हो

चुका है। कई पेंशनभोगी लोगों ने पिछले कुछ दिनों में होज्जतुल्ला से इस्तीफे की मांग कर रहे थे।

ईरान परमाणु समझौते और अमेरिकी प्रतिबंधों को लेकर जारी गतिरोध के बीच ईराली रियाल की कीमत गिरकर नए निचले स्तर पर आ गई है। ईरानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक होज्जतुल्ला के इस्तीफे के बाद से इब्राहिम सरकार की दिक्कतें और बढ़ सकती हैं। सरकार ने मोहम्मद हादी जाहेदी वफा को कार्यवाहक मंत्री बनाया है।

प्रदर्शन के मद्देनजर ईरान में सुरक्षा कड़ी

रिटायर्ड लोगों के साथ ही शिक्षक, बस ड्राइवर और मजदूरों ने भी हाल के दिनों में बढ़ती महंगाई और सरकार की आर्थिक नीति को लेकर आलोचना की है। विरोध-प्रदर्शन को देखते हुए ईरान के प्रमुख शहरों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। हाल के दिनों में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को पीटा है और उन पर आंसू गैस के गोले चलाए हैं।

2018 से बिगड़ी ईरान की इकॉनमी

ईरानी अर्थव्यवस्था 2018 में बिगड़ने लगी जब पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने परमाणु समझौते को लेकर ईरान पर और कड़े प्रतिबंध लगा दिए।

राष्ट्रपति जो बाइडेन के सत्ता में आने के बाद अमेरिका से बातचीत शुरू हुई तो ईरान की उम्मीद बढ़ी लेकिन लेकिन वियना में एक साल की गहन बातचीत के बाद मार्च में बातचीत बंद हो गई। ऐसे में ईरान की इकॉनमी गिरती चली गई।

ब्रिटेन पुलिस ने जासूसी के आरोप में एक व्यक्ति को लिया हिरासत में

मॉस्को। ब्रिटेन के गटविक हवाई अड्डे से लंदन पुलिस ने रुस के लिए जासूसी करने के आरोप में एक संदिग्ध व्यक्ति हिरासत में लिया है। ब्रिटिश मीडिया ने बुधवार को यह जानकारी दी। सन टैब्लॉइड ने सूत्रों के हवाले से बताया कि सोमवार को हवाई अड्डे पर एक संदिग्ध व्यक्ति को जासूसी करने के आरोप में उस समय हिरासत में लिया गया जब देश से बाहर जाने की कोशिक कर रहा था। उन्होंने कहा संदिग्ध ब्रिटेन में पुतिन शासन की ओर से जासूसी कर रहा था। उसे निगरानी में रखा गया और देश से बाहर जाने की कोशिश करने के लिए गैटविक पहुंचने पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

गलवान संघर्ष के दो साल, चीन के कारण अब तक दोनों देशों के बीच नहीं सुलझे बॉर्डर के मसले?

नई दिल्ली। 15 जून 2020 को भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हिंसक झड़प हुई थी। इस झड़प से दोनों पक्षों को नुकसान पहुंचा और संबंधों में खटास आ गई। दोनों देशों के बीच संबंध बिगड़ते चले गए। झड़प के दो साल बीत जाने के बाद भी बॉर्डर पर तनाव बना हुआ है और अब तक कोई समझौता होता नहीं दिख रहा है।

दो साल पहले हुए संघर्ष में 20 भारतीय सैनिक और अज्ञात चीनी सैनिकों की मौत हो गई। चीन ने हताहत हुए सैनिकों की संख्या बताने से इनकार कर दिया था। बाद में फरवरी 2021 में चीन ने गलवान संघर्ष में मारे गए चार सैनिकों को मरणोपरांत सम्मानित किया। रूस और ऑस्ट्रेलिया की न्यूज एजेंसियों ने बताया कि भारत के साथ हुए हिंसक झड़प में 38 चीनी सैनिकों की मौत हो गई थी।

चीन की मौजूदा रणनीति?

चीन ने बॉर्डर क्षेत्र में सैनिकों की संख्या बढ़ा दी है। पीपल्स लिबरेशन आर्मी ने तिब्बत क्षेत्र में बॉर्डर के नजदीक कई अभ्यास किए हैं। उदाहरण के लिए चीन ने जून महीने के पहले सप्ताह में शिगात्से में अभ्यास किया। रिपोर्ट्स के मुताबिक चीनी सेना ने एंटी टैंक रॉकेट लॉन्चर्स, ग्रेनेड लॉन्चर्स, एंटी एयरक्राफ्ट मशीन गन आदि से अभ्यास किया।

चीनी सरकारी मीडिया ने मई की शुरुआत में रिपोर्ट दी थी कि पश्चिमी सैन्य कमांड के शिनजियांग सैन्य जिले में पीपल्स लिबरेशन आर्मी की एक इकाई ने 5200 मीटर की ऊंचाई पर खूब सारे लॉन्ग-रेंज हेवी रॉकेट आर्टिलरी जमा किए हैं।

कई दौर की बातचीत लेकिन कोई समझौता नहीं

मई 2020 में गतिरोध शुरू होने के बाद से दोनों पक्षों ने अब तक 15 दौर की बातचीत की है। दोनों पक्षों के बीच सैन्य और कूटनीतिक स्तर की बातचीत भी हुई है लेकिन अभी तक किसी समझौते पर नहीं पहुंचा जा सका है।

भारत के विदेश मंत्री सुब्रमण्यम जयशंकर ने चीन से साफ कहा है कि जब तक बॉर्डर पर हालात सामान्य नहीं हो जाते दोनों देशों के बीच रिश्ते सामान्य नहीं हो सकते हैं।

ईंधन की 50 फीसदी मांग पूरी हो पाएगी

कोलंबो। श्रीलंका में आने वाले हफ्तों में गैस और ईंधन की लगभग 50 फीसदी मांग पूरी हो सकेगी। प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने यह आश्वासन दिया है। द डेली मिरर ने बुधवार को उनके बयान के हवाले से अपनी एक रिपोर्ट में कहा, 350 करोड़ टन गैस से लैस एक जहाज यहां पहुंचा है। हम अस्पताल, श्मशान और होटलों जैसे केवल थोक खरीदारों को ही गैस वितरित करेंगे। उन्होंने कहा, बाद में हमें चार महीने के लिए गैस की पर्याप्त खेप मिल जाएगी। इसे सुरक्षित रखने में हमें 14 दिन लगेंगे। हमें हालांकि जल्द ही कई और खेप मिलने की भी उम्मीद है। प्रधानमंत्री ने कहा, हमारे पास इस समय सात दिनों के लिए पर्याप्त ईंधन है। आने वाले हफ्तों में हालांकि 4,000 करोड़ टन ईंधन सुरक्षित रखने के प्रयास किए जा रहे हैं। हम भारत के साथ हस्ताक्षरित एक समझौते के तहत ईंधन मिलने की उम्मीद कर रहे हैं। इन दिनों किसी भी तरह से 50 फीसदी मांग की आपूर्ति करना संभव होगा। विक्रमसिंघे ने कहा, डॉलर के अलावा श्रीलंका के पास रुपये की भी कमी है। मैंने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के निदेशक से भी बात की है जिन्होंने सहायता में तेजी लाने का आश्वासन दिया है। इसके अलावा, मैंने वर्ल्ड फूड प्रोग्राम संस्थान से भी बात की है। सबसे पहले हमें खुद की मदद करनी पड़ेगी। इसलिए, जल्द से जल्द एक कर्ज पुनर्गठन कार्यक्रम का होना आवश्यक है।

नेपाल में अब एक दिन रहेगा अवकाश

काठमांडू। नेपाल सरकार ने एक महीने पहले सप्ताह में दो दिन (शनिवार और रविवार) अवकाश घोषित करने के बाद अब फिर से एक दिन का अवकाश की घोषणा की है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। नेपाल में गृह मंत्रालय के प्रवक्ता फणीन्द्र मणि पोखरेली ने कहा, नेपाल में दो दिनों का साप्ताहिक अवकाश अव्यवहारिक नजर आ रहा था। इसलिए एक महीने तक इसके प्रयोग के बाद फिर से एक दिन का अवकाश की घोषणा की गयी है, जैसा की इससे पहले होता था। उन्होंने कहा कि सरकार एक दिन की साप्ताहिक अवकाश के पहले जैसे नियम पर लौट आई है क्योंकि दो दिन की छुट्टी से लोगों की सेवाएं प्रभावित हुई है। कई सरकारी और निजी कार्यालय ने दो दिन की छुट्टी पर सरकार के नियम की अवहेलना की थी। अब शनिवार को सिर्फ एक दिन का साप्ताहिक अवकाश होगा। जबकि रविवार से शुक्रवार तक कार्यालयों का समय सुबह दस बजे से शाम पांच बजे के बजाय साढ़े नौ बजे से शाम साढ़े छह बजे तक कर दिया गया है। इससे पहले मंत्रिमंडल ने 15 मई से रविवार के दिन भी साप्ताहिक अवकाश रखने का फैसला लिया था ताकि ईंधन की खपत में कटौती की जा सके, जिनकी कीमतें हाल के दिनों में काफी उछाल आया था। व्यापार और निर्यात संवर्धन केंद्र के अनुसार नेपाल में जिन वस्तुओं का बड़े पैमाने पर आयात किया जाता है उनमें ईंधन प्रमुख हैं। यह जुलाई, 2021 के मध्य में शुरू हुए चालू वित्त वर्ष के पहले 10 महीनों में कुल व्यापारिक आयात का लगभग 16 प्रतिशत है। देश के सेंट्रल बैंक नेपाल राष्ट्र बैंक के मुताबिक बढ़ते आयात के कारण मई के मध्य में नेपाल में विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 9.28 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया था, जो जुलाई 2021 के मध्य में 11.75 अरब डॉलर था।

यूक्रेन ने ऊर्जा ज़रूरतें पूरी करने को अमेरिका से मांगी मदद

वाशिंगटन। यूक्रेन में जारी रूसी हमले के बीच उसकी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए यूक्रेन अमेरिका से कर्ज ले सकता है और इसके लिए दोनों देशों के बीच एक प्रस्ताव पर हस्ताक्षर होने हैं। अमेरिकी समाचार पत्र फॉरेन पॉलिसी की रिपोर्ट में बुधवार को यह जानकारी दी गयी। द्रवित प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की आपूर्ति के लिए यूक्रेन द्वारा दिया गया यह प्रस्ताव उन कई प्रस्तावों में से एक है जिसे यूक्रेन ने अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए अमेरिका के सामने रखा है। यूक्रेन की सबसे बड़ी तेल और प्राकृतिक गैस कंपनी नाफतोगाज़ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) यूरी विटरेंको ने कहा कि देश को सर्दियां शुरू होने से पहले तेल आयात के लिए करीब आठ अरब डॉलर की दरकार है। उन्होंने कहा इस तरह का आइडिया सुनकर बहुत आश्चर्य हुआ लेकिन उसे सही तरीके से लिया गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. -DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

ऐतिहासिक प्राचीन पवित्र शिवपुरी

शिवपुरी में बने महल और झीलें यहां आने वाले पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र हैं. मध्य प्रदेश के शिवपुरी की प्राकृतिक सुंदरता देखते ही बनती है. यहां पर चलने वाली हवा आपको तरो–ताजा कर देगी। एक जमाने में ये जगह ग्वालियर के सिंधिया वंश की समर कैपिटल थी. वे यहां गर्मियों के दिनों में आराम फरमाने के लिए आया करते थे।कहा जाता है कि यहां के घने जंगलों में मुगल सम्राट शिकार के लिए आते थे। अकबर ने यहीं से हाथियों के विशाल झुंड और शेरों को पकड़ा था।

समुद्रतल से 1515 फुट ऊपर भारत के मध्य प्रदेश में घने जंगलों का जिला हैं शिवपुरी। यह बहुत ही प्राचीन और पवित्र जगह है। प्राचीन समय में इसे सिपरी कहते थे। आजादी के बाद भगवान शिव के सम्मान में इस जगह का नाम शिवपुरी पड़ा। इस जगह का अपना शाही इतिहास है। यह जगह कभी ग्वालियर के शासक सिंधिया की ग्रीष्मकालीन राजधानी हुआ करती थी। इसके पहले यहां के घने जंगलों में मुगल शासक शिकार किया करते थे। 1564 में मांडू से लौटते समय अकबर ने इन्हीं जंगलों में हाथी के झुंड का शिकार किया था। यहां के घने जंगल अब एक मिथक नहीं रह गए है बल्कि यहां आज भी घने जंगल पाएं जाते है जो शिवपुरी के पर्यटन को बढ़ावा देते है। यहां का कारेरा पक्षी अभयारण्य और माधव राष्ट्रीय पार्क, शिवपुरी में आने वाले पर्यटकों के लिए उत्तम जगह है जहां वह प्रकृति और शांति के अद्भुत सह - अस्तित्व को देख सकते है।

शिवपुरी का इतिहास काफी लंबा और पुराना है जो वाकई में बेहद रंगीन है। लगभग सत्रहवीं शताब्दी में शिवपुरी कच्छ राजाओं को जागीर के रूप में मिली। फरवरी 1781 में सिंधिया राजा युद्ध हार गए और यहां ब्रिटिश शासकों का कब्जा हो गया। 1804 में यह जगह फिर से सिंधिया राजाओं को मिली। तात्या टोपे को 1857 की लड़ाई में झांसी की रानी का साथ देने के लिए फांसी की सजा सुनाई गई। उन्हें शिवपुरी में ही फांसी दी गई थी। यह जगह आज भी यहां के नजदीकी कलेक्टरेट के पास है।

शिवपुरी को शाही परिवार की ग्रीष्मकालीन राजधानी कहा जाता है। शिवपुरी में कई महल व किले और मंदिर है जिनमें नरवार किला, माधव विलास पैलेस और महुआ शिव मंदिर आदि काफी प्रसिद्ध है। इसमें कोई शक नहीं है कि शिवपुरी एक शानदार पर्यटन स्थल है, यहां आत्मनिर्भर उद्योग द्वारा निर्मित शानदार स्मारक, राष्ट्रीय पार्क और पक्षी विहार स्थित है जो पर्यटकों को शिवपुरी की सैर के लिए मजबूर कर देते है।

मध्य प्रदेश के इस प्रसिद्ध जिले में देखने के लिए शानदार शाही महल हैं। शिकार करने के लिए लॉज और सिंधिया शासकों के बनाए गए बेहतरीन स्थल यहां के मुख्य आकर्षण हैं। मार्बल से बने खूबसूरत स्मारक भी देखे जा सकते हैं। 1911 में जार्ज किला जियाजी राव सिंधिया ने बनवाया था। माधव नेशनल पार्क के साथ ऊंचाई पर बना किला जार्ज वी बाघों के शिकार के लिए इस्तेमाल किया जाता था। ढलते सूरज के समय इस किले से पहाड़ी के नीचे के आसपास का नजारा और झील का नजारा अद्भुत दृश्य प्रस्तुत करता है।

शिवपुरी मुख्य रूप से यहां स्थित शिव मंदिर के लिए प्रसिद्ध है। यहां आप मन की शांति पा सकते हैं। योग और मेडिटेशन के लिए शिवपुरी बेहतर विकल्प है। साथ ही यहां पर बहती गंगा नदी में कई साहसिक खेलों का आयोजन किया जाता है। जैसे रिवर राफ्टिंग, बीच कैम्पिंग। साथ में जंगल वॉक, माउंटनेनियरिंग और जंगल ट्रेकिंग का भी मजा लिया जा सकता है। शिवपुरी जाने का सही समय है सितम्बर से मई तक। यह सड़क और रेल यातायात से जुड़ा है।

शिवपुरी में स्थित माधव राष्ट्रीय पार्क एक सुंदर भूमि है जहां समृद्ध जैव विविधता है और एक शांत झील के चारों ओर रोलिंग पहाडियां स्थित है, यहां स्थित घास के मैदान वातावरण को हरा - भरा बनाने में कोई कमी नहीं छोड़ते है। 157.58 वर्ग किलोमीटर में फैले इस नेशनल पार्क में चिंकारा, चीतल, चौसिंहा, सांभर, ब्लैकबक, स्लोथबीयर, लंगूर और तेंदुआ जैसे जानवर देखने को मिलते हैं। यहां का सफर रोमांच से भरा होता है।

शिवपुरी राष्ट्रीय पार्क तक ही सीमित नहीं रह गया है यहां सख्या सागर झील, बूरा खोन झरना, पावा झरना और सौन चिरैया बर्ड सेंचुरी भी स्थित हैं जहां प्रकृति की गोद में स्थित सुंदर माहौल को देखा जा सकता है। शिवपुरी, पर्यटकों को शहरी कंक्रीट के जंगल से दूर प्रकृति के सानिध्य में समय गुजारने का अमूल्य वातावरण प्रदान करता है।

अतिशय दिगंबर जैन क्षेत्र पचराई

शिवपुरी जिले के खनियाधाना से ईसागढ. मार्ग पर मात्र 16 कि.मी. दूर अतिशय दिगंबर जैन क्षेत्र पचराई विद्यमान है। मध्य रेलवे लाइन के बसई स्टेशन से 48 कि.मी. दूर बस बस द्वारा पचराई पहुँचा जा सकता है। शिवपुरी से रन्नौद होकर 75 कि.मी. की दूरी तय कर भी पचराई पहुँचते हैं। पचराई की शिल्पकला 11वीं शताब्दी का है। अनेक शिलालेख वि.सं. 1122,1210,1345 के भी उपलब्ध हैं।

पचराई जैन क्षेत्र एक अहाते में परकोटा से आवृत्त 28 जिनालयों का समूह है। मुख्य मंदिर शीतलनाथ स्वामी का है जिसमें खडगासन, 12 फुट की अवगाहना पर देशी पाषाण कृत तीर्थकर शीतलनाथ जी वंदनीय हैं। अनेक मूर्तियों में 453 अभी भी अखंडित दर्शनीय हैं। कतिपय मूर्तियों पर किया गया हीरे का पालिस उनके सौंदर्य को चमकदार बनाये हुये हैं। 1200 वर्ष प्राचीन यह क्षेत्र जर्जर हो रहा है हालाँकि सन् 1965 में साहू जैन ट्रस्ट द्वारा इसका जीर्णोधार कराया जा चुका है। यहाँ का निर्माता भी पाणाशाह को माना जाता है। इस क्षेत्र पर धर्मशाला,बावडी और उदासीन आश्रम भी हैं।

शिवपुरी का मौसम

शिवपुरी की सैर का सबसे अच्छा समय अक्टूबर से मार्च के दौरान होता है। वैसे यहां साल के सभी मौसम में पर्यटक भ्रमण कर सकते है। लेकिन सुखद सैर के लिए हल्की सर्दी के बाद से आया जा सकता है।

खोखही मठ ऑफ रन्नौद

शिवपुरी में अधिकांश मंदिर भगवान शिव को समर्पित है लेकिन खोखही मठ ऑफ रन्नौड इस क्षेत्र में बने मंदिरों में से थोड़ा अलग है जो घने जंगलों के बीच स्थित है। कई सालों से भक्त इस मठ में दर्शन करने आते रहते है। एक लम्बे समय से मठ इस क्षेत्र में पर्यटन का केंद्र बना हुआ है।

खोखही मठ ऑफ रन्नौड, शिवपुरी के आसपास के क्षेत्र का एक प्राचीन मंदिर है। हिंदुओं के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विश्वासों के अनुसार, यह मठ धार्मिक महत्व रखता है जो कुछ प्राचीन पूजा स्थलों और स्थानों के संरक्षण के लिए मार्ग प्रशस्त करता है। यह मंदिर 6 वीं या 7 वीं सदी में बना हुआ है लेकिन आज 20 वीं सदी में यहां आने भक्तों की श्रृद्धा में कोई कमी नहीं है, यहां आने श्रृद्धालुओं ने इस मंदिर के प्रताप को बरकारार रखा है।

भक्तों की अटूट श्रृंखला अभी भी मंदिर को लेकर बनी हुई है। इस मंदिर के आसपास महुआ मंदिर, टेराही मंदिर और सिद्देश्वर मंदिर स्थित है, यह सभी मंदिर उस दौरान के बने हुए है जब यहां की भूमि पर राजा और राज्यों के शासकों का बोलबाला था। उसी युग में रन्नौड के खोखही मठ का भी निर्माण किया गया था, यह मठ शिवपुरी के बाहरी क्षेत्र में शहर से 65 किमी. की दूरी पर स्थित है।

मटका मेला

शिवपुरी के प्राचीन राजेश्वरी माता मंदिर में चैत्र नवरात्री के अवसर पर आयोजित होने वाले मटकों के प्रसिद्ध मेले में अब भी भारी भीड़ जुटती है और इसमें मटके या मिट्टी से निर्मित बर्तन खरीदना आज भी शुभ माना जाता है।

इस मेले में शिवपुरी और आसपास के शहरों, नगरों के लोग बेहद श्रद्धा के साथ आते हैं और माता के दरबार में दर्शन व पूजा-अर्चना के बाद मिट्टी से निर्मित वस्तु जरूर खरीदने का प्रयास करते हैं। मेले के लिए नवरात्रि की छठ से ही दुकानें सजना प्रारंभ हो जाती हैं। मेले में आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के अलावा सीमावर्ती उत्तरप्रदेश के झांसी जिले से भी मिट्टी के कलात्मक मटके-बर्तन और खिलौने लेकर आते हैं। इन कलात्मक वस्तुओं को खरीददार काफी पसंद करते हैं। मेले में मटकों और सुराही के अलावा मिट्टी के तवे (करीला), बच्चों की गुल्लकों, चक्की तथा अन्य खिलौनों की खूब मांग रहती है।

कैसे जाएं-

वायु मार्ग- शिवपुरी का निकटतम एयरपोर्ट ग्वालियर में है। ये एयरपोर्ट शिवपुरी से लगभग 117 किलोमीटर की दूरी पर है।

रेल मार्ग- झांसी और ग्वालियर शिवपुरी के नजदीकी रेलवे स्टेशन हैं।

सड़क मार्ग- आगरा, ग्वालियर, झांसी, भोपाल, इंदौर, उज्जन आदि शहरों से यहां के लिए नियमित रूप से बसें चलती रहती हैं।